सत्यमेव जयते

सांसद आदर्श ग्राम योजना

संकलन - सां.आ.ग्रा.यो. ग्राम पंचायतों की पहल

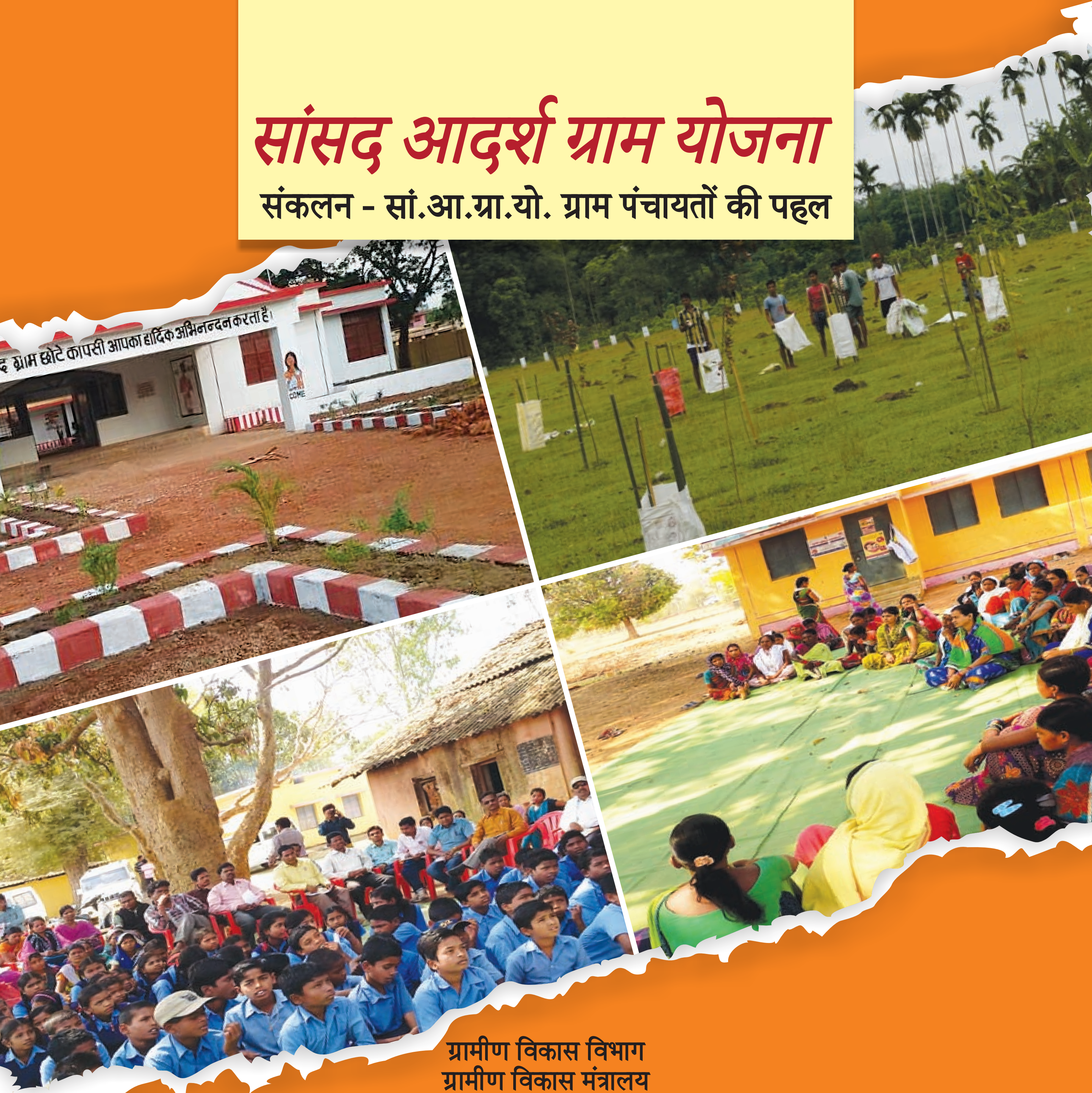

ग्रामीण विकास विभाग
ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत सरकार
एवं
राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान
हैदराबाद

सांसद आदर्श ग्राम योजना

संकलन - सां.आ.ग्रा.यो. ग्राम पंचायतों की पहल

ग्रामीण विकास विभाग
ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार
एवं
राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान
हैदराबाद

संदेश

अंतर्वस्तु

1. संस्थागत ऋण तक सुगम पहुँच सुनिश्चित करना - वनअधिकार मान्यता लाभार्थियों को फसल ऋण 1
2. महिलाओं के नेतृत्व कौशल के प्रभाव से शासन में सुधार 2
3. नवोन्मेषी प्रौढ़ साक्षरता 3
4. जलस्रोत विकास कार्यक्रम, सिक्किम,"धारा विकास", कितम मनपुर ग्राम पंचायत 4
5. शारदा में नशाबंदी कार्यक्रम - फास्ट ट्रॅक अभियान 5
6. कावेरी नदी पर चेक डैम का निर्माण 6
7. अपर्याप्त निकासी सुविधा से निजात पाने के लिए बायो-डायजेस्टर शौचालय 7
8. डॉक्टर ऑन कॉल परियोजना; स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में सुधार 8
9. जैविक-ईंधन वृक्षारोपण के द्वारा आर्थिक विकास : (पोंगम्मिया पिन्नाटा) एवं बहु उद्देश्यीय वृक्ष प्रजातियाँ 9
10. पेयजल आपूर्ति के लिए सौर ऊर्जा दोहन 10
11. गांव में ही सेवा वितरण नेटवर्क 11
12. सांसद के साथ संप्रेषण हेतु सांसद आदर्श ग्राम योजना ग्राम वासियों के लिए एकीकृत आई सी टी नीति 12
13. ग्रामीण पर्यटन : सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए एक नया मंत्र 13

14. निरंतर टिकाऊ आर्थिक मॉडल - केले की बागबानी, नागालैण्ड 14
15. ग्राम उद्योगों को बढ़ावा देते हुए आजीविका में अभिवृद्धि 15
16. सामुदायिक जैव शौचालय - स्वच्छता में सुधार को बढावा देना 16
17. आधार कार्ड द्वारा सरकारी लाभ का अंतरण 17
18. गांव को साफ-सुथरा और हराभरा रखना-प्लास्टिक मुक्त अभियान एवं वृक्ष-रक्षा 18
19. ग्राम सडक विकास - गुजरात 19
20. खास जरूरतवाले बालकों के लिए केन्द्र, जोरहट, असम 20
21. पारंपरिक बुनकरों को सहारा देना - पुरगांव ग्राम, छत्तीसगढ 21
22. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की ओर नया कदम 22
23. भारत में पहला वाई - फाई गांव 23
24. स्वस्थ बालिका : सुनहरा भविष्य 24
25. सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन और संरक्षण 25
26. कुराई कुट - गन्ना उत्सव समारोह 26
27. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आर एल एम) द्वारा गिरौद में महिलाओं की आर्थिक अभिवृद्धि 27

28. येलगंगा नदी की सफाई 28
29. सहभागी स्थानीय स्व-शासन का सुदृढीकरण 29
30. आई सी डी एस एवं एस एस ए (प्राथमिक पाठशाला) पूर्व शिक्षा अभिसरण 30
31. सासंद आदर्श ग्राम योजना ग्राम पंचायत के लिए संसाधनों का संग्रहण 31
32. संरचना विकास के माध्यम से ग्राम रूपांतरण 32
33. जल बचाओ और स्वच्छता अभियान 33
34. आदर्श कंप्यूटर साक्षरता केन्द्र, अलवालपुर गांव, बिहार 34
35. सहभागी जलागम प्रबंधन : जल भरण और उसका संचयन 35
36. निजी क्षेत्र का सामाजिक विकास के प्रति योगदान-कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी का उपयोग, ग्रामीण युवाओं के लिए ड्राईवर प्रशिक्षण 36
37. जिले का पहला जैविक गांव 37
38. प्राचीन शिव मंदिर का जीर्णोद्धार, गिरौद गांव बना आकर्षक पर्यटन स्थल 38
39. बाजार शेड का निर्माण 39
40. चाय बागान के बच्चों में त्वचा की बीमारी का ईलाज, लंगकाशी ग्राम पंचायत, असम 40
41. बडी इलायची का रोपण तिंगवाँग, सिक्किम - प्राचीन आय सृजन कृषि पद्धतियों का पुनरुज्जीवन 41
42. आदर्श गांव पर चित्रकला प्रतियोगिता 42
43. जशवंतगढ ग्राम पंचायत, गुजरात में हवाडो का निर्माण 43
44. जयापुर : नव जीवन संचार 44
45. अतिक्रमणमुक्त गांव 45

46. 100 प्रतिशत उर्वराभूमि कार्ड कवरेज 46
47. पेयजल आपूर्ति की नवोन्मेषी पहल, त्रिपुरा 47
48. उद्यमशीलता से सशक्तिकरण 48
49. मनरेगा के अंतर्गत पशु आश्रय - गरीब, मजदूरी करनेवाले किसानों के लिए वैकल्पिक आजीविका 49
50. सरकारी स्कूल में सौर ऊर्जा संयंत्र 50
51. ए एन एम उप-केन्द्र प्रवर्तन के उपरांत स्वास्थ्य सेवाओं में विकास 51
52. समाजार्थिक समृद्धि के लिए स्थायित्व-समर्थ आजीविका 52
53. मारेडुमिल्ली गाँव, पूर्व गोदावरी, आन्ध्र प्रदेश में ईको-पर्यटन को बढ़ावा - अब अंधेरा नहीं 53
54. खुले में शौच मुक्त ग्राम पंचायत का विकास 54
55. अंत्योदय-गरीब से गरीब तक पहुँचना 55
56. वामपंथी अतिवाद (एल डब्ल्यू ई) से पीडित क्षेत्रों में सु-शासन 56
57. विकलांग लोगों को समर्थन 57
58. राष्ट्रगान गायन, कुट्टियत्तूर ग्राम पंचायत कार्यालय 58
59. पर्यावरणानुकूल - शौचालय 59
60. समग्र ग्रामीण विकास, पाटलोद, इंदौर, मध्य प्रदेश 60
61. ग्राम समिति द्वारा जल संचयन संरचनाओं का दायित्व लेना 61
62. पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना द्वारा अन्यथा कुशल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना 62
63. लड़कियों के लिए डिजिटल साक्षरता 63

64. मॉडल ग्राम सचिवालय-विकेन्द्रीकरण का एक कदम आगे। 64

65. गाँव में कचरा संग्रहण ट्रॉली एवं ट्रक का उपयोग - गुजरात 65

66. खुले में शौच से मुक्त ग्राम पंचायत 66

67. सुपोषण तिहार (पर्याप्त पोषण त्योहार) - कुपोषण निवारण के लिए गोटाटोला की पहल 67

68. स्थायित्व समर्थित कृषि एवं समग्र विकास 68

69. कम लागत से निकासी, महाराष्ट्र 69

70. स्वच्छ ग्राम की ओर : सामुदायिक नेतृत्व में स्वच्छता एवं ठोस कूडा प्रबंधन 70

71. कृषि में मध्यस्थता द्वारा आजीविका वृद्धि 71

72. खाद्य प्रसंस्करण पर संपर्क कार्यक्रम 72

73. बेहतर सडक के माध्यम से यातायात में सुधार 73

74. ''संपूर्ण स्वच्छता'' द्वारा 2800 टन कूडा हटाया गया। 74

75. परिवार नियोजन के लिए जागरुकता - सृजन शिविर 75

76. एल ई डी लाइट्स के प्रयोग द्वारा ऊर्जा संरक्षण 76

77. एकीकृत ग्राम विकास 77

78. सक्रिय नेतृत्व द्वारा व्यापक विकास 78

79. जलवायु के अनुरूप कृषि को बढावा देना, तेजपुर, आसाम 79

80. गाँव को हरा-भरा बनाने के लिए व्यापक वृक्षारोपण 80

81. मॉडल आंगनवाडी केन्द्र 81

82. स्वच्छ टैबलेट- डिजिटली संचालित व्यवहार परिवर्तन अभियान 82

83. समुदायिक जल शोधक परियोजना 83

84. 100 प्रतिशत साक्षरता की ओर 84

85. "जादुई - आँखोंवाला" (मॅजिक आईस वाला) गाँव, गुजरात 85

86. स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिविर पर सामाजिक संग्रहण 86

87. जैविक खेती-स्थायी कृषि को बढावा देना 87

88. स्वच्छ गाँव के लिए बायोडायजेस्टर शौचालय, नांगबॉ, मिरडॅान 88

89. बस अड्डा: ग्रामीण गतिशीलता को सुसाध्य बनाना, नये मार्ग खोलना 89

90. रु. 14 करोड योजना के साथ मॉडल गाँव 90

91. नागरिकों के द्वार पर अभिशासन 91

92. ई-पी डी एस प्रबंध 92

93. पहला, 'खुले में शौच मुक्त गाँव' - धमतरी जिला 93

94. लोगों के साथ जुड़ने का कार्यक्रम-सरकारी सामुदायिक परिचर्चा 94

95. जैविक खेती को बढ़ावा, ख्वालाइलंग गाँव 95

96. मछली-पोखर एवं उद्यान 96

97. योग द्वारा धौली गाँव के स्वास्थ्य विकास का रास्ता सुलभ 97

98. वित्तीय समावेश शिविर 98

99. स्वस्थ आदतों को बढावा देना; योगाभ्यास 99

100. ई - वैद्य : सभी के लिए स्वास्थ्य 100

101. शिक्षा और जल संरक्षण को बढावा देना 101

संस्थागत ऋण तक सुगम पहुँच सुनिश्चित करना - वनअधिकार मान्यता लाभार्थियों को फसल ऋण

1

पी आर ए अभ्यास के भाग के रूप में परिस्थिति विश्लेषण के समय यह देखा गया है कि आदिलाबाद जिले के पटनापुर ग्राम पंचायत के किसी भी वन अधिकारों की मान्यता (आर ओ पी आर) लाभार्थियों ने संस्थागत ऋण नहीं लिया हैं। कृषि के लिए वे लोग स्थानीय साहूकारों द्वारा बेहिसाब ब्याज दरों पर दिये जाने वाले ऋण पर निर्भर हैं। ये साहूकार 60 प्रतिशत से अधिक ब्याज दरों से वसूली कर उनका शोषण कर रहे हैं। बैंकर्स उन किसानों को ऋण नहीं दे रहे है जिनके पास पहानी (भूमि पर स्वामित्व अधिकार) नहीं है। इसलिए छोटे और सीमान्त किसान राष्ट्रीय कृत बैंकों से बिना पहानी के फसल ऋण का लाभ नही उठा पा रहे है।

संसद सदस्य श्री गड्डम नागेश ने वनअधिकार मान्यता लाभार्थियों के लिए फसल ऋण" नामक स्कीम शुरू की। इस स्कीम के अंतर्गत 44 किसानों को कवर किया गया तथा ये घोषणा भी की गयी कि, आर ओ एफ आर लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र जारी करने की जिम्मेदारी मंडल राजस्व अधिकारी (एम आर ओ) को दी गयी है। इस आधार पर बैंकर्स ने सहमति जतायी कि वे किसानों को ऋण जारी करेंगे। इसके चलते कृषि के लिए 44 किसान राष्ट्रीयकृत बैंकों से ऋण का लाभ उठा पायेंगे। यह एक उत्तम तरीका था जिसमें छूटे हुए लोग भी मुख्य धारा से जुड जाएँगे। भविष्य में यह स्कीम अन्य जिलों में भी दोहरायी जा सकती है।

सांसद का नाम	: श्री गड्डम नागेश
ग्राम पंचायत का नाम	: पटनापुर
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: आदिलाबाद
जिले का नाम	: अदिलाबाद
राज्य का नाम	: तेलंगाना

2 महिलाओं के नेतृत्व कौशल के प्रभाव से शासन में सुधार

भारतीय महिलाओं के लिए उच्चतर स्थिति तक उभरना कभी भी सरल नहीं रहा, फिर चाहे वह कार्पोरेट की दुनिया हो या देशीय राजनीति की गंभीर चुनौती हो। महिलाओं का आरक्षण नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं का प्रवेशद्वार बना परन्तु अमीर वर्ग, पुरुष वर्ग, दबदबा वर्ग और निहित स्वार्थ ग्रूपों के चलते वे यथा अपेक्षित स्थिति तक उभर नहीं पायी है।

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सरगुजा में चयनित करमहा गांव अपने आप में अनूठा है। श्री कमलभान सिंह मराबी के मार्गदर्शन में संपूर्ण गांव प्रगतिवादी महिला नेता के समूह के समर्थन में उठ खडा हुआ और जहां ये महिलाएँ पिछले दिसंबर में संपन्न स्थानीय निकाय चुनाव में बिना चुनाव प्रचार-प्रसार के जीत गयी। ऐसा ग्रामवासियों द्वारा अपने आप किये गये प्रभावी प्रचार-प्रसार से संभव हो पाया। उन्होंने 10 बिन्दुओं वाली जाँच सूची तैयार की जिसमें सर्वोपरि ईमानदारी, सच्चाई, समर्पण भाव, युक्ति संगतता और अन्य विशिष्टताओं को सम्मिलित किया और बताया कि एक अच्छे जन प्रतिनिधि के लिए ये सभी अपेक्षित हैं। उसके बाद ग्रामवासियों ने 18 ऐसी महिलाओं को सरपंच और पंच पदों के लिए चुना और उनकी शोभा यात्रा निकाली, प्रचार-प्रसार के और बिना विरोध चुनाव जीत गयी।

अल्प विकास और गरीबी में स्थित गांव अब 17 महिला पंचों के साथ अपने अगले विकासात्मक मुद्दों को उजागर करने की दिशा में अग्रसर है। गांव की सभी महिलाएँ निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के साथ एकजुट हो गयी तथा साक्षरता, पोषण, स्वच्छता और निरंतर आजीविकाओं के मुद्दों को उठाने में सामूहिक कार्य में जुट गयी।

सांसद का नाम	: श्री कमलभान सिंह मराबी
ग्राम पंचायत का नाम	: करमाहा
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: अम्बिकापुर
जिले का नाम	: सरगुजा
राज्य का नाम	: छत्तीसगढ

नवोन्मेषी प्रौढ़ साक्षरता

3

आन्ध्र प्रदेश में विजियानगरम जिले के द्वारापुडी ग्राम पंचायत का, संसद सदस्य श्री पी. अशोक गजपति राजू ने अभिग्रहण किया। यहां पर सच्चाई यह है कि गांव में माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा को उच्च प्राथमिकता देते है। ऐसा कोई भी छात्र नहीं है जिसने स्कूल छोड दिया हो फिर भी सांसद महोदय ने बताया कि गांवों में कुछ माता-पिता अनपढ़ हैं।

सांसद ने एक ऐसे अनोखे कार्यक्रम की शुरुआत की जिसमें उनके बच्चे ही क्लासरूम में अपने माता-पिता को पढाएँगे। सांसद ने ड्रामा, नुक्कड नाटक और कठपुतली के खेल के द्वारा विशेष जागरुकता अभियान का आयोजन किया और प्रौढ साक्षरता की आवश्यकता पर जोर दिया। वर्तमान में 11 साक्षर भारत कार्यकर्ता कार्य कर रहे हैं जो चुने गए 547 प्रौढ निरक्षरों को शिक्षा देंगे। वे बच्चे, जो प्रौढ़ निरक्षरों को पढ़ा रहे हैं उनकी प्रशंसा की गई और उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

सांसद का नाम	: श्री पी. अशोक गजपति राजु
ग्राम पंचायत का नाम	: द्वारापुडी
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: विजियानगरम
जिले का नाम	: विजियानगरम
राज्य का नाम	: आन्ध्र प्रदेश

4 जलस्रोत विकास कार्यक्रम, सिक्किम, “धारा विकास”, कितम मनपुर ग्राम पंचायत

कितम मनपुर ग्राम पंचायत दार्जिलिंग पर्वतों के वर्षा आधारित क्षेत्र में बसा हुआ है। पहाडी झरनों को स्थानीय तौर पर धारा के नाम से (नौला, चश्मा देश के अन्य भागों में) जाना जाता हैं जो असीम स्रोतों से भूमिगत जल का प्रवाह हैं। ग्रामीण परिवार इन जल स्रोतो से, खास कर भूमि की अंदरुनी पाईप प्रणाली से पानी भरते हैं। बढती हुई जनसंख्या, जलस्रोतो में जलस्तर घटाव, और बदलती जलवायु के प्रभाव से इन जल स्रोतों के सूखने की अवधि में प्रवाह की तेजी से कमी आती है जिस कारण गाँव के लोगों को दिसंबर से मई के दौरान पानी की गंभीर कमी का सामना करना पडता है।

संसद सदस्य द्वारा इस ग्राम पंचायत के अभिग्रहण के पश्चात ये निर्णय लिया गया कि एक अनूठे जलस्रोत शेड विकास की पहल की जाए। इसका नामकरण “धारा विकास” किया गया, जिसका उद्देश्य भूगर्भ जलस्रोत और तत्पश्चात सूखी अवधि में जलस्रोत प्रवाह बढाना है। तदनुसार अधिक संख्या में खाइयां और गड्ढे खोदे गये। मिट्टी कटाव रोकने के लिए बागवानी और वानिकी वृक्षारोपण को बंजर भूमि में प्रारंभ किया गया। जल प्रवाह को रोकने के लिए नियमित अंतराल पर छोटे-छोटे जलाशय खोदे गये ताकि भूगर्भ जलस्रोत सुरक्षित रहें। अधिकांश कार्य मनरेगा के अंतर्गत निष्पादित किया गया।

विज्ञान और प्रयोग को सफलतापूर्वक दर्शाने में यह पद्धति सफल रही जिसमें वर्षा जल संचयन का उपयोग करते हुए भूगर्भ जल विकास (पुनर्भरण) कार्यक्रम, सिद्धान्त, कार्यान्वयन और नयी वैज्ञानिक अनुश्रवण पद्धति द्वारा धारा-विकास (स्प्रिंग शेड विकास) को प्रस्तुत किया गया।

सांसद का नाम	:	श्री प्रेम दास राय
ग्राम पंचायत का नाम	:	कितम मनपुर
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	दक्षिण जिला
जिले का नाम	:	सिक्किम
राज्य का नाम	:	सिक्किम

शारदा में नशाबंदी कार्यक्रम - फास्ट ट्रैक अभियान

5

सम्बलपुर जिले में शारदा नामक एक गाँव जहाँ जनजाति के लोगों की संख्या अधिक है तथा पिछले कई वर्षो से यह क्षेत्र पिछडा हुआ है परन्तु सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत संसद सदस्य श्री नागेन्द्र प्रधान द्वारा ग्राम अभिग्रहण के पश्चात यहां आमूल-चूल परिवर्तन हुआ। गाँव के युवा और बडे बुजुर्ग सभी नशाखोरी और तम्बाकू सेवन की लत में थे और गांव के विकास मे इसे मुख्य बाधक तत्व के रूप में माना गया था। इस समस्या से शीघ्र निजात पाने की बात महसूस करते हुए संसद सदस्य ने गाँववालों के साथ मिलकर पदयात्रा (फूट मार्च) प्रारंभ की और संपूर्ण ग्राम पंचायत को कवर किया तथा नशा और तम्बाकू सेवन के बाद होनेवाले दुष्प्रभाव के बारे में लोगों को अवगत कराया। उसके बाद गाँववालों ने नशीले पदार्थो के सभी रूपों से गाँव को मुक्त करवाने की ठानी और ग्राम पंचायत के प्रवेशद्वार पर एक बोर्ड लगवाकर चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति नशा करता हुआ पाया गया तो उस महिला/पुरुष पर रु. 1000/- का जुर्माना लगाया जाएगा। विभिन्न समानांतर विभागों के साथ कई जिला स्तरीय समन्वयन बैठकों का आयोजन किया गया तथा सम्मीलन के अंतरालों और संभावित क्षेत्रों की पहचान की गयी।

यह क्षेत्र रिजर्व वन क्षेत्र से घिरा हुआ है। सभी मौसमों में गाँव तक पहुँचने के लिए आसान मार्ग नहीं हैं परन्तु सां.आ.ग्रा.यो. के अंतर्गत आदर्श ग्राम के रूप में चयन के बाद यह संभव हुआ है, संसद सदस्य के लगातार संपर्क और विभिन्न लाभार्थियों से परिचर्चा के बाद इस खंड तक न्यूनतम संयोजन हेतु अनुमति प्राप्त हुई है। ग्राम पंचायत में बांध, पुलिया का निर्माण और संपर्क सडकों का निर्माण कार्य संभव हो सका है।

इसके अलावा, पारंपरिक बिजली हेतु भी अनुमति प्राप्त हुई और कार्य भी शीघ्र प्रारंभ होने वाला हैं। आई टी डी ए के माध्यम से सभी गांवों में सोलार स्ट्रीट लाईटें भी लगवायी गयी हैं। ग्रामीण जलापूर्ति और ओडिशा नवीनीकरण ऊर्जा विकास प्राधिकरण के साथ मिलकर सभी गांवों में पेयजल के लिए सोलार पंप लगाए गए। उसी प्रकार सरडा गांव में घर-घर तक सुरक्षित पेयजल आपूर्ति के लिए सोलार पंप पर चलने वाले एक ओवरहेड टैंक भी लगाया गया है। इस प्रकार सांसद द्वारा समग्र विकासात्मक दृष्टिकोण से सह आदिवासी गांव संपूर्ण विकास की ओर अग्रसर है।

सांसद का नाम	:	श्री नागेन्द्र प्रधान
ग्राम पंचायत का नाम	:	शारदा
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	सम्बलपुर
जिले का नाम	:	सम्बलपुर
राज्य का नाम	:	ओडिशा

6 कावेरी नदी पर चेक डैम का निर्माण

तमिलनाडु में तंजावुर जिले के तिरुमंगलाकुडी ग्राम पंचायत को सां.आ.ग्रा.यो. के अंतर्गत संसद सदस्य श्री आर.के. भारती मोहन ने गांव का अभिग्रहण किया जहाँ अधिकांश ग्रामवासी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर ही निर्भर हैं। सिंचाई का मुख्य स्त्रोत कावेरी नदी है। सांसद महोदय सामाजिक संग्रह क्रियाकलाप का नेतृत्व कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि कृषि के लिए नदी का जल ही महत्वपूर्ण घटक है क्योंकि कावेरी नदी का जलस्तर घटता जा रहा है। वर्ष 2005 से ग्रामवासी नदी पर चेक डैम के निर्माण की प्रतीक्षा कर रहे थे। विशेष प्रयासों के साथ सांसद महोदय ने नाबार्ड के साथ सह प्रस्ताव रखा तथा चर्चा का प्रारंभ किया, ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास निधि के अंतर्गत रु. 1.16 करोड का निधिपोषण प्राप्त किया तथा कावेरी नदी पर दिनांक 30 मई, 2015 तक चेक डैम का निर्माण करवाया। तिरुमंगलाकुडी के सतही जल स्तरों और उप-जल स्तरों तथा निकटवर्ती क्षेत्रों में चेक डैम के कारण जल स्तर बढा है। लगभग 345 एकड भूमि को प्रत्यक्ष रूप से लाभ हुआ है तथा 1000 एकड भूमि अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुई।

सांसद का नाम	: श्री आर.के. भारती मोहन
ग्राम पंचायत का नाम	: तिरुमंगलाकुडी
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: तंजावुर
जिले का नाम	: तंजावुर
राज्य का नाम	: तमिलनाडू

अपर्याप्त निकासी सुविधा से निजात पाने के लिए बायो-डायजेस्टर शौचालय

7

पेदमैनवनलंका (पी एम लंक) एवं तुरपुटल्यु ये दोनों ही गाँव दूरस्थ तटीय गाँव है जो आन्ध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में स्थित है। ग्रामीण इलाकों के घरों में 600 शौचालय होने के बावजूद लोग अभी भी खुले में ही शौच के लिए जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन दोनों गांवों में निकासी का समुचित प्रबंध नहीं है जिसके कारण मल, जल और शौच के निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है।

समस्या के नवोन्मेषी समाधान के रूप में उन्होंने रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डी आर डी ओ) से संपर्क किया क्योंकि इस संगठन ने बायो-डायजेस्टर शौचालय विकसित किया है। सी एस आर निधिपोषण का संग्रहण करते हुए सांसद ने 44 बायो-डायजेस्टर आधारित शौचालयों की निर्मिती सुनिश्चित की। अब परिवारों के लिए 1000 स्वतंत्र बायो-डायजेस्टर शौचालय बनाने की योजना है।

सांसद का नाम	:	श्रीमती निर्मला सीतारामन
ग्राम पंचायत का नाम	:	पेदमैनवनालंका
जिले का नाम	:	पश्चिम गोदावरी
राज्य का नाम	:	आन्ध्र प्रदेश

8 डॉक्टर ऑन कॉल परियोजना; स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में सुधार

श्रीमती स्मृती जुबीन ईरानी ने सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत मघरोल गाँव का अभिग्रहण किया तथा ग्रामवासियों से और ग्राम के पंच से परिचर्चा की और पाया कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में गाँव पिछड रहा है।

संसद सदस्य द्वारा सां.आ.ग्रा.यो. ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य सेवाएँ बढाने के लिए गहन प्रयास प्रारंभ किये गये। धर्मज जलाराम ट्रस्ट द्वारा एक आई सी यु वैन तथा एक ॲम्बुलेन्स स्थानीय सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा केन्द्र को दिये गये जिसमें कुल रु. 1.28 करोड की राशि सम्मिलित रही। ग्रामवासियों को 500 स्वास्थ्य कार्ड जारी किये गये। स्वास्थ्य कार्ड लाभार्थियों को यात्रा के दौरान परिवहन व्यय दिया जाएगा। पंचायत के लिए उन्होंने “डॉक्टर ऑन कॉल परियोजना” भी प्रारंभ की।

सांसद का नाम	: श्रीमती स्मृती जुबीन ईरानी
ग्राम पंचायत का नाम	: मघरोल
जिले का नाम	: आणंद
राज्य का नाम	: गुजरात

9

जैविक-ईंधन वृक्षारोपण के द्वारा आर्थिक विकास : (पोंगम्मिया पिन्नाटा) एवं बहु उद्देश्यीय वृक्ष प्रजातियाँ

श्री के. रहमान खान, संसद सदस्य राज्य सभा के मार्गदर्शन में 10,000 विभिन्न बहुउद्देश्यीय वृक्ष प्रजातियों जैसे पोंगम्मिया पिन्नाटा (होंगे) के 8000 पौधे, बंबू-बंबूसा प्रजाति (बिड्रु) के 800 पौधे, टर्मिनेलिया अर्जुन (होनेमति) के 500 पौधे, सिजिजियम क्यूमिनी (पेरुला) के 500 पौधे और सिमारुबा ग्लाउका के 200 पौधे 20 हेक्टेयर भूमि में रोपित किये गये। यह वृक्षारोपण कंचुगरानाहल्ली जलाशय के तटीय क्षेत्र में किया गया ताकि कृषि समुदाय की स्थानीय आवश्यकताओं को बढाया जा सके जैसे-चारा, ईंधन, फल एवं भूमि तथा जल संरक्षण आदि। पोंगम्मिया पिन्नाटा पौधों को अधिक महत्व दिया गया क्योंकि ये जैविक ईंधन के अधिक काम आता है 80 प्रति शत से अधिक वृक्षारोपण में पोंगम्मिया पिन्नाटा के पौधे लगाये गये क्योंकि ये निम्नकोटि की मानी गयी जमीन पर उग जाते हैं और इसे निकासियों के किनारे और प्राईवेट भूमि पर भी उगाया जा सकता है लोग इसकी पत्तियों का हरी खाद के रूप में उपयोग करते हैं बीज एकत्रित करते हैं और बाजार में रु. 25 से 30 प्रति किलो के दाम से बेचते हैं। कर्नाटक के जैविक ईंधन बोर्ड ने समुदाय भूमि पर भी जैविक ईंधन वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया। कंचगुरानाहल्ली ग्राम पंचायत में 56 स्व-सहायता समूह हैं। भविष्य में भी इन स्व-सहायता समूहों को अधिक जानकारी दी जाएगी तथा जैविक ईंधन उत्पादन के लिए पोंगम्मिया पिन्नाटा अधिक संख्या में उगाते हुए समुदाय की आर्थिक समृद्धि के लिए बेहतर उपज पद्धतियों पर (जैविक ईंधन) बायो फ्यूएल बोर्ड ऑफ कर्नाटक के साथ मिलकर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

सांसद का नाम	: श्री के. रहमान खान
ग्राम पंचायत का नाम	: कंचुगराना हल्ली
जिले का नाम	: रामनगरा
राज्य का नाम	: कर्नाटक

10 पेयजल आपूर्ति के लिए सौर ऊर्जा दोहन

हाहप ग्राम पंचायत रांची जिले के नामकम खंड में बसी हुई है। यह पर्वतीय इलाकों में मुख्यत: वन पंचायत है। इस ग्राम पंचायत में लोग दूर-दूर रहते हैं तथा प्रत्येक खंड में 30-40 परिवार 20.1 वर्ग कि.मी. के क्षेत्र में अलग-अलग रहते हैं। बिजली भी रुक-रुक कर आती-जाती रहती है और अनियमितता बरकरार है। ग्राम पंचायत में मुख्य जलापूर्ति परियोजनाएँ भी व्यवहार्य नहीं हैं।

संसद सदस्य श्री राम तहल चौधरी को इस समस्या का पता चला। विभिन्न स्टेकहोल्डरों के साथ कई बार चर्चा करने के बाद उन्होंने पेयजल और स्वच्छता विभाग के साथ समन्वय किया तथा राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अंतर्गत रु.10,50,000 की धनराशि मंजूर कर दूरस्थ गांव में 40 परिवारों को जल प्रदान करने हेतु सोलार ऊर्जा आधारित पाईप जलापूर्ति स्कीम प्रारंभ की। परियोजना का कार्य निष्पादन और इसका रख-रखाव ग्राम सभा द्वारा किया जा रहा है। सरकार आवश्यक तकनीकी समर्थन प्रदान कर रही है।

संसद सदस्य द्वारा नवोन्मेषी दृष्टिकोण अपनाया गया है जो 40 परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुआ है। एक समय में इस क्षेत्र को सूखा बताया जाता था अब यहां पर सुरक्षित पेयजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

सांसद का नाम	: श्री राम तहल चौधरी
ग्राम पंचायत का नाम	: हाहप
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: रांची
जिले का नाम	: रांची
राज्य का नाम	: झारखंड

11 गांव में ही सेवा वितरण नेटवर्क

उत्तरी गोवा के इब्रामपुर ग्राम पंचायत में "गांव में ही सेवा" को प्रारंभ किया गया। इस गांव का चयन संसद सदस्य श्री श्रीपाद यस्सो नायक ने किया। इस गांव में लोगों को सरकारी सेवाएँ प्राप्त करने के लिए उप-विभागीय मुख्यालय तक नहीं जाना पडेगा बल्कि गांव से ही इन सेवाओं तक पहुँचा जा सकेगा। यह व्यवस्था इसलिए प्रारंभ की गयी कि कलेक्टरेट की सेवाएँ नागरिकों के लिए निचले स्तर पर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जा सके। इस व्यवस्था में आवेदक अपने आवेदन के साथ सभी संगत दस्तावेजों को संलग्न कर संबंधित तलाटी को प्रस्तुत करता हैं। तलाटी इस आवेदन को आवश्यक स्कैन की गई प्रतिलिपियों के साथ मामलतदार / उप कलेक्टर को रिपोर्ट करता हैं जो इस आवेदन की जांच ऑनलाईन पर करते हैं तथा अनुमोदन कर प्रमाण-पत्र जारी करते हैं। तलाटी इस प्रमाण-पत्र का प्रिंटआउट लेते हैं और संबंधित आवेदक को सौंप देते हैं। प्रत्येक चरण पर आवेदक को एस एम एस अलर्ट भेजा जाता है ताकि वह ऑन लाईन पर आवेदन की स्थिति से अवगत हो सके।

ग्रामवासियों ने बडे पैमाने पर इस पहल की प्रशंसा की क्योंकि इससे काफी समय और परिश्रम बचता है और उनका प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु उन्हें उप-विभागीय कार्यालय तक नहीं जाना पडता है। वर्तमान समय में निम्नलिखित प्रमाण-पत्रों को ऑन-लाईन पर जारी किया जा रहा है। वे हैं : 1) आवास प्रमाण - पत्र 2) आय प्रमाण -पत्र 3) जाति प्रमाण-पत्र 4) स्थलांतरण प्रमाण-पत्र आदि।

सांसद का नाम	: श्री श्रीपाद येस्सो नायक
ग्राम पंचायत का नाम	: इब्रामपुर
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: उत्तरी गोवा
जिले का नाम	: उत्तरी गोवा
राज्य का नाम	: गोवा

12 सांसद के साथ संप्रेषण हेतु सांसद आदर्श ग्राम योजना ग्राम वासियों के लिए एकीकृत आई सी टी नीति

सांसद श्री जुगल किशोर शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के मतवार ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया वे हमेशा से चाहते थे कि लोग अपने गांव की मूल समस्या को पहचाने और गांववालों के लिए विकासात्मक क्रियाकलाप अद्यतन बनाए।

एन आई सी के समाधान सिस्टम (क्विक् एस एम एस) के माध्यम से आदर्श ग्राम मतवार के लिए समूह एस एम एस सेवा प्रारंभ की गई। बडी संख्या में एस एम एस समूह बनाए गए - पहला एस ए जी वाई मतवार से संबंधित अधिकारी और सरकारी कर्मचारी एवं अन्य समूह में मतवार के सभी ग्रामवासी। इस व्यवस्था सिस्टम के द्वारा घटनाओं, शिविरों, आई ई सी क्रियाकलाप एवं बैठकों से संबंधित सभी सूचनाओं को ग्रामवासियों को दी जाती हैं। क्रियाकलापों के अभिसरण हेतु अधिकारियों के समूह ने समानांतर विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया है। सभी क्रियाकलापों की अद्यतन सूचना सांसद महोदय को दोनों समूहों द्वारा एस एम एस से दी जा रही है चूंकि प्रत्येक परिवार में मोबाईल फोन है। इस व्यवस्था लोगों को सटिक सूचना का त्वरित प्रचार-प्रसार होता हैं। आयोजन और विकासात्मक कार्यकलापों में बेहतर सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए इस मंच का उपयोग दीर्घावधि विजन के लिए किया जा सकता है। किसी भी प्राकृतिक संकट की पूर्व चेतावनी तंत्र के रूप में भी इसे उपयोग में लाया जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर में मतवार पहला गांव है जहां अपने स्वयं की डेडिकेटेड वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा उपलब्ध है। अब सांसद दिल्ली में स्थित अपने कार्यालय से गांववालों से सीधे बातचीत कर सकते हैं। यह सुविधा डिजिटल इंडिया अभियान की दिशा में काफी उपयोगी सिद्ध होगी। अब ग्रामवासी अपने विकास से संबंधित महत्वपूर्ण बैठकों में सीधे सम्मिलित होंगे। यह सुविधा गांव में छोटे व्यापारों को मदद करेगी और अपने सामान्य लागत पर विश्व ग्राहकों तक पहुँचेगी उसी प्रकार से ग्रामीण युवाओं को बृहद ई-लर्निंग और कौशल विकास के लिए मंच प्रदान कर सकेगी।

सांसद का नाम	:	श्री जुगल किशोर शर्मा
ग्राम पंचायत का नाम	:	मतवार
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	जम्मू
जिले का नाम	:	जम्मू
राज्य का नाम	:	जम्मू एवं काश्मीर

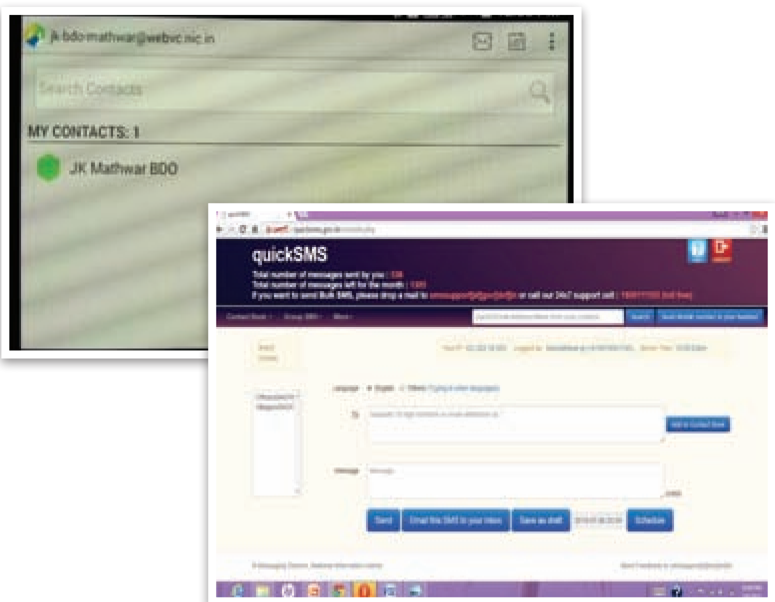

13

ग्रामीण पर्यटन : सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए एक नया मंत्र

श्री पी.डी. राय एवं श्री हिशे लाचुंग्पा संसद सदस्य जिन्होंने सां.आ.ग्रा.यो. ग्राम पंचायत दक्षिण सिक्किम में कितम मणिपुर एवं उत्तरी सिक्किम, अप्पर होग्ंजु में टिंगवोंग के युवा हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वाई एच ए आई) के सहयोग से अभिग्रहण किया ताकि सां.आ.ग्रा.यो. के अंतर्गत ग्राम पर्यटन कार्य की पहल के रुप में पर्यटन कार्य के भाग के रूप में ग्राम के लिए पर्यटक समूहों को आश्वस्त किया जा सके।

"परिवार सहित परिवार" ग्राम पर्यटन मॉडल का अभिग्रहण किया गया जिसमें सिक्किम परिवारों के साथ परिवार जैसा अपनापन बनाने के लिए उसके सदस्यों में से वाई एच ए आई द्वारा परिवार समूहों का चयन किया गया। उन्हें डब्ल्यू डब्ल्यू एफ - इंडिया, एको टूरिजम एंड कांजर्वेशन सोसाईटी ऑफ सिक्किम (ई सी ओ एस एस) तथा राज्य ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा घर जैसा अपनापन, नेचर गाईड्स एवं स्थानीय आतिथ्य सत्कार पर प्रशिक्षण आयोजित किया। इस कार्य में ग्राम पंचायत ने अग्रणी भूमिका निभायी तथा चक्रावर्तन दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए ग्राम पंचायत के विभिन्न वार्डों आय का समान वितरण सुनिश्चित किया।

पर्यटक कितम में दो राते बितायेंगे उनका मनोरंजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कितम पक्षी विहार का मनोरंजक दौरा तथा रंगित रिवर साईड वाक द्वारा किया जाएगा। पर्यटकों को भव्य पर्वतीय परिदृश्य, घने जंगलों की सैर, गहरी खाईयों के दृश्य तथा प्रकृति के मनोहारी और स्वर्ग जैसे दृश्य दिखाए जाएँगे। कांचनजुंगा बायोस्पियर रिजर्व, संयुक्त सांस्कृतिक नृत्य, ग्राम सैर तथा एस ए जी वाई की रमणीयता और सुंदरता आदि एक विशेष एहसास दिलाएंगे। "परिवार सहित परिवार" पद्धति में घर में विपणन बनाने हेतु ग्राम पंचायत और ग्रामवासी काफी उत्साहित हैं और उन्हें विश्वास है कि सां.आ.ग्रा.यो. के अंतर्गत ये ग्राम पर्यटन पहल सिक्किम के इन दूरस्थ गांवों में ग्रामीण आजीविका बढाने में काफी मददगार साबित होगी।

सांसद का नाम	:	श्री प्रेम दास राय, श्री हिशे लाचुंग्पा
ग्राम पंचायत का नाम	:	कितम मणिपुर, टिंगवांग अप्पर जोंगु
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	सिक्किम
जिले का नाम	:	दक्षिण जिला, उत्तर जिला
राज्य का नाम	:	सिक्किम

Tingvong and Kitam makes their mark on the Village Tourism Map

14 निरंतर टिकाऊ आर्थिक मॉडल - केले की बागबानी, नागालैण्ड

जैविक कृषि और स्थानिक जन समुदाय की आजीविका को बढावा देने हेतु संसद सदस्य केकिविथ हो जिमोमी ने टिकाऊ आर्थिक मॉडल नागालैण्ड के दिमापुर जिले के इकिशे गांव में प्रारंभ किया तथा गांव में केले की बागबानी बढाने के लिए 10,000 केला कंदों का रोपण किया गया।

1 जुलाई, 2015 को सांसद ने केले के नन्हें पौधों का वितरण किया और इस गांव को "केला गांव" घोषित किया। इस पहल के लिए संसद सदस्य ने अपने एम पी एल ए डी से निधिपोषण किया तथा इस कार्य के लिए बागवानी विभाग ने तकनीकी सहायता प्रदान की। रोपण कार्य को प्राईवेट भूमि का प्रबंधन ग्रामस्थों द्वारा तथा सरकारी भूमि का प्रबंधन ग्राम समुदाय द्वारा किया जा रहा है। इस पहल से 350 परिवार लाभान्वित हुए।

एक व्यापक ग्राम विकास योजना (वी डी पी) संबंधित समुदायों के साथ प्रतिभागी प्रक्रियाओं के माध्यम से विकसित की जा रही है तथा 1 जुलाई, 2015 से प्रारंभ करते हुए चार महीने के भीतर पूर्ण करने का दायित्व सौंपा गया है।

सांसद का नाम	: श्री केकिविथ हो जिमोमी
ग्राम पंचायत का नाम	: इकिशे
जिले का नाम	: दिमापुर
राज्य का नाम	: नागालैण्ड

ग्राम उद्योगों को बढ़ावा देते हुए आजीविका में अभिवृद्धि 15

कोडरमा जिले में पारंपरिक सुंगधी अगरबत्ती व्यवसाय की काफी संभावनाएँ हैं। निकटवर्ती शहर जैसे-गया, पारसनाथ एवं देवघर जो धार्मिक दृष्टि से अत्यंत मायने रखते हैं सुगंधी अगरबत्ती की बिक्री के बाजार है। गया एक पडोसी जिला है जहां बडा बाजार है तथा कच्ची सामग्री के लिए उपयुक्त है और यहां तैयार माल बेचा जा सकता है। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए संसद सदस्य (राज्य सभा) श्री प्रेमचंद गुप्ता तथा उपायुक्त के समर्थ मार्गदर्शन से जिला प्रशासन ने निर्णय लिया कि सुगंधी अगरबत्ती के पारंपरिक व्यवसाय को पुन: प्रारंभ करते हुए महिलाओं को समर्थन दिया जाए।

उत्पादन बढाने तथा हाथों से अगरबत्ती रोलिंग का परिश्रमी कार्य कम करने के उद्देश्य से यांत्रिकीकृत सुगंधी अगरबत्ती बनाने का कार्य प्रारंभ किया गया। अत: सामाजिक रूप से पिछडे वर्गों की 30 महिलाओं को मशीन पर सुगंधी अगरबत्ती बनाने में प्रशिक्षित किया गया जिन्हें आगे ये मशीने दी गई और बैंको तथा सफल उद्यम आरंभ करने के लिए बाजार से जोडा गया।

इस कार्य के लिए निधियाँ जिला नवोन्मेषण निधि से आबंटित की गयी तथा महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने और अनुभव के लिए एक प्रसिद्ध सामाजिक संगठन होली फैमिली सेवा सदन चुना गया।

इस बात पर बल दिया गया कि ये महिलाएँ प्रतिदिन 10 कि.ग्रा कच्ची सुगंधी अगरबत्ती उपलब्ध करायेगी और लगभग रु. 2500 प्रतिमाह आय का अर्जन करेंगी। इस कार्य से 30 गरीब परिवारों के लिए स्थायी आजीविका बनी रहेगी और महिलाओं में अपेक्षित आत्म-विश्वास भी निर्माण होगा।

सांसद का नाम	:	श्री प्रेमचंद गुप्ता
ग्राम पंचायत का नाम	:	चोपनाडीह
जिले का नाम	:	कोडरमा
राज्य का नाम	:	झारखंड

16 सामुदायिक जैव शौचालय - स्वच्छता में सुधार को बढावा देना

श्री पी. अशोक गजपति राजु, संसद सदस्य, विजियानगरम ने द्वारापुडी ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया। उन्होंने देखा कि इस गांव में खुले में शौच जाने की प्रवृत्ति बनी हुई है। उन्होंने प्रयोग के आधार पर 6 युनिटों के साथ एक समुदाय जैविक शौचालय कॉम्पलेक्स की स्थापना हेतु कदम उठाया। एक शौचालय को प्रतिदिन 50 लोगों द्वारा उपयोग में लाया जा सकता है। इस प्रकार ये छह शौचालय गांव के 300 लोगों की जरुरतों को पूरा करेंगे। इन शौचालयों के उपयोग पर ग्रामीण लोगों में जागरुकता लायी गयी। यह आशा जतायी गयी कि सफल परीक्षित मॉडल लागत प्रभावी होगा, स्थानीय समुदायों द्वारा आसानी से अपनाया जाएगा तथा न्यूनतम जल खपत के साथ सीमित परिचालन और कम रखरखाव के साथ लंबे समय तक काम करेगा।

पुन: प्रारंभित ग्राम पेयजल और स्वच्छता समिति नियमित रूप से स्वच्छता की निगरानी करेगी तथा जैविक शौचालय कॉम्प्लेक्स (परिसर) के परिचालन और प्रबंधन पहलु का भार स्वयं लेगी। समुदाय ने इन जैविक शौचालयों के प्रारंभ पर खुशी व्यक्त की।

इस युनिट से निकला मल रासायनिक खाद में रुपांतरित किया जाएगा जिसका प्रयोग कृषि भूमियों में किया जाएगा। गांव में इस मल को खाद रूप में तैयार किया जाएगा 13 वें वित्त आयोग के अंतर्गत निधिपोषण तथा शुभ्र बायोटेक प्राईवेट लिमिटेड से तकनीकी सहायता ली जाएगी। इससे खुला शौच मुक्त (ओ डी एफ) और स्वच्छ गांव सुनिश्चित किया जाएगा।

सांसद का नाम	: श्री पी. अशोक गजपति राजु
ग्राम पंचायत का नाम	: द्वारापुडी
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: विजियानगरम
जिले का नाम	: विजियानगरम
राज्य का नाम	: आन्ध्र प्रदेश

17 आधार कार्ड द्वारा सरकारी लाभ का अंतरण

यिगी कॉम -1 अरुणाचल प्रदेश के दूरस्थ ग्राम पंचायत है। संसद सदस्य श्री किरण रिजिजु ने "यिगी कॉम" को सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत "आधार गांव" के रूप में घोषित किया है। नामांकन प्राप्त होने के बाद आधार के अंतर्गत हर व्यक्ति के नामन हेतु कई शिविर आयोजित किए गए। आधार गांव बनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेन्शन, मनरेगा मजदूरी, छात्रों को विभिन्न प्रकार के स्कॉलरशिप जननि सुरक्षा योजना और गई अन्य सरकारी लाभ आदि पात्रता वाले लाभार्थियों को यथासमय दिये जा सके। आधार नंबर, लाभार्थी की प्रत्यक्ष जांच और भुगतान की स्थिति का पता लगाने के लिए सिंगल विंडो होगा। इन क्षेत्रों में लोग प्राधिकृत पहचान के मुद्दों की समस्या का सामना कर रहे है। अब वे आधार नंबर को फोटो पहचान पत्र और अड्रेस प्रूफ के रूप में उपयोग करते है।

सांसद का नाम	: श्री किरण रिजिजु
ग्राम पंचायत का नाम	: यिगि कॉम - 1
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: पश्चिमी सियांग
जिले का नाम	: पश्चिमी सियांग
राज्य का नाम	: अरुणाचल प्रदेश

18 गांव को साफ-सुथरा और हराभरा रखना-प्लास्टिक मुक्त अभियान एवं वृक्ष-रक्षा

बेंगलुरु शहर के बाहरी क्षेत्र में रागीहल्ली ग्राम पंचायत स्थित है जो बन्नेरगट्टा नेशनल पार्क से घिरा हुआ है। यह स्थल पक्षियों के चाहनेवालों और वन्यजीव प्रेमियों के लिए बहुत ही प्रसिद्ध हैं। माननीय सांसद श्री अनंत कुमार ने इस बात की पहचान की कि नजदीकी क्षेत्रों का विकास न होने का कारण प्रचुर मात्रा में अनावश्यक प्लास्टिक पडा है जो जैविक विविधता कम कर रहा है।

अत: संसद सदस्य के नेतृत्व में बडी संख्या में सामाजिक संग्रहण और जागरुकता कार्यक्रमों का प्रारंभ किया गया जिसका विषय था-प्लास्टिक के उपयोग से होनेवाले नकारात्मक परिणामों के बारे में ग्रामवासियों को अवगत कराना। इस क्षेत्र में जैविक विविधता सुधारने के लिए उन्होंने विभिन्न प्रौद्योगिकीय समाधानों का प्रस्ताव किया जिसमें, जैविक कचरे और गैर जैविक कचरे को अलग-अलग करना तथा सार्वजनिक स्थलों पर कचरापेटी को रखवाना आदि सम्मिलित है। आज रागीहल्ली के लोग पर्यावरण बेहतर प्रबंध एवं संरक्षण तथा क्षेत्र की स्थानिक जैविक विविधता की सुरक्षा के मुद्दे को भली-भांति समझ गए है।

वृक्ष रक्षा एक अनोखी पर्यावरणात्मक एवं शैक्षणिक परियोजना है जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं को सक्रिय रूप से सम्मिलित करते हुए हरियाली बढाने के लिए इसे 15 स्कूलों में प्रारंभ किया गया। शहरी स्कूल के बच्चे ये पौधे तैयार करेंगे और रागीहल्ली गांव के ग्रामीण क्षेत्र में उनके सहपाठी उन्हें बोएंगे और पौधों का पोषण करेंगे। इस प्रकार बोया गया प्रत्येक वृक्ष जीपीएस स्थान के साथ जुडा रहेगा। इस प्रकार दो छात्रों के नाम अर्थात् ग्रामीण और शहरी छात्रों के नाम के साथ विशिष्ट पहचान-पत्र संलग्न किया जाएगा। इस आंदोलन में भाग लेकर सहयोग देने हेतु इन दोनों छात्रों को हरित प्रमाण-पत्र दिया जाएगा। प्रत्येक छात्र को एक किट दिया जाएगा जिसमें मिट्टी, रासायनिक खाद, पौध तथा 4 किस्मों के 8 बीज जैसे - चंदन की लकडी, नीम, थारिया एवं होंगे आदि। युवा कार्यकर्ताओं और स्कूली बच्चों की मदद से पारिस्थितिकी और हरियाली का संरक्षण और इसे सुरक्षित रखने का कदम क्रान्तिकारी परिवर्तन लाएगा।

सांसद का नाम	: श्री अनंत कुमार
ग्राम पंचायत का नाम	: रागीहल्ली
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: बेंगलूरू दक्षिण
जिले का नाम	: बेंगलूरू दक्षिण
राज्य का नाम	: कर्नाटक

ग्राम सडक विकास - गुजरात

19

गुजरात राज्य में नवसारी जिले में चिखली एक गांव हैं। इस गांव का अभिग्रहण संसद सदस्य श्री सी.आर. पाटील ने किया। इस गांव में छोटी-छोटी सडके और झुग्गी-झोपडियां है जहां गंदी बदबू और कीचड जमा होता है जिसका सामना करना कठिन है। इस समस्या से मुक्ति पाने के लिए श्री सी.आर.पाटील के साथ जिला कलेक्टर और अन्य सरकारी पदाधिकारियों ने स्थल का दौरा किया और गांव में फर्शबन्दी तैयार करने का निर्णय लिया। उदाहरण के लिए झुग्गी वाले क्षेत्र में फर्शबन्दी, गांव की मुख्य सडक पर फर्शबन्दी, गांव के मंदिर के इर्द-गिर्द स्थान में फर्शबन्दी। इसके अलावा बेघर लोगों को तैयार झोपडी दी जाएगी। गांव में सीमेंट कंक्रीट (सी सी) सडकों का भी निर्माण किया गया है इन विकासात्मक कार्यो से गांव में बेहतर आधारभूत संरचना होगी और साल भर पर्यावरण स्वच्छ गांव बना रहेगा।

सांसद का नाम	:	श्री सी आर पाटील
ग्राम पंचायत का नाम	:	चिखली
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	नवसारी
जिले का नाम	:	नवसारी
राज्य का नाम	:	गुजरात

20 खास जरूरतवाले बालकों के लिए केन्द्र, जोरहट, असम

सांसद आदर्श ग्राम योजना गांवों के लिए बेसलाईन सर्वेक्षण के दौरान यह देखा गया है कि बच्चों के ऐसे छह मामले है जिन्हें विशेष देखभाल की जरुरत है। सेरेब्रल पॅल्सी या ऑर्थोपेडिक दर्द की समस्या से ग्रस्त हैं। समुदाय ने यह निर्णय लिया कि विशेष सेवा की जरुरतवाले बच्चों के भौतिक कौशल और जीवन कौशल सुधारने के लिए कार्य तत्काल प्रारंभ किये जाएँ ताकि उनकी क्षमताएँ पहचानी जा सके। समुदाय उन्मुख पहल के समर्थन में जोरहट जिला प्रशासन ने गांव के स्कूल में डे केयर-कम-फिजियोथेरपी सेन्टर प्रारंभ किया। सप्ताह में दो दिनों के लिए फिजियोथेरपिस्ट को प्रतिनियुक्त किया गया। समुदाय और अभिभावकों को जागरुकता फैलाने के कार्य पर लगाया गया तथा विशेष सेवा की जरुरत वाले बच्चों द्वारा अभ्यास किए जाने वाले छोटे और क्रमिक बदलाव की सुविधा प्रदान की। धीरे-धीरे यह पाया गया कि विशेष सेवा की जरुरत वाले बच्चों में शरीर नियंत्रण और सामाजिक कौशलों में अच्छा खासा सुधार आया है। इस सेंटर को "मॉडल सेन्टर" के रुप में बनाया गया तथा ग्राम विकास योजना में (वी डी पी) प्राथमिकता क्षेत्र कार्य के रुप में महत्व दिया गया। निरंतरता के आधार पर इन मुद्दों के समाधान के लिए समुदाय द्वारा संसाधनों का अन्वेषण हो रहा है।

सांसद का नाम	:	श्री कामाख्या प्रसाद तसा
ग्राम पंचायत का नाम	:	काचुखाट
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	जोरहट
जिले का नाम	:	जोरहट
राज्य का नाम	:	आसाम

पारंपरिक बुनकरों को सहारा देना - पुरगांव ग्राम, छत्तीसगढ 21

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत संसद सदस्य द्वारा पुरगांव ग्राम का अभिग्रहण किया गया। पुरगांव ग्राम बलोदा बाजार भट्टापारा जिला, छत्तीसगढ में आता हैं। संसद सदस्य ने श्री डी.पी. बंजारे, सहायक निदेशक एवं श्री पी.के. तिवारी, अन्वेषक छत्तीसगढ खादी एवं ग्राम उद्योग बोर्ड के साथ मिलकर फरवरी, 2015 से ग्रामीण युवाओं को सम्मिलित कर कई विकास कार्यकलाप प्रारंभ किये। गांव में कारीगरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रशिक्षण के लिए युवाओं का चयन करने की प्रक्रिया में के वी आई बी से पता चला है कि गांव में 10 पारंपरिक बुनकर परिवार हैं। इन बुनकर परिवारों की पहचान की गई तथा उनके पारंपरिक बुनकर कौशल आगे बढाने हेतु प्रशिक्षण के लिए चुना गया।

इन परिवारों से के वी आई बी ने पाया कि दिनेश कुमार देवांगन, राजेन्द्र कुमार देवांगन, नरेन्द्र कुमार देवांगन, रोहित कुमार देवागंन राजेश कुमार देवांगन, कैलाश देवांगन, धनश्याम देवांगन, बबलू देवांगन एवं दीन देवांगन 8 वीं कक्षा से 12 वीं कक्षा तक शिक्षित हैं।

श्री राजु देवांगन ने बताया कि पारंपरिक बुनकर छतियों को अपनाते हुए पीढी-दर-पीढी उनका परिवार कपडा बुनने के काम में लगा हुआ हैं। यही एक मात्र उनके आय का स्रोत है। परन्तु आजकल बडे उद्योगपति कपडा बुनने के लिए मशीनों का उपयोग कर रहे हैं और उन्हें बाजार में काफी चुनौतियों का सामना करना पड रहा है तथा होड के दामों पर उनके कपडे बेचना कठिन हो गया है। इसके चलते पारंपरिक बुनकरों को उनकी गरीब आर्थिक स्थिति के कारण उनके परिवार का भरण पोषण कठिन हो रहा है।

कैलाश देवांगन इन बुनकर परिवारों में से दूसरा युवा है उसने बताया कि आदर्श ग्राम स्कीम के अंतर्गत सांसद, छत्तीसगढ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से सरकारी पदाधिकारियों ने पुरगांव के बुनकर परिवारों के लिए बुनकर की नई और आधुनिक पद्धतियों के बारे अच्छी जानकारी दी। के वी आई बी ने भी पारंपरिक बुनकर परिवारों को बुनाई की आधुनिक पद्धतियों और उपकरणों पर नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया। इस उन्नत बुनाई पद्धतियों ने उत्पादन की लागत कम की है और लाभ की संभावना बढा दी है आधुनिक बुनाई व्यवस्था को बढा दिया है। यह आधुनिक बुनकर व्यवस्था अपनाने से पारंपरिक बुनकर परिवारों को अधिक आय प्राप्त करने में मदद मिलेगी और वे भविष्य में एक अच्छी जीवन-शैली जी सकेंगे। सांसद आदर्श ग्राम योजना के कार्यान्वयन के बाद मल्टी स्टेकहोल्डर के कार्यों द्वारा पुरगांव ग्राम के समुदायों में एक सम्मानित आजीविका बढाने की संभावना बनी है।

सांसद का नाम	: श्री भूषण लाल जांगडे
ग्राम पंचायत का नाम	: पुरगांव
जिले का नाम	: बलोदाबाजार
राज्य का नाम	: छत्तीसगढ

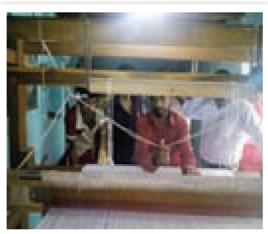

22 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की ओर नया कदम

लादेरवान ग्राम, त्रेहगाम खंड, कुपवाडा जिला, जम्मू-कश्मीर में लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। वैज्ञानिक कृषि को बढावा देने हेतु 379 किसानों के मोबाईल नंबर कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) से जोडा गया। मौसमी पूर्वानुमान पर केवीके एस एम एस संदेशों का प्रचार-प्रसार करता है तथा किसी विशेष फसल के विकास और वृद्धि के महत्वपूर्ण अवस्थाओं पर पैकेज की सिफारिश पर भी संदेश भेजता हैं। यह कार्य संसद सदस्य के मार्गदर्शन में शुरु किया गया है। नतीजा यह हुआ कि किसानों को उनके मोबाईल पर लगातार कृषि सलाहकार उपलब्ध होते हैं। इन संदेशों में वैज्ञानिक बुआई पद्धतियों पर महत्वपूर्ण संदेश, मिट्टी परीक्षण, फसल सुरक्षा, कृषि संबंधी पद्धतियों, पश्च फसल प्रौद्योगिकी एवं बाजार सूचना इत्यादि सूचना प्राप्त होती हैं। इससे किसानों को फसल उत्पादन और उनके कृषि उत्पाद विपणन से संबंधित निर्णय ले सकेंगे।

सांसद का नाम	:	श्री मुज्जफर हुसैन बेग़
ग्राम पंचायत का नाम	:	लादेरवान
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	बारामुल्ला
जिले का नाम	:	कुपवाडा
राज्य का नाम	:	जम्मू - काश्मीर

23 भारत में पहला वाई - फाई गांव

नागपुर जिले का पंचगांव ग्राम सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सांसद श्री नितीन गडकरी ने अभिग्रहित किया। पंचगांव ग्राम की जनसंख्या 4923 हैं जिममें 2543 महिलाएँ एवं 761 परिवार हैं। गांव की अर्थ-व्यवस्था कृषि पर आधारित है तथा अधिकांश लोग साग-सब्जी और फल उगाते हैं। यह गांव नागपुर शहर के काफी नजदीक है इसलिए नागपुर शहर के बाजार में कृषि उत्पादों को बेचने की काफी संभावनाएँ हैं। संसद सदस्य ने बेहतर बाजार संयोजनो, ऋणों और संस्थागत वित्तपोषण, बचत खाता खोलने की सुविधा प्रदान करते हुए वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने के लिए कई विकासात्मक कार्यों की सुविधा प्रारंभ की। एस ए जी वाई गांव के रुप में गांव का चयन करने के पश्चात बैंक पदाधिकारियों द्वारा नियमित रुप से दौरा किया जा रहा है।

संसद सदस्य के दृढ नेतृत्व में सभी ग्रामवासियों को सरकार के डिजिटल इंडिया पहल द्वारा नि:शुल्क वाई फाई सुविधा दी जा रही है। इस नि:शुल्क वाई-फाई सेवा से जागरुकता बढेगी और विभिन्न सरकारी विकास स्कीमों और कार्यक्रमों पर जानकारी प्राप्त होगी। इसने सरकारी स्कीमों और कार्यक्रमों तक पहुँच बढेगी है। स्कूलों को इंटरनेट कनेक्शन की सुविधा दी जा रही है और स्कूल कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ पूर्ण रुप से कार्यरत हैं। वाई फाई सुविधाओं का उपयोग टेली-मेडिसिन सेवाओं का उपयोग किया जा रहा हैं। ग्रामवासी अब दूरस्थ नामी डाक्टरों की सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। स्कूली बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों में डिजिटल लर्निंग को बढावा देने हेतु गांव में ई-लाइब्रेरी स्थापित की गयी। उन्नत ई-संयोजकता के कारण किसानों को बाजार में मूल्यों के बारे में अद्यतन सूचना प्राप्त होगी जिससे वे उत्पाद की बिक्री के लिए बेहतर निर्णय ले सकेंगे और उनकी आय में वृद्धि होगी।

सांसद का नाम	: श्री नितीन गडकरी
ग्राम पंचायत का नाम	: पंचगांव
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: नागपुर
जिले का नाम	: नागपुर
राज्य का नाम	: महाराष्ट्र

24 स्वस्थ बालिका : सुनहरा भविष्य

अपने अभिग्रहित ग्राम पंचायत बंगुर्डा में संसद सदस्य ने देखा कि पूर्वी सिंघभूम, झारखंड के दूरस्थ और दुर्गम गांवों में किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं सफाई के बारे में न्यूनतम प्रयास हुए हैं। गांव में विशेषकर महिलाएँ और किशोरियाँ एनिमिया और अन्य बिमारियों से ग्रस्त हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए उन्होंने कई स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया और किशोरी बालिकाओं पर मुख्य रूप से ध्यान दिया। स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय में किया गया। यहां 188 किशोरी बालिकाओं को स्क्रीन किया गया। इसके परिणाम स्वरूप अधिकांश किशोरी बालिकाओं में गर्भ से संबंधित, मुत्राशय नली संक्रमण और त्वचा संबंधी बीमारियाँ पायी गई परन्तु अब सामाजिक सांस्कृतिक संयोजनों के कारण इन बीमारियों से निजात पा ली गयी है।

यह भी देखा गया है ये अधिकांश बीमारियां उनके अस्वास्थ्यपरक जीवन शैली और आस-पडोस की गंदगी से हुई हैं। इन किशोरी बालिकाओं और महिलाओं में व्यक्तिगत स्वच्छता और सफाई के बारे में जागरुकता फैलाने का कार्य चल रहा है। यह निरंतर चलनेवाला कार्य है और गांवों में यह नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है।

सांसद का नाम	:	श्री बिद्युत बरन महातो
ग्राम पंचायत का नाम	:	बंगुर्डा
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	जमशेदपुर
जिले का नाम	:	पूर्व सिंघभूम
राज्य का नाम	:	झारखंड

सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन और संरक्षण

25

सांसद श्री नॅफियो रियो ने नागालैण्ड राज्य में दिमापुर जिले के सेलुओफे गांव का अभिग्रहण किया। यह त्यौहारों का प्रदेश है। नागालैण्ड के लोग मुख्यत: आदिवासी हैं और उनकी अपनी सांस्कृतिक विरासत है। नागा सोसाईटी की बुनियादी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम और समुदाय एकजुटता की मजबूत कडी को देखते हुए सांसद श्री नैफियो रियो ने सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन और संरक्षण के लिए एमपीएलएडी के द्वारा एम्पीथियेटर-सह-दीर्घा निर्मित की गयी। ये स्थान सभी कार्यों, कार्यक्रमों और त्योहारों के लिए सार्वजनिक केन्द्र होगा जो न सिर्फ इस अकेले गाँव के गांववालों के लिए, बल्की पडोसी गांववालों के लिए भी एक मंच होगा।

सांसद का नाम	: श्री नॅफियो रियो
ग्राम पंचायत का नाम	: सेलुओफे
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: दिमापुर
जिले का नाम	: दिमापुर
राज्य का नाम	: नागालैण्ड

26 कुरताई कुट - गन्ना उत्सव समारोह

कई दशाब्दियों से ख्वालाईलंग गांव में गन्ना एक मुख्य ऊपज रहा है। यह गांव गन्ने के उत्पादन के लिए तथा राज्य में कुरताई - गुड के लिए काफी प्रसिद्ध है। सांसद श्री सी.एल. रुआला ने "कुरताई कुट - शुगरकेन फेस्टिवल" दिनांक 11 मार्च, 2015 को ख्वालाईलंग में शुरू किया और इसमें जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को एकजुट किया। यह त्यौहार काफी बडे पैमाने पर आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और उद्यमी जो ख्वालाईलंग से देश के विभिन्न भागों को स्थानांतरित हो गये थे वे लोग भी इसमें सम्मिलित हुए। लोगों को एक सुनहरा अवसर प्रदान किया गया। यह छुट्टियों का समय था तथा गन्ने के उत्पाद की की प्रदर्शनी लगाकर उसकी बिक्री बढायी जा सकी। त्यौहार के दौरान परिचर्चा में बाजार तक बेहतर पहुँच और गन्ना किसानों ने मूल्य निर्धारण पर विचार-विमर्श किया गया। गांव मे ही एक लघु चीनी मिल स्थापित किये जाने की योजना चल रही है।

सांसद का नाम	:	श्री सी एल रुआला
ग्राम पंचायत का नाम	:	ख्वालाईलंग
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	मिजोरम
जिले का नाम	:	सरछिप
राज्य का नाम	:	मिजोरम

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आर एल एम) द्वारा गिरौद में महिलाओं की आर्थिक अभिवृद्धि

27

सुश्री बसंती चुडामणी वर्मा की हमेशा यही इच्छा रही कि स्वयं का उद्यम आरंभ कर अपने खुद के पैरों पर खडी रहे और अपने परिवार की सहायता करें। वह स्वयं सेवी समूह में शामिल हुई, अल्प बचत करना शुरू किया। गिरौद गांव में संसद सदस्य के दौरे के समय एस एच जी सदस्यों ने उनसे संपर्क किया और इच्छा जाहिर की कि वे एक उद्यम प्रारंभ करना चाहते हैं। सांसद ने ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान, सरायपुर में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु एस एच जी महिलाओं को सुविधा प्रदान की। बसंती के साथ अन्य एस एच जी सदस्यों को कुकुरमुत्ता कृषि, पैकेजिंग और विपणन में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के तत्काल बाद ही बसंती ने अपने स्तर पर छोटा उद्यम प्रारंभ किया। आज बसंती कुकुरमुत्ता खेती, पैकेजिंग और विपणन में एक प्रवीण महिला है। बसंती वर्तमान में जयमाताादी स्व सहायता समूह की सदस्य है वह आज 30-40 कि.ग्रा कुकुरमुत्ता की खेती करती है और प्रतिमाह इनकी बिक्री से रु.3000-4000 तक की आय अर्जित कर रही है। अत: उद्यम प्रारंभ करने और आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बनने का स्वयं का सपना सच हुआ है।

सांसद का नाम	: श्री रमेश बैस
ग्राम पंचायत का नाम	: गिरौद
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: रायपुर
जिले का नाम	: रायपुर
राज्य का नाम	: छत्तीसगढ

28 येलगंगा नदी की सफाई

महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में वेरुल बसा हुआ हैं। यह जिला मुख्यालय से 40 कि.मी की दूरी पर स्थित है तथा जिले के शुष्क इलाके के अंतर्गत आता हैं। इस क्षेत्र में पीने के पानी और कृषि के लिए पानी की गंभीर समस्या है।

संसद सदस्य, राज्य सभा श्री राज कुमार दूत ने आदर्श ग्राम योजना के तहत अपने दौरे में पाया कि प्राचीन नदी येलगंगा अधिक गाद जमने के कारण सतही हो गई है। इस मुद्दे को उजागर कर उन्होंने येलगंगा नदी में 6 कि.मी तक बडा सफाई कार्य प्रारंभ किया।

यह कार्य समुदाय की मदद से प्रारंभ किया गया। श्रमदान के माध्यम से इस कार्यक्रम में समुदाय ने सहभाग किया। अपनी नवोन्मेषी सोच से संसद सदस्य ने महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक के सी एस आर आर घृष्णेश्वर टेम्पल ट्रस्ट की ओर से जे सी बी प्रदान करते हुए समर्थन जुटाया और सफाई कार्य प्रारंभ किया। परिणाम यह हुआ कि एक समय में यह नदी जो सतही स्तर पर बहती थी आज इसमें पर्याप्त जल है। गांव वालों की कृषि और पेयजल आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है। नदी से निकली इस गाद का किसानों की भूमि पर छिडकाव किया गया ताकि मिट्टी की उर्वरता बढायी जां सके।

संसद सदस्य द्वारा अपनाई गई दूरदृष्टि और भावी दृष्टिकोण के मद्देनजर केवल इस गांव को ही लाभ नहीं पहुँचा बल्कि समीपवर्ती 5-6 गांवों में भी भूगर्भ जल के रीचार्ज में सहयोग मिला है। यह गांव की स्थानीय कृषि और अर्थव्यवस्था को यह लंबे समय तक आगे बढाएगा और इससे उस क्षेत्र का संपूर्ण विकास होगा।

सांसद का नाम	: श्री राजकुमार धूत
ग्राम पंचायत का नाम	: वेरूल
जिले का नाम	: औरंगाबाद
राज्य का नाम	: महाराष्ट्र

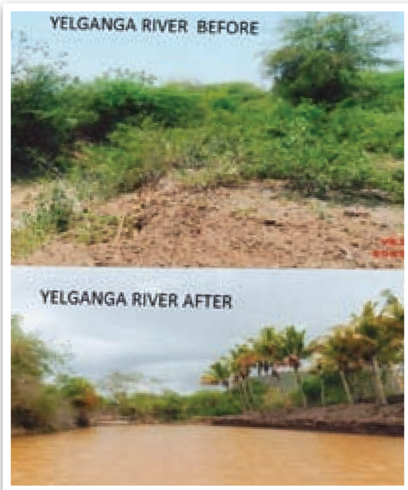

सहभागी स्थानीय स्व-शासन का सुदृढीकरण

29

बिला ग्राम पंचायत गोयलखेरा खंड का एक भाग है जो जिला मुख्यालय चाइबासा से 65 कि.मी. की दूरी पर बसा है। गांव के उत्तरी भाग में सोनुआ गोएलखेडा मुख्य सडक है तथा दक्षिणी एवं पूर्वी भाग में पर्वतीय कोल्हान वन प्रभाग है। यह मुख्यत: अनुसूचित जनजाति (एस टी) ग्राम पंचायत है जहाँ नौ गांवों में से चार आदिवासी गांव हैं।

संसद सदस्य महोदय को सहभागी विकास प्रक्रिया में विश्वास है। अत: जिला प्रशासन के समर्थ नेतृत्व में सांसद ने सहभागी योजना और विभिन्न विकास कार्यो के कार्यान्वयन हेतु कई कदम उठाए और स्थानीय स्व-शासन को बढावा दिया।

सांसद आदर्श ग्राम के चयन के बाद सभी नौ गांवों में नियमित रूप से ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा हैं। ग्राम सभा कार्यकारिणी बैठक जी एस डब्ल्यू सी द्वारा आयोजित की गई जिसमें प्रत्येक गांव से 12-15 लोगों की सर्वसम्मति से मतदान द्वारा चयन किया जाता हैं (जी एस डब्ल्यू सी) ग्राम सेना कार्य समिति का मुख्य कार्य ग्राम वासियों और जिला प्रशासन के बीच संपर्क स्थापित करना तथा सच्चे अर्थो में ग्राम सभा का आयोजन करना तथा ग्राम विकास योजनाओं और कार्यो को तैयार करना है। ग्राम विकास योजना को जी एस डब्ल्यू सी सदस्यों द्वारा तैयार किया गया है जिसे पी आर ए अभ्यास के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है।

इस स्कीम के अंतर्गत सामाजिक संग्रहण ने ग्राम-वासियों को अपने स्थानीय विकास लक्ष्यों पर ध्यान दिलवाया है। लोग राजी-खुशी तथा उत्साह पूर्वक इस बात के लिए भी मान गए हैं कि ग्राम विकास कोष का गठन किया जाए जिसमें प्रत्येक परिवार प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह रु. 30-50 की राशि का अंशदान करेगा। जिसका उपयोग ग्राम विकास कार्यों के लिए किया जाएगा। निधि का वित्तीय प्रबंधन ग्राम सभा कार्यकारिणी कमेटी द्वारा निष्पादित होगा। कुछ गांवों में एस एच जी ग्राम संगठन ही ग्राम विकास कोष के प्रबंधन हेतु जिम्मेदार होगा।

बी पी एल सूची में विसंगतियों का समाधान करने के लिए तथा पात्र व्यक्ति, जो छूट गए हैं तथा प्रभावी परिवारों का शामिल किया जा रहा हो तो, ग्राम पंचायत जिला प्रशासन के साथ मिलकर गरीबों की सहभागी पहचान हेतु बेहतर पद्धतियों का दावा किया है। फलस्वरुप 15 अतिगरीब परिवारों की सूची तैयार की गई। इसे विभिन्न सरकारी विकास स्कीमों एवं सेवाओं जैसे : इंदिरा आवास योजना तक पहुँच हेतु प्राथमिकता सूची के रूप में उपयोग में लाया जाएगा। सहभागी अभ्यास ने समुदाय और समुदायों में ''कर्तव्यपरायणता'' को उभारा और समुदायों ने उनके विकास, स्थिति, कारण और प्रभावों का विश्लेषण करने में मदद की। कुछ गांवों में पारंपरिक नेता (मुंडा) ने सहभागी प्रक्रिया की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

सांसद का नाम	: श्री लक्ष्मण गिलुवा
ग्राम पंचायत का नाम	: बिला
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: सिंधभूम
जिले का नाम	: पश्चिम सिंधभूम
राज्य का नाम	: झारखंड

30 आई सी डी एस एवं एस एस ए (प्राथमिक पाठशाला) पूर्व शिक्षा अभिसरण

सांसद श्री मुज्जफ्फर बेग ने जम्मू-कश्मीर के लादेरवान ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया। ग्राम पंचायत में 12 आंगनवाडी केन्द्र है जहां समुचित शिक्षा नहीं दी जा रही है। गांव में चार प्राथमिक पाठशालाओं में स्टॉफ की कमी है और केजी के बच्चों को पढ़ाना संभव नहीं रहा है। ग्राम पंचायत के दौरे के समय संसद सदस्य को यह सूचना प्राप्त हुई। यह भी देखा गया है कि सभी आंगनवाडी कार्यकर्ता 12 वीं पास या ग्रेज्यूएट हैं। उन्होंने स्थानीय पदाधिकारियों को निदेश दिया कि वे आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को प्राथमिक पाठशालाओं का कार्य पुन: आबंटित करें जहां वे सभी पूर्व प्राथमिक बच्चों को पढायेंगे। स्कूल के प्रधानाचार्य इसकी देखरेख करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि पढाई प्रभावी रूप संपन्न हो रही है। बच्चों के पोषक आहार घटक के रूप में आंगनवाडी हेल्पर्स स्कूल से भोजन पकाकर लाएँगे। इस पहल से लोगों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है और, स्कूल पूर्वी बच्चों में शिक्षा के स्तर में बढोतरी हुई है। छह महीने बाद दीर्घावधि उद्देश्यों के लिए की समीक्षा की जाएगी तत्पश्चात जिलों में इसकी पुनरावृत्ति की जाएगी। आगामी स्कूल के पूर्व, शिक्षा से बच्चों की भावी शिक्षण क्षमताओं में सुधार होगा।

सांसद का नाम	: श्री मुजफ्फर हुसेन बेग़
ग्राम पंचायत का नाम	: लादेखान
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: बारामुल्ला
जिले का नाम	: कुपवाडा
राज्य का नाम	: जम्मू एवं कश्मीर

31 सासंद आदर्श ग्राम योजना ग्राम पंचायत के लिए संसाधनों का संग्रहण

बल्पा गांव में सांसद आदर्श ग्राम योजना की शुरुआत की गयी जिसका अभिग्रहण सांसद नलिन कुमार कटील ने किया। उन्होंने गांव के सर्वांगीण विकास के लिए रु.20 करोड की राशि की घोषणा की। सांसद ने सिंडिकेट बैंक, मंगलोर रिफायनी और पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, मंगलोर स्पेशल एकनॉमिक जोन, श्री क्षेत्र धर्मस्थल रुरल डेवलपमेंट प्राजेक्ट एवं श्रीनिवास ग्रूप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स से निधि का संग्रहण किया गया।

सिंडिकेट बैंक ने मंशा जतायी कि वे गांव में बैंक शाखा और ए टी एम खुलवायेगा। मंगलोर रिफायनरी और पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) रु.20 लाख की लागत से समुदाय भवन का निर्माण करेगा। मंगलोर स्पेशल एकनॉमिक जोन लिमिटेड (एमएसईजेडएल) से मिले विधान सौध जैसे भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा जहां सरकारी कार्यालय एक छत के नीचे काम करेंगे। दि श्री क्षेत्र धर्मस्थल रूरल डेवलपमेंट प्रॉजेक्ट, जो एक गैर सरकारी संगठन है, ने गांव में दो दिवसीय व्यसन मुक्ति शिविर का आयोजन किया जिससे 60 व्यक्ति लाभान्वित हुए। सिंडिकेट बैंक ने गांव में 35 सोलार स्ट्रीट लाईटें लगवाने का प्रस्ताव किया।

श्रीनिवास ग्रूप ऑफ इंस्टिट्यशन के अध्यक्ष श्रीनिवास इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सायन्स एवं रिसर्च सेन्टर मुक्का के श्री ए. राघवेन्द्र राव ने इस बात की पुष्टि की ताकि जब कभी आवश्यक हो इंस्टिट्यूट द्वारा गांव में निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

सांसद का नाम	: श्री नलिन कुमार कटील
ग्राम पंचायत का नाम	: बल्पा
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: दक्षिण कन्नड
जिले का नाम	: दक्षिण कन्नड
राज्य का नाम	: कर्नाटक

32 संरचना विकास के माध्यम से ग्राम रूपांतरण

ग्रामीण गरीबों के लिए भौतिक आधारभूत संरचना एक मुख्य बाधक तत्व है अर्थात् सामाजिक आधारभूत संरचना जैसे स्वास्थ्य एवं शिक्षा आधारभूत संरचना तक पहुँच न होना। बोध गया बिहार के बकरौर ग्राम पंचायत भी इससे अछूता नहीं हैं। अधिकांश लोग कृषि व्यवसाय से जुडे हुए हैं। इससे ग्रामीण सडकों और आधारभूत संरचना से बडी संख्या में ग्रामीण लोगों को नजदीकी बाजार स्थानों और शहरों तक जाने की सुविधा मिलेगी और इससे व्यापार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को स्फूर्ति मिलेगी। ग्राम विकास योजना (वी डी पी) तैयार करते समय जिला प्रशासन गया ने संसद सदस्य श्री हरी मांझी के साथ मिलकर अभिसरण हेतु सभी सरकारी विकास स्कीमों की पहचान की ताकि वी डी पी का क्रियान्वयन सुचारु रूप से हो सके। गांव में ग्राम सभा का आयोजन किया गया जहां ग्राम समुदाय में सरकारी स्कीमों और उनके महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। तत्पश्चात उसमें निहित आवश्यक आधारभूत संरचना में अंतरालों की पहचान की गयी और उसके अनुसार गांव में प्राथमिकता क्षेत्रों पर कार्य शुरू किया गया।

गांव में तीन आंगनवाडी केन्द्रों का निर्माण किया गया। उनमें से एक आंगनवाडी का निधिपोषण प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजना (पी एम ए जी वाई) के द्वारा तथा शेष दो केन्द्रों का निधिपोषण 13 वें वित्त आयोग द्वारा किया गया। सडक संयोजनों में सुधार के लिए तीन समतल सीमेंट कंक्रीट (पी सी सी) सडकों को पी एम ए जी वाई के अंतर्गत निर्मित किया गया। सामाजिक आधारभूत संरचना में सुधार के लिए जिला स्वास्थ्य समिति ने एक ए पी एच सी का निर्माण किया ताकि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा सके। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत (एस बी एम) 138 शौचालयों का निर्माण किया गया। स्ट्रीट लाईटिंग को सुनिश्चित करने के लिए 20 सी एफ एल स्ट्रीट लाईट लगाये गये, जिसका निधिपोषण आई ए पी स्कीम के अंतर्गत किया गया। ग्राम आधारभूत संरचना के विकास ने समाधान का प्रमाण दिया है जो सांसद आदर्श ग्राम योजना ग्राम पंचायत में मूल्यांकन विकासात्मक लाभों का सृजन कर सकती है।

सांसद का नाम	: श्री हरी मांझी
ग्राम पंचायत का नाम	: बकरौर
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: गया
जिले का नाम	: गया
राज्य का नाम	: बिहार

जल बचाओ और स्वच्छता अभियान

33

पुट्टमराज कंदिरिगा ग्राम पंचायत का संसद सदस्य श्री सचिन रमेश तेंडुलकर ने सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत अभिग्रहण किया। यहां पर अधिकांश परिवारों में शौचालय एवं जलापूर्ति और स्वच्छता आधारभूत संरचना सुविधा नहीं है। संसद सदस्य के मार्गदर्शन और दृढ नेतृत्व में ग्रामवासी गौरव का अनुभव कर रहे हैं क्योंकि पाईप (नल) द्वारा पेयजल की आपूर्ति 24 घंटे की जा रही है। गांव को जल निकासियों, भूगर्भ निकासी नेटवर्क और जल परिशुद्ध संयंत्र, ठोस मल जल निपटान स्थल तथा प्रत्येक घर के लिए शौचालय आदि के अंतर्गत कवर किया गया है। इसके अलावा गांव के प्रत्येक परिवार में आधुनिक तथा टाईल लगे बाथरुम हैं।

जल सीमित है और जल का सही उपयोग करना तथा लोगों में जागरुकता लाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। दैनिक आधार पर जल संरक्षण और सही उपयोग के लिए लोगों में जागरुकता लाने के लिए ग्राम कार्यकर्ताओं द्वारा जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रत्येक घर में जल मीटर लगाया गया है। प्रारंभ में 700-800 लीटर्स प्रतिदिन एक 4-5 संख्या वाले परिवार में दैनिक जल उपयोग का रिकार्ड किया गया था। बर्तन साफ करने, नहाने और पौधों को जल देने के लिए जल का अतिरिक्त उपयोग किया जाता था। नल खुला रहने से जल बह जाता था। प्रत्येक परिवार को जल के समुचित उपयोग की गंभीरतापूर्वक जानकारी दी गई। समुदाय सदस्यों ने जल के महत्व को पहचाना और प्रत्येक परिवार ने 500 लीटर प्रति दिन पानी का उपयोग कम कर दिया।

गांव में प्रचलित विकासात्मक कार्यो के पर्यवेक्षण और निगरानी के लिए एक प्रतिबद्ध दल को कार्यरत किया गया है। गांव में स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने के लिए गांव के कार्यकर्ताओं को संग्रहित किया गया है। अब गांव के लोग खुले में ठोस कचरा या तरल कचरा नहीं फेकते। प्रत्येक परिवार को डस्टबीन्स दिये गये हैं तथा गांव में कचरा फेकने के लिए कॉमन वेस्ट डिस्पोजल टैंक लगाए गए हैं।

सांसद का नाम	:	श्री सचिन रमेश तेंडुलकर
ग्राम पंचायत का नाम	:	पुट्टमराजु कंदिरिगा
जिले का नाम	:	नेल्लोर
राज्य का नाम	:	आन्ध्र प्रदेश

34 आदर्श कंप्यूटर साक्षरता केन्द्र, अलवालपुर गांव, बिहार

एक अनोखी पहल जिसे सांसद आदर्श ग्राम योजना के साथ डिजिटल इंडिया पहल, भारत सरकार के साथ आगे बढाती है। एन आई ई एल आई टी कंप्यूटर साक्षरता केन्द्र का उद्घाटन दिनांक 18 मई, 2015 को श्री रवि शंकर प्रसाद, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने अपने अभिग्रहित ग्राम अलवालपुर, पटना जिला में किया। कंप्यूटर साक्षरता केन्द्र को अलवालपुर के समुदाय केन्द्र में स्थापित किया गया और इस केन्द्र के कंप्यूटर लैब में छह कंप्यूटर तथा एक प्रिंटर लगाए गए हैं तथा एक सफेद बोर्ड के साथ कक्षा उपलब्ध है। अब तक आदर्श साक्षरता कंप्यूटर केन्द्र ने अलवालपुर गांव के 60 उत्साही निवासियों को भी प्रशिक्षित किया गया जिसमें 26 महिलाएं हैं।

'डिजिटल साक्षरता आपके द्वार' - कंप्यूटर साक्षरता केन्द्र के उद्देश्यों में निम्नलिखित कार्यकलाप सम्मिलित हैं :

* एक डिजिटली साक्षर व्यक्ति द्वारा प्रति परिवार के उद्देश्य को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एन डी एल एम) या दिशा (डिजिटल साक्षरता अभियान) के अंतर्गत ग्रामवासियों के लिए डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना।
* दलितों और महादलितों का क्षमता निर्माण और कौशल विकास।
* सिंगल विंडों कॉन्सेप्ट द्वारा सी एस सी (कॉमन सर्विस सेन्टर) स्कीम के अंतर्गत नागरिक सेवा प्रदान करना।
* ब्रॉडबैन्ड सुविधा की स्थापना पर वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग का भी प्रावधान किया जाए जिससे वास्तविक क्लासरुम प्रशिक्षण के साथ टेलीमेडिसीन की सुविधा भी प्राप्त होगी।
* डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण के अलावा (जैसे - एन आई ई एल टी - सी सी सी / बी सी सी पाठ्यक्रम) अन्य अल्पावधि कौशल विकास कार्यक्रमों को प्रारंभ किया जाए ताकि स्थानीय युवाओं के नियोजनोन्मुख कारकों जैसे - आई टी ई एस - बी पी ओ कौशल विकास, मोबाईल / टेलीफोन की मरम्मत, यू पी एस / इन्वटर्स / होम एप्लायान्सेस की मरम्मत, प्रशिक्षण प्रदान कर की जा सके।
* डिजिटल मार्केटिंग पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया जाए जिससे ई-कॉमर्स प्लेटफार्म का उपयोग करते हुए छोटे उद्यमीकर्ता अपने उत्पाद बेच सकेंगे।
* ई-लर्निंग मोड इन हिन्दी प्रशिक्षण कार्यक्रम से ''कहीं भी किसी भी समय'' शिक्षा की संकल्पना की सुविधा मिलेगी।
* सेन्टर में प्रशिक्षकों एवं कार्यालय स्टाफ की भर्ती में बेहतर तालमेल बिठाने के लिए स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। आगे इससे स्थानीय ग्रामवासियों में रोजगार के अवसर भी बढेंगे।

गांव में अन्य विकासात्मक कार्यों में ''स्वच्छ ग्राम स्वच्छ ग्राम, मेरा ग्राम मेरा अभियान'' आदि सम्मिलित हैं। स्वच्छ भारत मिशन की दिशा में गांव में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में एस ए जी वाई के अंतर्गत संसद सदस्य द्वारा डस्टबिन्स वितरित किये गये । सामुदायिक शौचालयों की मरम्मत की गयी और इन्हें प्रचलन में लाया गया। गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी प्रारंभ किया गया है।

सांसद का नाम	:	श्री रवि शंकर प्रसाद
ग्राम पंचायत का नाम	:	अलवालपुर
जिले का नाम	:	पटना
राज्य का नाम	:	बिहार

सहभागी जलागम प्रबंधन : जल भरण और उसका संचयन

35

चपका पंचायत मार्कण्डेय नदी के तट पर बसा है जहां प्रतिवर्ष 1500 से.मी. वर्षा होती है परन्तु अभी भी गांव की 90 प्रतिशत से अधिक कृषि योग्य भूमि असिंचित है। संसद सदस्य श्री दिनेश कश्यप द्वारा इस पंचायत को अभिग्रहित करने के पश्चात् सभी को सिंचाई सुविधाएं प्रदान करने हेतु कई कदम उठाए गए हैं।

ग्राम विकास योजना तैयार करते समय (वी डी पी) गांव में सिंचाई समिति गठित की गई है जिसमें गांव के किसान, कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) समूह सुविधा दल (सी एफ टी) सिंचाई विभाग उप इंजीनियर इत्यादि लोग सम्मिलित किए गए हैं। क्षेत्र सर्वेक्षण के बाद गांव में सभी असिंचित भूमि को कवर करने हेतु व्यापक ग्राम सिंचाई योजना तैयार की गई। योजना के प्रथम भाग में परिरेखा खाई, परिरेखा मेड, टेडी-मेडी खाईयाँ, छिद्रयुक्त जलाशय, गेबियन संरचना, कृषि जलाशय तथा एम जी वन आर ई जी ए के अंतर्गत पांरपरिक लघु जल संचायन जलाशयों का पुनरुद्वार आदि मदों को रखा गया हैं।

योजना के दूसरे भाग में समूहों का गठन नदी जल और समीपवर्ती जल से इंलेक्ट्रीक पंप या डीजल का उपयोग करते हुए उत्थान सिंचाई हेतु सामूहिक कार्य की सुविधा को शाकंबरी स्कीम एवं बी आर जी एफ से निधियाँ प्राप्त की। इस प्रकार, बी आर जी एफ और शाकंबरी स्कीम से इन समूहों ने 20 डीजल पंपों का वितरण किया जिसके तहत सिंचाई के लिए 156 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र लाया गया। चपका गांव में 200 हेक्टेयर से अधिक भूमि में फिल्ड चैनेलों का निर्माण किया गया जिसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम के अंतर्गत प्रारंभ किया गया तथा सिंचाई के लिए साल के बारह महीने जल उपलब्ध कराया गया। जिला नवोन्मेषण निधि से 10 परिवारों के लिए निधिपोषण करते हुए न्यूनतम लागत ड्रीप सिंचाई सुविधाएँ प्रदान की गई। प्रत्येक की लागत रु. 32,000 थी। कृषि विभाग ने 15 सूक्ष्म सिंचाई यूनिटों को संस्थापित किया है इन कार्यो को मल्टी स्टेक होल्डर सहयोग एवं कार्यो के द्वारा प्रारंभ किया गया है।

वर्ष भर सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता के साथ चपका गांव के लोग अब अनाज और नकदी फसल, बेहतर कृषि पद्धतियों जैसे - एस आर आई, बेहतर बीज और कृषि यांत्रिकीकरण का उपयोग करते हुए रासायनिक खेती करना चाहते हैं। कृषि विकास केन्द्र (के वी के) तथा राज्य कृषि विकास, कृषि विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन आर एल एम) स्टाफ द्वारा नियमित रूप से प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। ये सभी कार्य संसद सदस्य के गहन दल प्रयासों से ही संभव हुए हैं।

सांसद का नाम	:	श्री दिनेश कश्यप
ग्राम पंचायत का नाम	:	चपका
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	बस्तर
जिले का नाम	:	बस्तर
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ

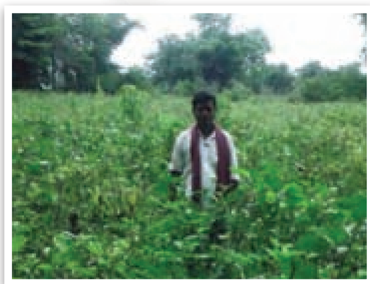

36 निजी क्षेत्र का सामाजिक विकास के प्रति योगदान-कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी का उपयोग, ग्रामीण युवाओं के लिए ड्राईवर प्रशिक्षण

दुंडिगल ग्राम पंचायत मलकाजगिरी, रंगारेड्डी जिले में बेसलाईन सर्वेक्षण से यह पाया गया है कि गांव में अधिकांश युवा बेरोजगार हैं और उनकी पढाई 10 वीं कक्षा से भी कम है। हैदराबाद से सटा होने के कारण युवाओं ने ड्राईविंग व्यवसाय में रुचि दिखायी है।

सांसद श्री सीएच. मल्ला रेड्डी ने ग्रामीण युवाओं में कौशल को बढाने की पहल की। कई कंपनियों से संपर्क साधा गया। नतीजतन ''मारुति ड्राईविंग स्कूल'' द्वारा युवाओं को ड्राइविंग प्रदान की मंशा जतायी। इस कार्यक्रम में 100 युवाओं को भर्ती कराया गया और मोटर ड्राईविंग प्रथम बैच का प्रशिक्षण कार्य संपूर्ण हुआ। लाइसेंस प्राप्त करने के बाद अगले चरण में जिला प्रशासन द्वारा प्रशिक्षित युवाओं को ऋण प्रदान करने का कार्य प्रारंभ किया है जिससे वे वाहन को खरीद कर अपनी आजीविका चला सके।

सांसद का नाम	: श्री सीएच. मल्ला रेड्डी
ग्राम पंचायत का नाम	: दुंडिगल
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: मलकाजगिरी
जिले का नाम	: रंगारेड्डी
राज्य का नाम	: तेलंगाना

37 जिले का पहला जैविक गांव

संसद सदस्य ने बरियापुर ग्राम पंचायत का चयन किया तथा जिले में इस गांव को ''जैविक ग्राम'' के रूप में विकसित करने का निश्चय किया। जैविक कृषि को बढावा देने के लिए उन्होंने अपनी पहल समुदाय और कृषि विभाग के साथ की। 154 किसानों का चयन किया गया एवं जैविक कृषि के तीन मुख्य पहलुओं जैसे - गोबर गैस, वर्मी कम्पोस्ट एवं वर्मी एश पर उन्हें प्रशिक्षित किया गया।

कृषि विभाग ने वर्मि कम्पोस्ट पिट स्कीम को समर्थन प्रदान किया जिसमें रु. 15000 की सहायता राशि दी गई है। क्षेत्र में गोबर गैस संयंत्र को बढावा देने के लिए संयंत्र की संस्थापना, उत्पादन क्रियाविधि एवं सहायता राशि घटक पर कृषि विभाग ने विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। पक्के वर्मि-कम्पोस्ट पिट्स बनाने के उनके आवेदन के आधार पर जिला कृषि विभाग से 70 किसानों को स्वीकृति पत्र प्राप्त हुए। वर्तमान में ये किसान अपने कृषि भूमि पर जैविक कृषि का अभ्यास कर रहे हैं ।

कृषि विभाग की अपेक्षानुसार विभिन्न सरकारी कृषि स्कीमों और कार्यक्रमों के अंतर्गत बडी संख्या में लोग इसका लाभ उठायेंगे। इन पद्धतियों से उस क्षेत्र के किसानों को जैविक कृषि में बढावा मिलेगा और पर्यावरण तथा समुदाय को लाभ मिलेगा।

सांसद का नाम	: श्री राम कुमार शर्मा कुशवाहा
ग्राम पंचायत का नाम	: बरियापुर
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: सीतामढी
जिले का नाम	: सीतामढी
राज्य का नाम	: बिहार

38 प्राचीन शिव मंदिर का जीर्णोद्धार, गिरौद गांव बना आकर्षक पर्यटन स्थल

18 वीं सदी के प्राचीन शिव मंदिर के कारण गिरौद गांव गौरवान्वित हुआ है। इस क्षेत्र में गांव के लिए यह ऐतिहासिक महत्व रखता है। यह मंदिर तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को इस गांव की ओर खींच लाता है।

माननीय सांसद श्री रमेश बैस ने इस मंदिर के पुनरुद्धार एवं पुनरुद्धार उपाय प्रारंभ किये तथा पुरातत्व महत्व को बनाए रखने और परिसर को सुंदर और मनोहारी बनाने की दिशा में कदम उठाए। मंदिर परिसर का अतिक्रमण किया गया था। परिसर को सुंदर बनाने के अभियान में अतिक्रमित भूमि को अतिक्रमणमुक्त किया गया और वृक्षारोपण प्रारंभ किया गया इससे मंदिर की सुंदरता और बढ गई है।

सांसद का नाम	: श्री रमेश बैस
ग्राम पंचायत का नाम	: गिरौद
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: रायपुर
जिले का नाम	: रायपुर
राज्य का नाम	: छत्तीसगढ

जीर्णोद्धार पूर्व

जीर्णोद्धार से पूर्व प्राचीन शिव मंदिर

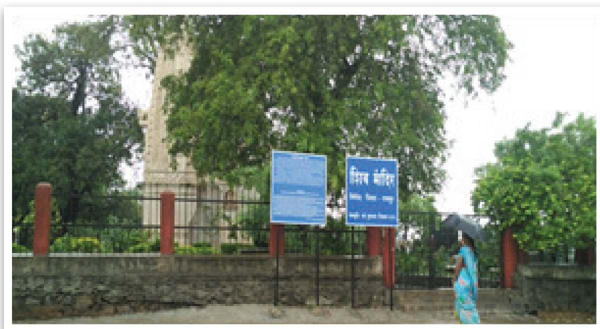

जीर्णोद्धार के बाद

39 बाजार शेड का निर्माण

ख्वालाईलंग ग्रामए जिला मुख्यालय सरसीप तथा राज्य के अन्य भागों से जुडे महत्वपूर्ण मार्ग पर स्थित है। गांव में यात्रियों के लिए सेवा क्षेत्र की काफी संभावनाएं हैं। इस बात को ध्यान में रखकर वी डी पी तैयार करते समय क्वालाइलंग में आधुनिक बाजार शेड स्थापित करने का निर्णय लिया। संसद सदस्य श्री सी.एल. रुआला ने एम पी एल ए डी निधियों से ग्राम परिषद को रु. 15 लाख राशि की मंजूरी दी। कंक्रीट भवन वर्तमान विक्रेताओं किसानों और महिलाओं को उनके उत्पाद सीधे रूप से बेचने का स्थान प्रदान करेगा इसके अलावा यह परिसर ग्राम परिषद के लिए राजस्व का स्रोत बनेगा।

सांसद का नाम	: श्री सी.एल. रुआला
ग्राम पंचायत का नाम	: ख्वालाईलंग
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: मिजोरम
जिले का नाम	: सरछिप
राज्य का नाम	: मिजोरम

40 चाय बागान के बच्चों में त्वचा की बीमारी का ईलाज, लंगकाशी ग्राम पंचायत, असम

लंगकाशी ग्राम पंचायत, तिनसुखिया जिला, असम में चाय आदिवासी लोगों की संख्या अधिक है जो चाय बागान में रहते हैं। समुदाय के निवासियों के आस पडोस में माहौल अस्वास्थ्यकर तथा गंदा है तथा सभी उम्र के बच्चों में त्वचा की बीमारी का पाया जाना एक सच्चाई है। सारंग ठाकरे पी एम आर डी एफ, तिनसुखिया, ने ग्राम विकास योजना तैयार करते समय तथा पी आर ए अभ्यास के दौरान पाया कि बडी संख्या में बच्चे चर्म रोगों से ग्रस्त है तथा गांव में इस समस्या पर काबू पाने के लिए जिला प्रशासन ने दो अलग-अलग प्रकार के समाधान करने का निर्णय लिया है।

निवारक दृष्टिकोण : अधिकांश त्वचा बीमारियों का कारण साफ सफाई न होना था। हाथ स्वच्छ धोना पहला ऐसा कार्य है जो त्वचा संक्रमण फैलाने वाले विषाणुओं को रोकता है। जिला प्रशासन ने निर्णय लिया है कि लोअर प्राईमरी स्कूलों में हाथ धोने के कार्य पर जागरुकता फैलायें। इस अभिव्यवहार बदलाव के लिए गांव में हाथ धोना विषय पर साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। अधिकांश विकास कार्य चिन्हित निधिपोषण या निर्धारित निधिपोषण के अभाव में असफल हो जाते हैं। इसलिए जिला प्रशासन ने संबंधित टी-एस्टेट (टी ई) सहित बजलोनी टी ई एवं सावित्री टी ई को सम्मिलित किया ताकि उनके सी एस आर निधियों के द्वारा विकास कार्यो का समर्थन दिया जा सके। वे अब स्वच्छता कार्य के भागीदार हैं और इस पहल का सातत्य बनाए रखने के लिए धुलिजन लोअर प्राईमरी स्कूल को प्रसाधन साबुन / हैण्डवाश प्रदान की जिम्मेदारी स्वयं पर ली है।

जिज्ञासु दृष्टिकोण : धुलिजन स्वास्थ्य उप केन्द्र में विशेषज्ञों के साथ आवश्यक मानव शक्ति की कमी है इसलिए जिला प्रशासन ने जिला राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन युनिट से यह अनुरोध किया है कि एक एम बी बी एस डॉक्टर, सीधे लोअर प्राईमरी स्कूल, लंगकाशी ग्राम पंचायत को मोबाईल मेडिकल यूनिट के साथ भेजें ताकि वे त्वचा की बीमारी के मामलों का ईलाज कर सके। यद्यपि, त्वचा रोग ग्रस्त बच्चों को नि:शुल्क चिकित्सा और परामर्श दिया जाएगा, दवाई लेने के पश्चात रोगियों का पुनरीक्षण करने ''मोबाईल मैनेजमेंट यूनिट'' (एम एम यू) ने दो बार दौरा किया। जिला प्रशासन अभी भी ठोस निष्कर्षों को पाना चाहती है क्योंकि त्वचा की बीमारी पर निजात पाने के लिए अच्छा-खासा समय लगता है। फिर भी परिणाम अच्छे आ रहे हैं और गांव के बच्चों की स्थिति में सुधार के लक्षण दीख रहे हैं।

सांसद का नाम	: श्री रामेश्वर तेली
ग्राम पंचायत का नाम	: लंगकाशी
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: डिब्रूगढ
जिले का नाम	: तिनसुखिया
राज्य का नाम	: असम

बडी इलायची का रोपण तिंगवाँग, सिक्किम - प्राचीन आय-सृजन कृषि पद्धतियों का पुनरुज्जीवन

41

उत्तरी सिक्किम में तिंगवोंग ग्राम पंचायत स्थित है इसके निकटवर्ती क्षेत्र पारंपरिक रुप से बडी इलायची के पौधों के लिए प्रसिद्ध हैं। यह उच्च मूल्यवाली नकदी फसल है। यद्यपि हाल के वर्षों में इलायची की ऊपज में काफी गिरावट रही है जिसका कारण था - पौधे काफी पुराने हो चले थे तथा विषाणु बीमारी पनपती थी। अत: ग्राम पंचायत में किसानों द्वारा कृषि के इस प्राचीन पद्धति को बहाल करना और ऊपज में गिरावट के मुद्दे को उभारना तथा समुदायों के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का मद काफी महत्वपूर्ण और आवश्यक भी है।

सांसद आदर्श ग्राम योजना कार्य के अंतर्गत बडे पैमाने पर इलायची का वृक्षारोपण प्रारंभ किया गया। इसे एससीसीडीडी और मनरेगा के साथ संलग्न कर कार्यक्रम के अंतर्गत रोग निरोधी साधन के साथ प्रारंभ किया गया। इसमें एचसीसीडीडी ने निवेशों (उन्नत साधन) तथा मनरेगा ने वृक्षारोपण के लिए श्रमिकों के लागत का सहायता प्रदान की और बल दिया।

इस महत्वपूर्ण कदम से कुछ वर्षों के भीतर बडे पैमाने पर इलायची वृक्षारोपण पुन: प्रारंभ होगा। यह आशा की जाती है कि वृक्षारोपण से हुई उपज से स्थानीय समुदायों को अतिरिक्त आय होगी जो जीवन स्तर बढाने में सहायक सिद्ध होगी।

सांसद का नाम	:	श्री हिशे लाचुंग्पा
ग्राम पंचायत का नाम	:	तिंगवांग
जिले का नाम	:	उत्तरी सिक्किम
राज्य का नाम	:	सिक्किम

42 आदर्श गांव पर चित्रकला प्रतियोगिता

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सांसद श्री तारिक़ हमीद कर्रा ने जम्मू-कश्मीर में मणिगाम ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया। संसद सदस्य ने चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें सेकेंडरी स्तर तक गांव के सभी छात्रों को सम्मिलित किया गया। प्रेरणा प्राप्त सभी छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया तथा ''आदर्श गांव पर मेरी संकल्पना'' विषय पर चित्र बनाये। इस निष्कर्ष से ग्राम विकास योजना (वी डी पी) तैयार करने में मदद मिली। इस चित्रकला में छात्रों ने आदर्श गांव की अपनी कल्पना प्रस्तुत की। निष्कर्ष में देखा गया है कि घर-घर के लिए शौचालय, वृक्षारोपण और सड़कों से गांव जुड़ने पर चित्र बनाए गए हैं।

यह एक पहला अवसर था जब ग्राम स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संसद सदस्य और उप विभागीय मजिस्ट्रेट ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये। समुदाय के लिए यह एक अनोखा अनुभव रहा जहाँ छोटे-छोटे बच्चों ने अपने ढंग से मॉडल गांव चित्रित किया। इस चित्रकला प्रतियोगिता से आयोजनकर्ताओं और नीति निर्माताओं को मूल्यवान सुझाव और गहन दृष्टि प्राप्त हुई जिसे वे ग्राम विकास योजना तैयार करते समय ''आदर्श ग्राम'' के लिए प्राप्त विभिन्न विकास कार्यों को ध्यान में रखेंगे।

सांसद का नाम	: श्री तारिक हमीद कर्रा
ग्राम पंचायत का नाम	: मणिगाम
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: श्रीनगर
जिले का नाम	: गंडेरबाल
राज्य का नाम	: जम्मू एवं काश्मीर

जशवंतगढ ग्राम पंचायत, गुजरात में हवाडो का निर्माण

43

जशवंतगढ ग्राम पंचायत का मुख्य व्यवसाय पशु प्रजनन हैं। गांव में हवाडे (पशुओं के लिए पेयजल टब) हैं जो मुख्य सडक की बाजू में हैं जिसके कारण सारे पशु एक जगह इकट्ठा हो जाते हैं। गाय का गोबर भी नियमित रूप जहां-तहां बिखरा पडा होता हैं। मानसून के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है तथा गोबर के कारण मौसमिक बीमारी से सूक्ष्म जीवाणु उत्पन्न होते हैं। गांव के वातावरण में अस्वास्थपरक स्थितियों के पनपने से समुदाय को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पडता है। यह एक प्रतिकूल प्रभाव है जो समुदायों की आर्थिक स्थिति पर पडता हैं क्योंकि बार-बार होने वाली बीमारियों के चलते उन्हें इस पर अतिरिक्त स्वास्थ्य उपचार पर खर्च करना पडता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए ग्राम समुदाय ने गांव के मुखिया (सरपंच) के साथ एक बैठक आयोजित की। गांव के समुदाय बैठक में यह निर्णय लिया गया कि हवाडे को गांव के बाहर निर्मित किया जाए तथापि पुराना हवाडो गांव में वैसे ही बना रहेगा। नई संरचना का निर्माण करने के लिए अनुदान प्राप्त करना समुदाय के लिए यह एक चुनौती है परन्तु ग्राम वासियों ने अपना उत्साह नहीं खोया और समुदाय अंशदान के द्वारा हवाडे के निर्माण हेतु दो लाख रुपए संग्रहित किये। सचमुच, इस गांव ने सक्रिय जन सहभागिता और अपने गांव के विकास के प्रति समुदाय अंशदान देकर एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सांसद का नाम	: श्री कॅप्टन दीपसिंह शंकरसिंह राठौड
ग्राम पंचायत का नाम	: जशवंतगढ
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: साबरकांठा
जिले का नाम	: साबरकांठा
राज्य का नाम	: गुजरात

44 जयापुर : नव-जीवन संचार

उत्तर प्रदेश का जयापुर ग्राम, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अभिगृहीत किये जाने के बाद परिवर्तन की राह पर अग्रसर है। स्थानीय लोकतंत्र मजबूत करने के लिए तथा ग्राम पंचायतों में संवेद्यता और जवाबदेही के सुधार के लिए समग्र ग्राम विकास समिति के ध्वज के तले कई ग्राम समितियाँ गठित की गयीं जो शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्थायी आत्म निर्भरता तथा सांस्कृतिक कार्यों की देख रेख करती हैं।

- वनवासी यह एक आदिम समुदाय है जो वनों के समीप रहता है, इन्हें एक-एक कमरे के पक्के आवास आबँटित किये गये हैं। यह बस्ती अटलनगर नाम से पहचानी जाती है। 14 लाभार्थियों को आबँटित इन एक-एक कमरे के मकानों में रसोई, स्नानगृह, शौचालय, वाशबेसिन, सौर ऊर्जा की लाइटें तथा पानी के नलों की व्यवस्था है।
- स्वच्छ भारत अभियान की निधियों से इस ग्राम मे 400 शौचालय, 16 बायो-शौचालय निर्मित किये गये हैं।
- वित्तीय सेवाओं के लिए गाँव में राष्ट्रीय कृत बैंक तथा ए.टी.एम. उपलब्ध हैं।
- गाँव की गलियों में 100 से अधिक सौर दीप लगाये गये हैं। इस बस्ती-समुदाय को 600 एल.ई.डी. बल्ब देने की योजना बनी है।
- प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा अभियान के अंतर्गत 2500 लोगों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया गया है।
- युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करने के लिए एक कौशल विकास केंद्र खोला गया है।
- नियमित स्वास्थ्य जाँच के लिए औषधोपचार शिविर नियमित अंतराल पर आयोजित किये जाते हैं।
- इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ वेजिटेबल रीसर्च में जयापुर ग्राम के किसानों के लिए साग सब्जियों के बीजों का शुष्क भंडारण यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय द्वारा महिला बुनकरों के लिए दर्रियां (कार्पेट) तयार करने का कार्य शुरू किया गया।
- गाँव में 20,000 लीटर क्षमतावाला वाटर टैंक बनाया जा रहा है और 6-8 महीनों में हर परिवार को नल की सुविधा मिलेगी।
- 1941-42 में बनी, उपयोग-बाह्य एक पाठशाला इमारत यह एक ही सरकारी पाठशाला है, इसका नवीकरण कर नयी कक्षाएँ बनायी गयी। यहाँ सौर ऊर्जा उपलब्ध है। परियोजना प्रदर्शन के माध्यम से स्मार्ट कक्षा भी लगी है।
- एक कमरे में चलनेवाली आँगनवाडी अब नये रंग में आकर्षक बनी है। फर्श पर टाइल्स लगे हैं। बच्चों के लिए रंगीन प्लास्टिक की कुर्सियाँ-टेबल लगे हैं।

एस प्रकार कम समय में लोगों की सहभागिता और समन्वित विकास के लिए सांसदों जैसे उच्चतम कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन की दृष्टी से जयापुर एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

सांसद का नाम	:	श्री नरेन्द्र मोदी
ग्राम पंचायत का नाम	:	जयापुर
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	वारणासी
जिले का नाम	:	वारणासी
राज्य का नाम	:	उत्तर प्रदेश

अटलनगर आदिवासी पुनःस्थापन

बायोटॉयलेट

नवीकृत आँगनवाडी, बालकों के लिए हँसते-खेलते सीखने का स्थान

बस अड्डेपर यात्री प्रतीक्षालय

सौर ऊर्जा के दीप

अतिक्रमणमुक्त गांव

करमहा गांव, जिला और उप विभागीय मुख्यालय सरगुजा के समीप स्थित है जो उत्तरी छत्तीसगढ का भाग हैं तथा 832.931 एकड क्षेत्र में फैला हुआ है । गांव में तीन खंड है - पादसुलिपारा, करमहा और हंसूली। गांव में बहुसंख्या निवासी अनुसूचित जनजाति के हैं।

शहरों में जहां सरकारी भूमि पर बार-बार अतिक्रमियों द्वारा अतिक्रमण हुआ है, करमहा में भी ऐसा ही कुछ हुआ है कुछ परिवारों ने गैर-कानूनी तौर पर सरकारी भूमि का अतिक्रमण किया। दिनांक 16 मई से 21 मई के बीच ग्रामवासियों ने स्थानीय प्रशासन के समन्वय से एक अभियान प्रारंभ किया और गैर-कानूनी तौर पर अतिक्रमित भूमि की पहचान की।

25 एकड सरकारी भूमि गैर-कानूनी रुप से अतिक्रमित की गयी थी जिसकी पहचान की गई और उसका अधिहरण किया गया। गांव में इस भूमि का उपयोग गांव की बेहतरी के लिए किया जा सकेगा। ग्रामवासियों ने भी इस बात पर सहमति जतायी कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति सरकारी भूमि पर अतिक्रमण नहीं करेगा।

सांसद का नाम	: श्री कमलभान सिंह मराबि
ग्राम पंचायत का नाम	: करमहा
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: अम्बिकापुर
जिले का नाम	: सरगुजा
राज्य का नाम	: छत्तीसगढ

46 100 प्रतिशत उर्वराभूमि कार्ड कवरेज

जिला आदिलाबाद, तेलंगाना, पटनापुर ग्राम पंचायत में संसद सदस्य श्री गड्डम नागेश ने सभी लाभार्थियों को उर्वरा भूमि कार्ड वितरित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस कार्य ने किसानों की मदद करते हुए सकारात्मक परिवर्तन को लाया है। कार्यक्रम में किसान सरकारी मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक तौर पर मिट्टी के प्रतिदर्शो का परीक्षण करवायेंगे।

किसानों की भूमि के प्रति 10 हेक्टर से मिट्टी के नमूने एकत्रित किये गये। मिट्टी के नमूनों का मृदापरीक्षण प्रयोगशालाओं में विश्लेषण किया गया तथा किसानों की भूमि के मिट्टी के नमूनों के लिए संस्तुत खाद की खुराक दी जाएगी। इस सूचना से किसानों को एक विशिष्ट फसल के लिए तथा मिट्टी की पोषण स्थिति के अनुसार संस्तुत खाद की खुराक के अनुसार उनकी कृषि भूमि पर खादों का प्रयोग करने में सहायता मिलेगी। फसल की बढ़ती हुई अवस्था से लेकर बेहतर उत्पादन और उत्पादकता स्तर तक खाद की मात्रा का समुचित उपयोग एक लंबे समय तक चलने वाली प्रक्रिया है। इसी प्रकार से नियंत्रित खाद के उपयोग से मिट्टी का उत्कर्ष होगा तथा क्षरण रुकेगा और पर्यावरण की भी सुरक्षा होगी। अधिकांश मामलों में इस कार्य से उर्वरकों और खाद का अंधाधुंद प्रयोग कम करते हुए निवेश की लागत भी बचाने में मदद मिलेगी।

सांसद का नाम	: श्री गड्डम नागेश
ग्राम पंचायत का नाम	: पटनापुर
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: आदिलाबाद
जिले का नाम	: आदिलाबाद
राज्य का नाम	: तेलंगाना

पेयजल आपूर्ति की नवोन्मेषी पहल, त्रिपुरा

47

कथलबारी ग्राम पंचायत जो अम्बासा ग्रामीण विकास खंड, त्रिपुरा में स्थित हैं। इस ग्राम पंचायत का अभिग्रहण संसद सदस्य श्री जितेन्द्र चौधुरी ने किया। यह लोंगथराय पर्वतों के गिरिपाद पर बसा हुआ है। प्राय: प्रतिवर्ष गर्मी के दिनों में यहां के लोगों के लिए पीने का पानी टैंकरों से लाना करना पडता है। परन्तु दैनिक उपयोग के लिए जल की यह मात्रा पर्याप्त नहीं है। पानी की कमी की स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि स्थानीय स्कूलों में भी मध्याहन भोजन स्कीम तथा आंगनवाडी केन्द्रों में अनुपुरक पोषण कार्यक्रम को कई दिनों तक बंद रखना पडा। समुदाय द्वारा पेयजल की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा हैं। अत: इस स्थान पर लोगों के लिए एक स्थायी पेयजल स्रोत सृजित करने और स्थापित करने की नितांत आवश्यकता थी।

संसद सदस्य ने इन निवासियों के लिए स्थायी रूप से पेयजल स्रोत निर्मित करने का निर्णय लिया। उन्होंने इस मुद्दे पर प्रभारी अधिकारी, सां.आ.ग्रा.यो., कार्यपालक इंजीनियर, ग्रामीण विकास एवं पी एम आर डी एफ सहित अन्य समानांतर विभागीय पदाधिकारियों के साथ-साथ जिला मैजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर के साथ चर्चा प्रारंभ की। एक दल ने इन आवासों का दौरा किया तथा प्रारंभ की गयी इस पहल की संभावना और व्यवहार्यता का मूल्यांकन किया तथा इस समस्या को उजागर कर समुदाय से सुझाव प्राप्त करने के लिए उनसे परिचर्चा की। जलागम विकास दृष्टिकोण से अत्यंत उपयुक्त स्थान की पहचान करने हेतु इस क्षेत्र में प्रारंभिक सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया गया तथा दो-चार स्थान चुने गये। विभिन्न पहलुओं जैसे लागत, जल क्षमता एवं गुणवत्ता, तकनीकी व्यवहार्यता, आवास से दूरी इत्यादि पर चर्चा करने के बाद एक उपयुक्त स्थान का चयन किया गया। आगे, उत्थान पद्धति का उपयोग करते हुए पेयजल के स्थायी स्रोत के सृजन पर निर्णय लिया गया आर सी सी स्लैब के साथ मिट्टी का एक बांध नीचे की ओर निर्मित करने की योजना बनाई गई है जहां दो विपरीत छोर नजदीक आने से जल की अधिक मात्रा इकट्ठी की जा सकेगी।

चेक डैम के निर्माण के साथ इस संपूर्ण परियोजना की लागत रु. 40 लाख आंकी गई है यह राशि ग्रामीण विकास इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मंजूर की गयी है उसी प्रकार से जल उत्थान, शुद्धिकरण और आपूर्ति सिस्टम के निर्माण हेतु जलापूर्ति और स्वच्छता विभाग द्वारा रु. 50.63 लाख की धनराशि मंजूर की गई। जून माह में निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है तथा इस प्रकार बांध में संचित जल को 350 फीट की ऊंचाई तक उठाया जाएगा (आवासीय अक्षांक्ष) तथा आवासीय क्षेत्र में 20,000 लीटर की क्षमता वाले आर सी सी जलाशय का निर्माण किया जाएगा उच्च क्षमता वाले ईलेक्ट्रीक पंप अर्थात जलाशय में एकत्रित जल शुद्ध और पीनेयोग्य बनाने हेतु मिनी आयरन हटाव संयंत्र से शुद्ध किया जाएगा। तत्पश्चात पाईप लाईन सिस्टम द्वारा सभी परिवारों को जल वितरित किया जाएगा। इससे स्थायी तौर पर पेयजल कमी की वर्तमान समस्या दूर होगी तथा गांव में नियमित आधार पर जल सेवाएँ सुनिश्चित होगी। यह भी आशा है कि इस कार्य से बेहतर स्वास्थ्य तथा श्रीनिबाशपारा के समुदाय के रहन-सहन में सुधार होगा तथा डाऊन स्ट्रीम क्षेत्र में जल स्तर बढाते हुए अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

सांसद का नाम	: श्री जितेन्द्र चौधुरी
ग्राम पंचायत का नाम	: काथलबारी
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: त्रिपुरा पूर्व
जिले का नाम	: धलाई
राज्य का नाम	: त्रिपुरा

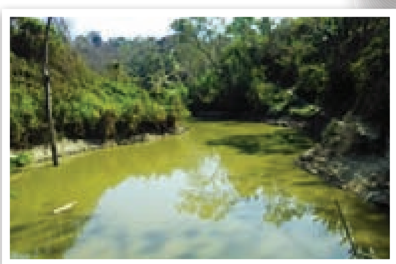

48 उद्यमशीलता से सशक्तिकरण

मारवामंगलम शिवगंगाई जिला, तमिलनाडु में बसा हैं। डॉ. ई.एम. सुदर्शन नचियप्पन संसद सदस्य (राज्य सभा) ने इसे आदर्श ग्राम के रुप में चुना।

ग्रामीण आजीविकाओं को सुधारने एवं बढावा देने के लिए संसद सदस्य ने कॉयर, चमडा और समुदायों के लिए नारियल के रोये चर्म उद्योग और प्रशिक्षण के संभावित क्षेत्रों की पहचान की तथा उसके महत्व को पहचाना और बढावा दिया। संसद सदस्य ने जिला प्रशासन एवं अलगप्पा युनिवर्सिटी के समर्थन से कई जागरुकता कार्यक्रमों आयोजित किये। उन्होंने कॉयर बोर्ड ऑफ इंडिया, कोकोनट डेवलपमेंट बोर्ड ऑफ इंडिया एवं सेन्ट्रल लेदर रीसर्च इंस्टिट्यट के समर्थन से लोगों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षण भागीदारों को एकजुट किया।

दो माह के ज्यूट प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रारंभ करने के लिए उन्होंने प्रशिक्षण संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित किया जिसका उद्देश्य लोगों को सफल उद्यमीकर्ता बनाने हेतु उन्हें शिक्षित करना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 120 महिलाओं को कॉयर प्रशिक्षण, 112 लोगों को चमडा (लेदर) प्रशिक्षण तथा 27 पुरुषों को नारीयल प्रशिक्षण हेतु सूचीबद्ध किया गया। प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद जिला प्रशासन और प्रशिक्षण भागीदारों द्वारा सफल प्रशिक्षार्थियों को उनके अपने सामाजिक उद्यम प्रारंभ करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी और उनकी आजीविका को समर्थन देंगे।

सांसद का नाम	:	डॉ. ई.एम. सुदर्शन नचियप्पन
ग्राम पंचायत का नाम	:	मारवामंगलम
जिले का नाम	:	शिवगंगाई
राज्य का नाम	:	तमिलनाडु

मनरेगा के अंतर्गत पशु आश्रय - गरीब, मजदूरी करनेवाले किसानों के लिए वैकल्पिक आजीविका

49

सिक्किम राज्य के दक्षिणी जिले की कितम मनपुर ग्राम पंचायत का, सांसद श्री प्रेम दास राय द्वारा अभिग्रहण किया गया है। यह ग्राम पंचायत वर्षाधारित क्षेत्र में बसा हुआ है। यहां की मिट्टी लाल पहाडी मिट्टी है जिसमें पोषक तत्व की मात्रा काफी कम होती है तथा फसलों की कृषि के लिए उपयुक्त नहीं मानी जाती, फिर भी किसान ''सिक्किम आर्गेनिक मिशन'' के समर्थन के साथ बागवानी फसल की उगाई कर रहे हैं। यह कृषि वाला क्षेत्र वन्य जीव पार्क के समीप है जहां जंगली जानवर हमेशा फसलों को नष्ट कर देते हैं। वर्तमान समस्या से तंग आकर कुछ किसानों ने अपने भूमि छोडकर आजीविका के वैकल्पिक स्रोत चुन लिये हैं। सांसद महोदय ने कृषि की इन समस्याओं का अवलोकन किया और उनकी आजीविका के वैकल्पिक स्रोत के लिए पशुपालन को बढावा देने की योजना दी। इसलिए इस कष्टकर्ता किसानों को सहायता देने के लिए उन्होंने ग्रामीण प्रबंधन एवं विकास विभाग (आर एम डी डी) सिक्किम सरकार से संपर्क किया और आजीविका समर्थन संपद के रूप में मनरेगा के अंतर्गत एक टिकाऊ पशु आश्रय की सुविधा प्रदान की ताकि किसान डेयरी (दुग्ध) उत्पादन के व्यवसाय चुन सके। 101 सीमान्त किसान इस क्रियाकलाप से लाभान्वित हुए और दुधारु गायों तथा अन्य पशुओं को भी पाल रहे हैं। अब सीमान्त किसान दूध की बिक्री करते हुए प्राप्त आमदनी से अपने परिवार का खर्चा चलाने में समर्थ हुए हैं। यद्यपि, जिस भूमि को उन्होंने छोड दिया था अब वहां पर वे चारा फसलों को उगाने के काम में ला रहे हैं।

सांसद का नाम	:	श्री प्रेम दास राय
ग्राम पंचायत का नाम	:	कितम मनपुर
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	:	सिक्किम
जिले का नाम	:	दक्षिण जिला
राज्य का नाम	:	सिक्किम

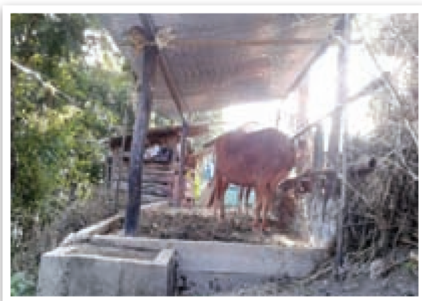

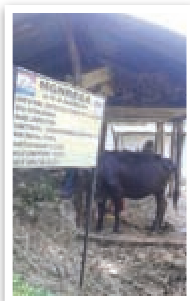

50 सरकारी स्कूल में सौर ऊर्जा संयंत्र

चंडीगढ़ की सांसद श्रीमती किरण खेर ने सारंगपुर गांव में सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 50 कि.वाट ग्रिड टाईड रुफटॉप सोलार फोटो वोल्टैक बिजली संयंत्र स्थापित किया। श्रीमती किरण खेर ने ''सांसद आदर्श ग्राम योजना'' के अंतर्गत सारंगपुर गांव का अभिग्रहण किया। परियोजना की कुल लागत रु. 45.47 लाख हैं जिसमें 10 वर्षों के लिए परिचालन और रख-रखाव प्रभार सम्मिलित है। यह संयंत्र प्रति वर्ष 62,500 के डब्ल्यू एच यूनिट ऊर्जा सृजित करेगा।

सांसद का नाम	: श्रीमती किरण खेर
ग्राम पंचायत का नाम	: सारंगपुर
निर्वाचन क्षेत्र का नाम	: चंडीगढ़
जिले का नाम	: चंडीगढ़
राज्य का नाम	: चंडीगढ़

ए एन एम उप-केन्द्र प्रवर्तन के उपरांत स्वास्थ्य सेवाओं में विकास

51

हरिद्वार जिले के गोरधनपुर ग्राम पंचायत में एक ए एन एम उपकेन्द्र है जो कि जीर्ण-शीर्ण हालत में है। वहाँ पर संक्रमणरोधी टीकाकरण एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने हेतु ए एन एम के लिए उचित स्थान भी नही था। बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी गोरधनपुर के ग्राम वासियों को खानपुर/लकसर जैसे दूर स्थान के लिए जाना पडता था लेकिन सां.आ.ग्रा.यो. के अंतर्गत ग्राम पंचायत के चयन के उपरांत, सांसदों द्वारा समस्याओं पर विचार किया गया। कुल प्रतिरोधन केवल 85 प्रति शत था।

सांसदों ने उच्च अधिकारियों एवं गोरधनपुर ग्रामवासियों के साथ चर्चा की और जिला कार्य योजना के अंतर्गत ए एस एम उप-केन्द्र का निर्माण करने का निर्णय लिया और तदनुसार जिला मजिस्ट्रेट ने बजट मंजूर कर दिया। इस दौरान गॉंव में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए अधिकारी एवं स्थानीय लोगों के प्रयास से भूतपूर्व प्रधान के घर में ही ए एन एम उप-केन्द्र की स्थापना की गई।

ए एन एम उप-केन्द्र में तीन कमरे हैं 24 X 7 बिजली, जल आपूर्ति फर्नीचर एवं अन्य सुविधाओं से सुसज्जित हैý जिला कार्य योजना के अंतर्गत जिला द्वारा प्रदत्त निधि से प्रसव टेबल और अन्य उपकरणों की खरीद की गयी। गोरधनपुर गाँव का पंजीकरण और प्रतिरक्षण 100 प्रतिशत है। उप-केन्द्र को प्रसूती स्थान में भी परिवर्तित किया गया है। ग्रामीणों का 100 प्रतिशत संस्थागत प्रसव का स्वप्न सच हो गया।

सांसद का नाम	:	डॉ. रमेश पोकरियाल 'निशंक'
ग्राम पंचायत का नाम	:	गोरधनपुर
जिले का नाम	:	हरिद्वार
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	हरिद्वार
राज्य का नाम	:	उत्तराखंड

52 समाजार्थिक समृद्धि के लिए स्थायित्व-समर्थ आजीविका

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सांसद श्री सुदर्शन भगत द्वारा झारखंड के गुमला जिले की बिशुनपुर ग्राम पंचायत की गयी। ग्राम पंचायत जिला मुख्यालय से 55 कि.मी. की दूरी पर पहाडी एवं वन प्रदेशों में स्थित है। ग्राम पंचायत वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित है और जिले में अत्यंत अविकसित क्षेत्रों में से एक है।

सांसद ने ग्रामीण आजीविका को बढाने और मानव पूंजी का विकास करने के लिए ग्राम पंचायत में कई विकासात्मक कार्य प्रारंभ किए हैं।

महिलाओं में रोजगार को प्रोत्साहन देने के लिए, विकास भारती, प्रतिष्ठित स्थानीय स्वेच्छिक संगठन के साथ सहयोग में मशीनीकृत पत्तों का प्लेट एवं कटोरा बनाने पर 40 महिलाओं के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। साथ ही, ग्राम पंचायत के 50 महिला अभ्यर्थियों के लिए रांची में नर्सिंग पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

सतत कृषि एवं संबद्ध क्रियाकलापों को बढावा देने के लिए, सांसद के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने पुराने तालाब को नवीन बनाने का कार्य प्रारंभ किया जिसका प्रयोग सिंचाई एवं मत्स्यपालन क्रियाकलापों को प्रारंभ करने के लिए किया जाएगा। अनुपूरक आजीविका के रुप में मत्स्यपालन बढाने के लिए रांची में समुदाय सदस्यों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होने वाला है। साथ ही, कृषि एवं संबद्ध क्रियाकलापों को बढावा देने के लिए एम जी एन आर ई जी एस द्वारा 31 पशु आश्रय, 14 ट्यूब वेल एवं 4 तालाबों का निर्माण किया गया है।

उपर्युक्त कार्यों के अलावा, सामाजिक विकास के लिए सांसद के नेतृत्व में शराब-विरोधी अभियान एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। खंड प्राधिकारियों के सहयोग से समुदाय ने इन कार्यकलापों में भाग लिया।

सांसद का नाम	:	श्री सुदर्शन भगत
ग्राम पंचायत का नाम	:	बिशुनपुर
जिले का नाम	:	लोहरदगा
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	गुमला
राज्य का नाम	:	झारखंड

मारेडुमिल्ली गाँव, पूर्व गोदावरी, आन्ध्र प्रदेश में ईको-पर्यटन को बढ़ावा - अब अंधेरा नहीं

53

मारेडुमिल्ली गाँव अर्ध-हरित वन संसाधन, हरित भूभाग जिसमें कई जल धाराएँ प्रवाहित होती रहती हैं, जैव विविधता से समृद्ध है, ईस्ट गोदावरी जिले के आदिवासी क्षेत्रों में स्थित है। ये गाँव एक प्रसिद्ध पर्यटक स्थान है और नेसर्गिक सौंदर्य एवं समृद्ध संस्कृति से भरा है।

यद्यपि दिन के समय में गाँव में पर्यटकों की हलचल अधिक रहती है किन्तु शाम और रात के समय में गाँव सुनसान हो जाता है। ग्राम ईको-पर्यटन को बढाने के लिए गाँववालो ने मारेडुमल्ली एवं आस-पास के चार बस्तियों में स्ट्रीट लाईट लगाने का निर्णय लिया। सांसद, श्रीमती कोत्तपल्लि गीता ने धन इकठ्ठा कर गाँव में स्ट्रीट लाईटें लगायी। 6 महीने पहले 20 स्ट्रीट लाईट से प्रारंभ होकर आज गाँव में 200 स्ट्रीट लाईटे लगी हुई हैं। इससे ग्राम ईको-पर्यटन को बढावा देने में गाँववालों को मदद मिली है। अब शाम के समय में भी पर्यटक गाँव और उसकी चार बस्तियों में पर्यटन का आनंद लेते हैं।

सांसद का नाम	:	श्रीमती कोत्तापल्लि गीता
ग्राम पंचायत का नाम	:	मारेडुमिल्ली
जिले का नाम	:	अरकु
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	पूर्व गोदावरी
राज्य का नाम	:	आन्ध्र प्रदेश

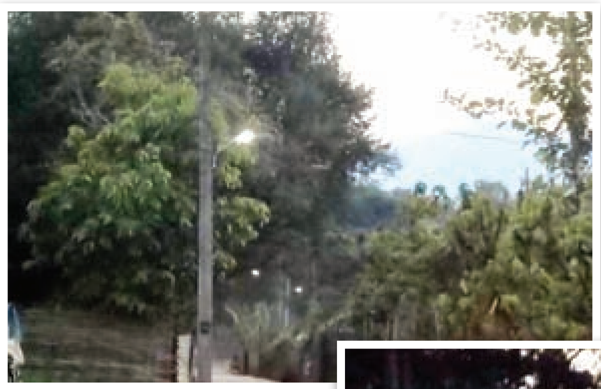

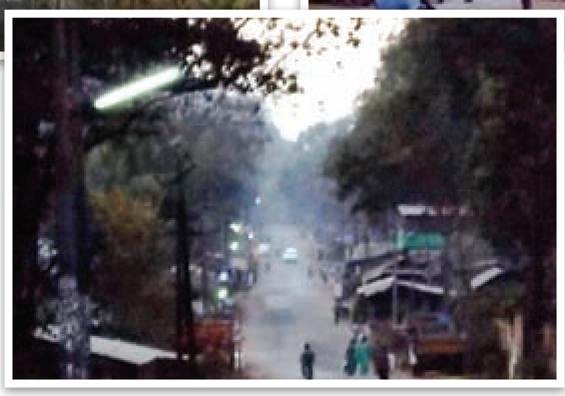

54 खुले में शौच मुक्त ग्राम पंचायत का विकास

खदरी, हरियाणा के यमुनानगर जिले में स्थित एक ग्राम पंचायत है जिसे सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत अंबाला के सांसद श्री रतन लाल कटारिया द्वारा गोद लिया गया है।

सांसद ने ग्राम पंचायत के लिए खुले में शौच मुक्ति स्थान करने के लिए प्रत्येक आवास के लिए शौचालयों का निर्माण करने के कार्य पर विशेष बल दिया। स्वच्छता क्रियाकलापों पर अधिक ध्यान देने के कारण, गाँव में शौचालयों के निर्माण में काफी बढ़ोतरी हुई है।

सां.आ.ग्रा.यो. के अंतर्गत चयनित होने से पहले, गाँव के 785 परिवारों में से केवल 477 घरों में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय थे। वे परिवार जिनके घरों में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय नहीं है उनको प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक वार्ड में विशेष अभियान का आयोजन किया गया। साफ-सफाई एवं स्वच्छता पर विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए स्कूलों में जागरुकता शिविर आरंभ किए गए। साथ ही जिला प्रशासन भी हर शनिवार को ग्राम पंचायत स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम आयोजन भी करता है जिसके कारण, लोगों की सोच में काफी परिवर्तन आया है। बाकी बचे 308 घरों में से 204 घरों में शौचालय निर्माण कार्य पूरा किया गया है और बचे 68 परिवारों ने शौचालय निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

उपर्युक्त कार्यों के अलावा, गाँव में ठोस एवं द्रव कूड़ा प्रबंध पर एक परियोजना प्रारंभ की गई थी। सृजित आय से एक शेड का निर्माण किया गया। संग्रहित कूडा-करकट का खाद बनाने के लिए छांटा जाता है ताकि उसका प्रयोग उपजाऊ जमीन में किया जा सके।

जिला प्रशासन के समर्थन से सांसद गाँव को खुला शौच मुक्त ग्राम पंचायत बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। ये आशा की जाती है कि 31 अगस्त, 2015 तक ग्राम पंचायत को ओ डी एफ स्तर मिल जाएगा।

सांसद का नाम	:	श्री रतनलाल कटारिया
ग्राम पंचायत का नाम	:	खदरी
जिले का नाम	:	अम्बाला
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	यमुनानगर
राज्य का नाम	:	हरियाणा

अंत्योदय-गरीब से गरीब तक पहुँचना

55

अभिग्रहित ग्राम पंचायत में विकासात्मक कार्य की योजना बनाते समय, सांसद ने "अंत्योदय"-गरीब से गरीब तक पहुँचने की आवश्यकता पर बल दिया। ऐसे कार्य साकार करने के लिए मानक विकसित किये गये और तद्नुसार 947 परिवारों में से 250 परिवारों की निर्धनतम परिवार के रूप में पहचान की गयी। स्पष्ट समयरेखा के साथ इन परिवारों के लिए एक सम्मीलन योजना तैयार की गयी। इन परिवारों के लिए पूरे वर्ष के लिए सतत आय सुनिश्चित करने हेतु आजीविका अवसरों में विविधता लाने की योजना पर बल दिया गया। एक परिवार को एक या अधिक आजीविका क्रियाकलापों के साथ जोड़ा गया जैसे लघु कुटीर उद्योग, पिछवाड़े में मुर्गी पालन, बकरी पालन, सुअर पालन, मछली पालन, डेयरी एवं आर्गेनिक खेती। राष्ट्रीकृत बैंक, कृषि, पशु पालन, मत्स्यिकी, बागवानी, कृषि विज्ञान केन्द्र, वन एवं खादि तथा लघु उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रीय विभाग एवं विभिन्न स्टेकहोल्डर्स क्षमता निर्माण और संबंधित आजीविका के लिए ऋण प्रदान कर रहे हैं और अधिक सामिप्य के लिए एक साथ कार्य कर रहे हैं।

सांसद का लक्ष्य इन अत्यंत गरीबों की औसतन आय प्रतिवर्ष रु. 53,000 से 1,50,000 तक बढ़ाना है। विकासात्मक पहल, छोटी कापसी में हकीकत बननेवाली है।

सांसद का नाम	:	श्री विक्रम उसेंडी
ग्राम पंचायत का नाम	:	छोटी कापसी
जिले का नाम	:	कांकेर
चुनाव को क्षेत्र	:	कांकेर
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ़

56 वामपंथी अतिवाद (एल डब्ल्यू ई) से पीडित क्षेत्रों में सु-शासन

परसी पंचायत झारखंड के रांची जिले के तामर खंड के भीतरी भाग में स्थित है। जिला मुख्यालय से लगभग 73 कि. मीटर और खंड मुख्यालय से 13 कि. मीटर की दूरी पर स्थित है। ये पंचायत वामपंथी उग्रवाद से अत्यधिक प्रभावित है और जिले का अविकसित क्षेत्र है। ग्राम पंचायत दूरस्थ स्थान पर होने के कारण विकास कार्यक्रम बहुत कम होते हैं। इससे गाँववाले असंतुष्ट हैं और उनके मन में स्थानीय सरकारी संस्थानों के प्रति उदासीनता की भावना है। इस वजह से सरकारी अधिकारियों से दूरी बनाए हुए हैं।

लेकिन सांसद श्री करिया मुंडा द्वारा सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत इस ग्राम पंचायत का चयन करने के पश्चात से स्थिति में काफी परिवर्तन आया है। उनके नेतृत्व में सरकारी सेवाओं के वितरण में काफी सुधार हुआ है और सा.आ.ग्रा.यो. से संबंधित गतिविधियों में लोग भाग लेने लगे हैं। साथ ही, विभिन्न लाईन विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को बैठक में भाग लेने हेतु पंचायत कार्यालय बुलाया गया, जहाँ पर गाँववालों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अधिक संख्या में लोगों ने बैठक में भाग लिया। इसके उपरांत स्थानीय समुदायों में राजनैतिक संस्थानों एवं जिला प्रशासन पर भरोसा होने लगा है। सांसद के लगातार प्रयास से समुदायों का महत्वपूर्ण सामाजिक संग्रहण हुआ है समुदाय अब विभागीय विभिन्न कार्यों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं और आवश्यक सहायता एवं सहकारिता प्रदान कर रहे हैं। दूरस्थ एवं वन से घिरे गाँव में सरकारी विकास योजना का कार्यान्वयन होने लगा है और ग्राम पंचायत सहभागी शासन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है।

सांसद का नाम	:	श्री करिया मुंडा
ग्राम पंचायत का नाम	:	पारसि
जिले का नाम	:	कुंति
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	रांची
राज्य का नाम	:	झारखंड

57

विकलांग लोगों को समर्थन

सांसद श्री एम. वेंकय्या नायुडू ने बेंगलूरु ग्रामीण जिले के देवनहल्ली तालुका के येलियूरु ग्राम पंचायत का अभिग्रहण लिया। उन्होंने देखा कि गाँव के विकलांग व्यक्तियों को सहायता एवं पुनर्वास सेवाएँ बहुत कम मिल रही हैं साथ ही ऐसी सेवाओं की लागत-प्रभाविता भी एक प्रमुख मुद्दा है।

श्री नायडु ने गाँव के विकलांग व्यक्तियों के हित में विकास कार्य प्रारंभ करने के लिए जिला विकलांग पुनर्वास केन्द्र (डी डी आर सी) के साथ सहयोग किया। लोगों की आवश्यकता के अनुसार पुनर्वास उपायों पर ध्यान देते हुए विकलांग व्यक्तियों की पहचान एवं मूल्यांकन के लिए स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। ऑडियोलॉजिस्ट एवं विशेषज्ञों ने 45 विकलांग व्यक्तियों की परीक्षा ली और ग्राम पंचायत के लिए लाभार्थियों लाभभेगियों की सूची तैयार की। दिनांक 17.06.2015 को डी डी आर सी, देवनहल्ली में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में अलिमको द्वारा विकलांगों को सहायता उपकरण उपलब्ध करने की बात सुनिश्चित की गई।

सांसद का नाम	:	श्री एम. वेंकय्या नायुडू
ग्राम पंचायत का नाम	:	येलियूरु
जिले का नाम	:	बेंगलूरु ग्रामीण जिला
राज्य का नाम	:	कर्नाटक

58 राष्ट्रगान गायन, कुट्टियत्तूर ग्राम पंचायत कार्यालय

सांसद श्रीमती पी. के. श्रीमती द्वारा केरल के कुट्टियत्तूर ग्राम पंचायत का अभिग्रहण लिया गया। सा.आ.ग्रा.यो. द्वारा किया गया पहला कार्य, ग्राम पंचायत कार्यालय में हर कार्य दिवस को शाम 5 बजे राष्ट्रगान गाना शुरु किया। राष्ट्रगान गायन में सरकारी अधिकारी, निर्वाचित प्रतिनिधिगण एवं आम जनता ने भाग लिया। देश में सरकारी कार्यालय द्वारा शुरु किया गया ये पहला काम है। इसका लक्ष्य देश-भक्ति,राष्ट्रीय गौरव, एकता और आत्मविश्वास जागृत करना है। इसके अलावा, अधिकारी हर दिन जनता और राष्ट्र के प्रति अपनी सेवाएँ पूर्ण रुप से समर्पित करते है।

सांसद का नाम	:	श्रीमती पी.के. श्रीमती
ग्राम पंचायत का नाम	:	कुट्टियत्तूर
जिले का नाम	:	कन्नूर
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	कन्नूर
राज्य का नाम	:	केरल

59 पर्यावरणानुकूल शौचालय

खटकर ग्राम पंचायत अपने सांसद के नेतृत्व में पर्यावरणानुकूल शौचालयों के निर्माण जैसा विशिष्ट नवीन दृष्टिकोण अपनाते हुए खुले में मलोत्सर्ग करने से मुतक्त पाने के लिए तैयार है। पर्यावरणानुकूल शौचालयों के निर्माण में एरेटेड आटोक्लेब कांक्रीट (ए.ए.सी.) ईंटों का प्रयोग किया गया है। ए ए सी ईंटों का आकार ऑश से मिट्टी की ईंटों से बडा होता है और इन्हें मुख्यत: फ्लाई अंश से बनाया जाता है। ए.ए.सी. ईंटे तैयार करने के मिश्रण में पॉलिमर मिलाया जाता है जिससे इसमें लोचता आती है। ईंट से ईंट बहुत जल्दी जुड़ जाने के कारण ज्यादा पानी देने की जरुरत नहीं पड़ती। निर्माण कार्य भी बहुत जल्दी-जल्दी होता है। अग्रगामी परियोजना प्रारंभ करने के उपरांत से खटकर में 218 पर्यावरणानुकूल- शौचालयों का निर्माण किया गया है।

साथ ही गाँव में ग्राम सचिवालय प्रारंभ किया गया है जो शिकायत निवारण केन्द्र के रुप में काम करता है। लोगों की शिकायत सुनने और निवारण के लिए सरपंच और ग्राम सचिव द्वारा सचिवालय में दिन निश्चित किए गए हैं। बिजली के बिलो का भुगतान भी इन सचिवालयों में किया जासकता है। सांसद के सक्रिय समर्थन से छात्राओं के लिए बस सेवा प्रारंभ करवाने की लोगों की बहुत पुरानी माँग पूरी हो गयी। इससे लड़कियों को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

निर्धनों के सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए, खटकर में 16 स्व-सहायता समूहों का गठन किया गया। क्रियाकलाप उन्मुख कार्य प्रारंभ करने से पहले एस एच जी के सदस्यों के लिए छ: माह के प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पूर्वानुभवों से पता चला है कि एस एच जी को वित्तीय साक्षरता की समस्या होती है। उनके बंद पडे रहने का यह मूल कारण है। वर्तमान में निरंतर प्रशिक्षण से एस एच जी सदस्यों के वित्तीय शिक्षण की समस्या से मुक्त होने से मदद मिल रही है।

सांसद का नाम	: श्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह
ग्राम पंचायत का नाम	: खटकर
जिले का नाम	: जिंद
राज्य का नाम	: हरयाणा

60 समग्र ग्रामीण विकास, पाटलोद, इंदौर, मध्य प्रदेश

सांसद श्रीमती सुमित्रा महाजन द्वारा मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के पाटलोद ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया गया। सांसद ने पंचायत में कई विकासात्मक कार्य सुसाध्य बनाए हैं। पाटलोद में एक ग्राम सभा में, हर परिवार के सदस्यों ने भाग लिया (एक महिला और पुरुष सदस्य) और समुदाय के हित के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। समुदाय के हित में लिये गये निर्णयानुसार - ''अनाज कोष'' की स्थापना का प्रबंध किया गया है। तद्नुसार , अनाज कोष में हर परिवार रबि और खरिफ फसल से उगाई गई हर क्विंटल में से 1 किलो अनाज समर्पित करते हैं। भविष्य में, इन अनाजों की बिक्री से प्राप्त लाभ का प्रयोग गाँव के विकास के लिए किया जाएगा। यह निर्णय लिया गया कि गाँव के 51 समृद्ध परिवार निर्धन परिवारों को शौचालय का निर्माण करने के लिए वित्तीय सहायता करेंगे।

सांसद द्वारा प्रारंभित दूसरे विकास कार्य में एम पी एल ए डी निधि एवं सार्वजनिक अंशदान से समुदाय भवन का निर्माण करना शामिल है। पोटलोद में 3 जी सेवाएँ भी प्रारंभ हो गई। भविष्य में वाई-फाई सुविधाएँ प्रदान की जाएगी। स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए स्कूल में कम्प्यूटर लैब का आरम्भ किया गया। छात्रों के लिए निरंतर कम्प्यूटर प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई। स्कूल के लिए सही विद्युत सुविधा, बैठने की व्यवस्था, फर्नीचर, खेल उपकरण, पकवान के बर्तन एवं शौचालयों के लिए सोलार पम्प सुनिश्चित किया गया। विश्व में हो रही तरक्की से बच्चों को आवगत कराने के लिए स्कूल में एलईडी टी वी लगाया गया। बच्चों को पेनड्राईव भी दिये गये। कैम्पस में पौधारोपण के लिए बच्चों को पौधे दिये गये। बच्चों को उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी भी दी गयी।

पाटलोद में स्वास्थ्य केन्द्र का आयोजन किया गया। इंदौर के प्रतिष्ठित डाक्टरों द्वारा ग्राम समुदाय के सदस्यों का इलाज किया गया। संपूर्ण जाँच सुविधा के साथ-साथ बीमारों का इलाज, पॅथालॉजी, निःशुल्क औषधि, दाँतों का इलाज आदि सेवाएँ प्रदान की जाती हैं और विशेष मेडिकल वैन की सहायता से नि:शुल्क शस्त्र चिकित्सा भी की जाती है।

सांसद के नेतृत्व एवं दिशा निर्देश में पाटलोद में सभी विकासात्मक कार्य किए गए।

सांसद का नाम	:	**श्रीमती सुमित्रा महाजन**
ग्राम पंचायत का नाम	:	**पाटलोद**
जिले का नाम	:	**इंदौर**
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	**इंदौर**
राज्य का नाम	:	**मध्य प्रदेश**

ग्राम समिति द्वारा जल संचयन संरचनाओं का दायित्व लेना

61

सां.आ.ग्रा.यो. के अंतर्गत जोरहट गाँव में सिंचाई और पीने के लिए पानी की समस्या रहती है। ग्राम विकास योजना (वी डी पी) के अंतर्गत बनायी गयी योजना एवं सरकारी लाईन विभागों द्वारा प्रस्तुत आकलन के लिए पर्याप्त निवेशों की आवश्यकता है। जन संग्रहण एवं स्थानीय तथा विकासात्मक उपायों से उनको अवगत कराने की आवश्यकता है। ग्राम सभा में ग्राम विकास योजना पर चर्चा की गयी है। गाँव के स्कूल एवं अन्य स्थानों में विद्यमान लघु जल सिंचाई संरचना की स्थिति पर समुदाय को जानकारी दी गई। इन सारी संरचनाओं का निर्माण बहुत पहले हुआ था और नियमित आधार पर आवश्यक रखरखाव की कमी के कारण बेकार हो गई हैं। इस मुद्दे को ध्यान में लाने के बाद, ग्राम समुदाय ने प्राथमिकता के आधार पर श्रमदान (स्वैच्छिक श्रम) द्वारा गाँव की सभी छोटी जल सिंचाई संरचनाओं से गाद निकालने का काम प्रारंभ करने का निर्णय लिया और सभी संरचनाओं का कार्य करने स्थिति में होना निश्चित किया। इस कार्य का आरंभ एक स्कूल में हुआ और भविष्य में गाँव के अन्य स्थानों में भी कार्य शुरू होगा।

सांसद का नाम	:	श्री कामाख्या प्रसाद तसा
ग्राम पंचायत का नाम	:	कचुकट
जिले का नाम	:	जोरहट
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	जोरहट
राज्य का नाम	:	आसाम

62 पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना द्वारा अन्यथा कुशल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना

गिरौड गाँव की सुश्री तारामति निर्मलकार, 22 वर्ष की अन्यथा कुशल लड़की है उसे अपनी स्नातकीय पढाई पटाई विपणन वित्तीय स्थितियों के कारण छोडनी पडी जो कि परिवार के कमाने वाले पिता की मृत्यु के कारण हुआ। कॉलेज छोडने के बाद उसे कहीं भी नौकरी नहीं मिली और वह परिवार को वित्तीय सहायता नहीं दे सकी। गिरौड गाँव में जब सांसद, श्री रमेश बैस आये थे तब तारामति ने उनसे मिलकर अपने परिवार की स्थिति बताई। तारामति की कठिनाइयों को देखते हुए सांसद ने उसे दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल विकास योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामांकन में मदद की। कम्प्यूटर प्रशिक्षण के पूरे खर्चे के साथ-साथ क्लास तक आने-जाने के लिए हर दिन 100 रुपये यातायात के लिए दिये जाते थे। कम्प्यूटर प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात् अब तारामति एक निजी कंपनी में बैक कार्यालय रिपोर्टिंग कर्मचारी के रूप में 6000 रुपए के मासिक पारिश्रमिक पर काम कर रही हैं। कम्प्यूटर कौशल ने एक अन्यथा समर्थ लड़की को आत्मनिर्भर बनाया है। तारामति अब अपने परिवार की सहायता करने में समर्थ बन गई है। सांसद से प्राप्त सहायता के कारण एक अपंग लड़की आत्मनिर्भर बन गई।

सांसद का नाम	:	श्री रमेश बैस
ग्राम पंचायत का नाम	:	गिरौद
जिले का नाम	:	रायपुर
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	रायपुर
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ

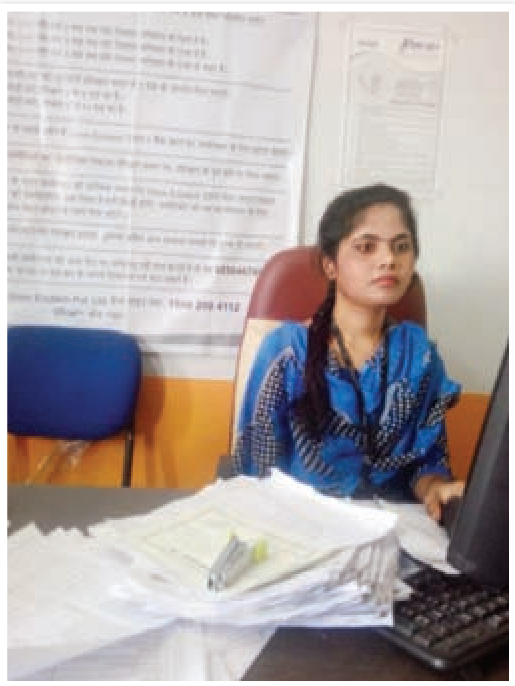

लड़कियों के लिए डिजिटल साक्षरता

63

सांसद श्री गुलाम रसूल बालयावी द्वारा सांसद आदर्श ग्राम योजना (एस ए जी वाई) के अंतर्गत गया जिले के गुरुआ खंड के कोलौना गाँव चयन किया गया। गाँव में कुल 2254 जनसंख्या के साथ 333 परिवार रहते हैं। कोलौना में अधिकतर मुसलमान लोग रहते है। सांसद ने ''गया मुसलिम गर्लस आर्फनेज'' नामक अनाथालय में लड़कियों की शिक्षा में गुणवत्ता में सुधार के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम प्रारंभ किया जहाँ पर 200 लड़कियाँ रहती है। सा.आ.ग्रा.जो. के अंतर्गत शुरू बेसलाईन सर्वेक्षण कार्य के दौरान जिला कलेक्टर ने गया का दौरा किया और लडकियों के साथ हुई परिचर्चा के आधार पर डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने की आवश्यकता महसूस की। उन्होंने देखा कि सारे विद्यार्थी अत्यंत अध्ययनशील और मेधावी हैं लेकिन अनाथालय में एक भी कम्प्यूटर न होने के कारण डिजिटल साक्षरता नहीं है। जिला कलेक्टर द्वारा दी गई रिपोर्ट एवं आधारभूत सर्वेक्षण के आधार पर सांसद ने एकीकृत कार्य योजना के अंतर्गत प्राप्त निधि से अनाथालय के लिए डिजिटल साक्षरता योजना की मंजूरी देने की प्रक्रिया को आसान बनाया। तीन कम्प्यूटरों के साथ एक कम्प्यूटर रुम दिया गया। इस पूरी परियोजना का कुल खर्च रु. 1.25 लाख हुआ। अब अनाथालय में बच्चों के लिए ये सीखने का नया क्षेत्र है। प्राथमिक तौर पर कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम को 2 भागों में बांटा गया। पहले भाग में माइक्रोसॉफ्ट ऑफीस सॅाफ्टवेयर पैकेज जैसे वर्ड, एक्सल, पॅावरपाइंट, एस एस पॅाइंट पर व्यावहारिक जानकारी एवं कौशल प्रदान करना और दूसरे भाग में कम्प्यूटर संरचना की बेसिक्स पर सैद्धांतिक जानकारी प्रदान करना रहा है। कम्प्यूटर के ॲप्लिकेशन्स एवं प्रयोग पर लड़कियों की जानकारी एवं कौशल बढ़ाने पर जोर देने और बेहतर भविष्य के लिए मॅाडर्न कम्प्यूटर एप्लिकेशन के साथ जानकारी बढ़ाना मुख्य लक्ष्य रहा है।

सांसद का नाम	:	श्री गुलाम रसूल बलियावी
ग्राम पंचायत का नाम	:	कोलौना
जिले का नाम	:	गया
राज्य का नाम	:	बिहार

64 मॉडल ग्राम सचिवालय- विकेन्द्रीकरण का एक कदम आगे।

एम पी मॉडल गाँव के रूप में तिलकेजा गाँव का चयन करने से पहले, ग्राम पंचायत कार्यालय संचालन जीर्ण-शीर्ण भवन से किया जाता था। प्रारंभ के दौरे के समय सांसद ने समुचित सचिवालय की स्थापना करने की आवश्यकता महसूस की। सांसद के नेतृत्व में मुख्यमंत्री जनपद सशक्तिकरण योजना तेरहवें वित्त आयोज से प्राप्त निधि से आधुनिक मॉडल सचिवालय का निर्माण किया जा रहा है जिसमें सरपंच, वार्ड सदस्य एवं अन्य ग्राम स्तरीय अधिकारियों के लिए कमरे होंगे जिसमे सम्मेलन कक्ष, इंटरनेट संयोजन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सुविधा होगी। सचिवालय में आम सेवा केन्द्र, सूचना केन्द्र भी होगा। निरंतर निःशुल्क वाई-फाई सुविधा भी होगी।

सांसद का नाम	:	श्री बंसीलाल महतो
ग्राम पंचायत का नाम	:	तिलकेजा
जिले का नाम	:	कोरबा
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	कोरबा
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ़

गाँव में कचरा संग्रहण ट्रॉली एवं ट्रक का उपयोग - गुजरात

65

गुजरात के भावनगर जिले में फरियादका नाम छोटा गॉव है जिसमें 539 परिवार निवास करतें हैं। गॉव के सांसद डॉ. भारती धीरुभाई शियाल ने सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत अभिग्रहण किया। गॉव को स्वच्छ बनाने के लिए उन्होंने कई विकास क्रियाकलाप प्रारंभ किये और कचरा पेटी, ट्रॉली एवं ट्रक खरीदने के लिए एम पी एल ए डी एस से निधि का सहयोग दिया। गॉव के सार्वजनिक स्थानों पर कई कचरा पेटियाँ एवं कचरा पेटियाँ व ट्रॉलियां उपलब्ध हैं। गॉव में अब कचरा फैला हुआ नहीं दिखता और घरों से ट्रॉली एवं ट्रक द्वारा कचरा इकट्ठा कर उसे कचरा पेटी में डालकर उसका निपटान कर रहे हैं। गाँव की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए समुदाय सदस्यों में सकारात्मक एवं व्याहारिक परिवर्तन देख सकते हैं।

सांसद का नाम	: डॉ. भारती धीरुभाई शियाल
ग्राम पंचायत का नाम	: फरियादका
जिले का नाम	: भावनगर
चुनाव क्षेत्र का नाम	: भावनगर
राज्य का नाम	: गुजरात

66 खुले में शौच से मुक्त ग्राम पंचायत

उत्तर प्रदेश , चंदौली के जरखोर ग्राम पंचायत की डरावनी चुनौती खुले में शौच है। आधारभूत सर्वेक्षण से पता चला है कि 80 प्रतिशत से अधिक घरवाले खुले में शौच करते हैं। सांसद डॉ. महेन्द्र नाथ पांडे द्वारा गॉंव के अभिग्रहण के पश्चात् उन्होने प्रशासन के सहयोग से खुले में शौच की आदत रोकने के लिए गहन सहभागी कार्यक्रम आरंभ किया। कार्यक्रम बहु-स्तरीय प्रक्रिया रही है। पहले चरण में स्वच्छता एवं खुले में शौच करने के दुष्प्रभावों के बारे में गॉंववालो को जानकारी दी गयी। यह कार्य नुक्कड नाटक एवं समूह परिचर्चा द्वारा किया गया।

स्वतंत्र घरेलू शौचालय (आईएचएचएल) के निर्माण से खुले में शौच को रोकने के लिए पूर्व में हुए कार्यक्रम योजनाओं से संकेत लेकर समस्या के निवारण के लिए नया तरीका अपनाया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में ग्राम पंचायतों को 100 शौचालयों के लिए निधि हस्तांतरित की गई। लाभभोगियों को शौचालयो का निर्माण करने के लिए कहा गया और शौचालयों के निर्माण के उपरांत रु.12,000 देने का वादा किया गया। लाभार्थियों को व्यय बढाने और उनकी आवश्यकतानुसार शौचालय का निर्माण कराने का अवसर भी दिया गया। पूर्व की योजना में सीमित बजट के साथ शौचालयों के निर्माण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को दी गई केवल जरखेर ग्राम पंचायत, मूल्यांकन, अनुश्रवण एवं ग्रामिणो तक लाभ पहुंचाने के लिए जिम्मेदार रहा है। यह न केवल शौचालयों के निर्माण कार्य में पारदर्शिता दर्शाता है वल्कि शौचालयों के निर्माण के लिए लाभभोगी सीधे तरीके से जिम्मेदार होने के कारण सहभागी विकास प्रक्रिया का कारण भी बनता है। खुले में शौच के दुष्परिणामों को समझते हुए समुदाय जरखोर को खुले में शौच करने से मुक्त गॉंव बनाने के लिए सहभागी कार्य भी प्रारंभ किया गया।

सांसद का नाम	:	डॉ. महेन्द्रनाथ पांडे
ग्राम पंचायत का नाम	:	जरखोर कलॉं
जिले का नाम	:	चंदौली
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	चंदौली
राज्य का नाम	:	उत्तर प्रदेश

सुपोषण तिहार (पर्याप्त पोषण त्योहार) - कुपोषण निवारण के लिए गोटाटोला की पहल

67

गोटतोला में ''वजन उत्सव'' शिविर के दौरान, यह पाया गया कि 64 बच्चे कुपोषण से पीडित है। गॉववालों ने इसे अत्यंत शर्मनाक महसूस कर गोटाटोला को कुपोषण-मुक्त गॉव बानाने की प्रतिज्ञा की। उन्होंने समझा कि गॉव के बच्चों में कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए समुदाय सहभागिता मुख्य अस्त्र है। बच्चो की स्वास्थ्य स्थिति का पता लगाने के लिए रिपोर्ट कार्ड बनाया गया और आंगनवाडी में आयोजित साप्ताहिक वजन उत्सव की रिपोर्ट को इस रिपोर्ट कार्ड में लिया गया। आयुर्वेदिक विभाग ने सुपोषण मोदक नामक पौष्टिक आहार तैयार किया जो कि बच्चों को निरंतर रूप से दिया जाता है। रिपोर्ट कार्ड में सुपोषण तिहार का विवरण दिया गया है। सुपोषण तिहार अब गोटाटोला के सांस्कृतिक परिवेश का एक अंग बन गया है समुदाय कार्य (वजन उत्सव) से पहले कुपोषित बच्चों को समुदाय द्वारा खिलाया जाता है। जिसके परिणाम स्वरुप, 18 बच्चे कुपोषण से बाहर आये हैं। गॉव में मॉडल आंगनवाडियों का विकास किया गया है जहॉ बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए अच्छा माहौल मिलता है।

सांसद का नाम	:	श्री अभिषेक सिंह
ग्राम पंचायत का नाम	:	गोटाटोला
जिले का नाम	:	राजनांद गॉंव
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	राजनांद गॉंव
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ

68 स्थायित्व समर्थित कृषि एवं समग्र विकास

अजनास, मध्यप्रदेश के देवास जिले के ग्राम पंचायत में दूरस्थ स्थान में स्थित एक गाँव है जो कि जिला मुख्यालय से 140 कि.मी. की दूरी पर है। ग्राम पंचायत में लोग मुख्यत: कृषि पर निर्भर हैं। कृषि कार्य भी जल-वायु पर निर्भर है। सांसद श्रीमती सुषमा स्वराज के नेतृत्व में जिला प्रशासन आधुनिक प्रौद्योगिकी एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धति द्वारा कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता को बढाने के लिए कई नवीन हस्तक्षेप कर रहा है।

जिला प्रशासन ने बागवानी विभाग की ओर से 21 कृषकों के कृषि भूमि पर ड्रिप सिंचाई सुविधा के लिए 29.29 लाख रुपये का अनुदान दिया। इस सुविधा से 45 हेक्टर भूमि की सिंचाई होती है। साथ ही जल का संरक्षण भी होता है और फसल उत्पादन एवं उत्पादकता को भी बढाता है। विभाग द्वारा 12 किसानों की 20 हेक्टर क्षेत्र को कवर करते हुए पलवार को बढावा देने के लिए 3.20 लाख रुपए का अनुदान दिया गया। इन नवीन पद्धतियों से प्रति हेक्टर के लिए 5 लाख रुपए 800-1000 क्विंटल सब्जियो का उत्पादन कर सकते है।

ग्राम पंचायत द्वारा प्रारंभ अन्य कार्यों में सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन की सहायता से कृषि विकास हेतु ग्राम कार्य योजना की तैयारी, आधुनिक कृषि तकनीक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को समझने के लिए मॉडल गॉवों के लिए परिचियात्मक दौरा, कृषकों के ऋण लेखा का कम्प्यूटरीकरण आदि सम्मिलित हैं।

ग्राम पंचायत द्वारा नशा-मुक्ति अभियान, स्वच्छता अभियान, इंटरनेट सुविधा के साथ कम्प्यूटर लैब की स्थापना जैसे कार्य भी शुरु किए गए। गॉव के संपूर्ण विकास के लिए सांसद द्वारा इन सभी कार्यो के लिए समर्थन दिया गया है।

सांसद का नाम	: श्रीमती सुषमा स्वराज
ग्राम पंचायत का नाम	: अजनास
जिले का नाम	: विदिशा
चुनाव क्षेत्र का नाम	: देवास
राज्य का नाम	: मध्य प्रदेश

69 कम लागत से निकासी, महाराष्ट्र

काम्बी, महाराष्ट्र राज्य के अहमद नगर जिले का एक गॉव है। सांसद श्री दिलीप गांधी द्वारा ग्राम अभिग्रहण किया गया है। बी आर जी एफ एवं 13वें वित्त आयोग के अंतर्गत वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 के दौरान गॉव की सभी गलियों को कम लागत निकास संरचना से कवर किया गया। 1200 मीटर लम्बी निकास लगायी गयी। रु. 4.50 लाख व्यय से पूरी संरचना का निर्माण किया गया। यदि इसी संरचना का निर्माण खुले कंक्रीट गटर के रूप में किया गया होता तो 7.00 लाख रुपया खर्च हुआ होता।

लागत लाभ के अलावा, गॉव की सुडकों का विस्तार किया गया। निवासियों के लिए साफ पर्यावरण एवं बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए मच्छर नियंत्रण कार्य प्रारंभ किया गया। खुले कंक्रीट गटर की तुलना में कम लागत निकास संरचना का रख-रखाव लगभग सुन्य है। काम्बी गॉव में पानी की कमी है। निकास से आने वाले जल का संग्रहण एक सार्वजनिक चेम्बर में कर पौधों के लिए उसका उपयोग किया जाता है।

सांसद का नाम	:	श्री दिलीप गांधी
ग्राम पंचायत का नाम	:	काम्बी
जिले का नाम	:	अहमद नगर
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	अहमद नगर
राज्य का नाम	:	महाराष्ट्र

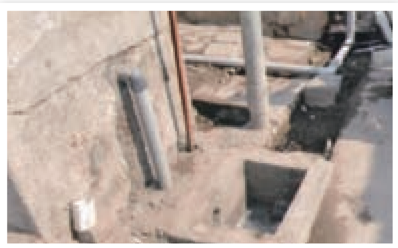

70 स्वच्छ ग्राम की ओर : सामुदायिक नेतृत्व में स्वच्छता एवं ठोस कूडा प्रबंधन

छोटी कापसी ग्राम पंचायत का केन्द्र बिन्दु है और क्षेत्र का बडा बाजार है। यहां पर थोक एवं फुटकर व्यापार बडे पैमाने पर चलता है किन्तु इस ग्राम पंचायत में ठोस कूडा प्रबंधन पद्धति एवं सुविधा उपलब्ध नहीं है। पहले गाँव की सडक एवं बाजार की सफाई करने के लिए कोई तंत्र नहीं था जिसका बुरा असर निवासियों के स्वास्थ्य पर पडता था।

सांसद महोदय ने स्वच्छता के महत्व पर गॉव वालों को जानकारी देने और समुदाय को निरंतर संग्रहित करने के लिए रैली द्वारा कई स्वच्छता अभियान चलाए। गाँव के 40 से 45 युवकों ने ‘‘पारलकोट कल्याण समिति‘‘ नामक समूह का गठन करके अभियान में भाग लिया। वर्तमान में समिति स्वच्छता का काम कर रही है और मुख्य स्थानों पर कचरा पेटी लगा रही है। सभी सदस्य शुल्क के रूप में प्रति महीना रु. 150 देते हैं उसका उपयोग गाँव के ठोस कूडा प्रबंधन के लिए किया जाता है। उनके कार्य को आगे बढाने के लिए उन्होंने जिला प्रशासन से अधिक कूडा पेटियों की माँग की है और ठोस कूडा प्रबंधन के लिए योजना भी बनायी है।

इस पहल को अधिक स्थायी बनाने के लिए, स्वच्छ भारत अभियान दल द्वारा एस एच जी जैसी सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों एवं पंचायती राज प्रतिनिधियों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व के प्रति अधिक जागरुक बनाया गया है।

सांसद का नाम	:	श्री विक्रम उसेंडी
ग्राम पंचायत का नाम	:	छोटी कापसी
जिले का नाम	:	कांकेर
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	कांकेर
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ

कृषि में मध्यस्थता द्वारा आजीविका वृद्धि

71

सेल्लिपेट गॉंव संघ शासित मुख्यालय से 20 कि.मी. दूरी पर पुदुच्चेरि जिले में स्थित है। गॉंव में प्राथमिक व्यवसाय कृषि है। गॉंव में पानी की कमी के कारण रब्बी मौसम में उत्तर पूर्व मॉनसून के दौरान फसल लगाने में पानी की कमी होती है जिसके कारण कृषि से कम आय प्राप्त हो रही है और आपातकाल में कृषक को अपनी जमीन बेचनी पडती है। साथ ही, अनुपूरक आय के लिए ईंट भट्टी के लिए उनकी भूमि के ऊपरी जमीन की बेचने के लिए कृषकों को मजबूर या प्रलोभित किया जाता है जिससे भूमि कृषि योग्य नही रहती।

अत: सांसद, (राज्य सभा) श्री पी कण्णन के दिशानिर्देश में जिला प्रशासन ने ग्राम पंचायत में कृषि की स्थिति में सुधारने के लिए कई कार्य प्रारंभ किए हैं। उन्होंने मौसम विशिष्ट फसल जैसे खरिफ मौसम के लिए नई फसलें जिसके लिए कम पानी की आवश्यकता होती है और रब्बी मौसम के लिए फूलगोभी, चुकंदर का चयन किया है।

अत: जो भूमि पानी की कमी के कारण बंजर हो गयी थी उसका कम पानी की जरुरत वाली फसले उगाने में उपयोग किया जा रहा है। ऐसी कृषि की वृद्धि से कृषकों को आय में वृद्धि होने लगी है। वर्तमान में, 100 एकड भूमि पर 5 प्रदर्शनी की जगहों पर बागवानी पौधारोपण (फल फसल) चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर के वी वाई) के अंतर्गत कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेन्सी (ए टी एम ए) की सहायता से ये सारे कार्य किए गए है।

साथ ही सोरनावरी मौसम के दौरान 60 मृदा नमूनो का संग्रहण किया गया और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के रूप में कृषकों के लिए मृदा स्वास्थ्य स्थिति को शेयर किया जाएगा।

इसके अलावा, अन्य कार्य जैसे आरसेटी के समर्थन से कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए संभाव्य व्यापार पर जागरुकता का सृजन, स्कूल तक सीमेंट कंक्रीट की सडक का निर्माण, गॉंवों में कचरा पेटी लगाना आदि कार्यो को ग्राम पंचायत के संपूर्ण विकास के लिए प्रारंभ किया गया है।

सांसद का नाम	:	श्री पी. कण्णन
ग्राम पंचायत का नाम	:	सेल्लिपेट
जिले का नाम	:	पुदुच्चेरी
राज्य का नाम	:	पुदुच्चेरी

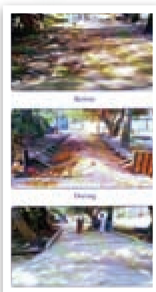

72 खाद्य प्रसंस्करण पर संपर्क कार्यक्रम

केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण के केन्द्र कैबिनेट मंत्री श्रीमती हरसिमरन कौर बादल ने पंजाब के मुक्तसर जिले के मान ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया। चयनित ग्राम पंचायत के ग्रामवासियों में खाद्य प्रसंस्करण पर उद्यमशीलता को बढाने की दृष्टि से पंजाब कृषि विश्वविद्यालय,लुधियाना, राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंध, संस्थान सोनीपत के कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से 28-3-2015 को मान ग्राम पंचायत में " खाद्य प्रसंस्करण " पर संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 800 कृषकों ने भाग लिया।

प्रदर्शनी में एन आई एफ टी ई एम, पी ए यु, जी ए डी वी ए एस यु, सी आई पी एच ई टी, के वी के के विभिन्न विभाग, मान ग्रम पंचायत के प्रगामी कृषक एवं सफल उद्यमियों ने प्रसंस्करण मॉडल एवं उत्पादों का प्रदर्शन किया। स्थानीय रूप से उपलब्ध सब्जियों से जॅम और सॉस की तैयारी पर एन आई एफ टी ई एम द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। ग्रामवासियों पर, मुख्यत: महिला कृषकों पर, प्रशिक्षण सह प्रदर्शन का प्रभाव अधिक पडा। स्वयं की खाद्य प्रसंस्करण इकाई प्रारंभ करने के लिए कई महिलाएँ आगे आयीं। एन आई एफ टी ई एम दल ने गाववालों को स्वयं की उद्यम इकाई प्रारंभ करने के लिए भविष्य में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

सांसद का नाम	:	श्रीमती हरसिमरन कौर बादल
ग्राम पंचायत का नाम	:	मान
जिले का नाम	:	भटिंडा
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	मुक्तसर
राज्य का नाम	:	पंजाब

बेहतर सडक के माध्यम से यातायात में सुधार

73

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सांसद श्री अर्जुनलाल मीणा ने राजस्थान के उदयपुर जिले के टोडा ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत का दौरा किया और देखा कि सडकों पर पानी रुका होने और खराब सडक संपर्क के करण गॉंववाले मुख्य सडक तक जाने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। लंबे समय से गाँववाले कंक्रीट सीमेंट की सडक निर्माण की इच्छा व्यक्त कर रहे हैं। इसीलिए सांसद ने गॉव से लेकर मुख्य सडक तक सी सी रोड बनवाने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अंतर्गत रु. 1.16 लाख प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बनाया। जल निकास सुविधा के साथ एक कि.मीटर के साथ गॉव जुड़ गया है और गाँववालों को मुख्य सडक तक जाने में कोई कठिनाई नहीं हो रही है।

सांसद का नाम	:	श्री अर्जुनलाल मीणा
ग्राम पंचायत का नाम	:	टोडा
जिले का नाम	:	उदयपुर
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	उदयपुर
राज्य का नाम	:	राजस्थान

74 "संपूर्ण स्वच्छता" द्वारा 2800 टन कूडा हटाया गया।

सांसद श्री दीपसिंह शंकरसिंह द्वारा जशवंतगढ ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया। उन्होंने जब ग्राम पंचायत का दौरा किया उस समय उनका ध्यान इस बात पर गया कि लोगों द्वारा अनावश्यक तरीके से सार्वजनिक स्थान का अतिक्रमण किये जाने से सडक बहुत छोटी हो गई है। इसके अलावा, गॉववाले द्वारा सड़कों सडको पर कचरा फेंकने, थूँकने आदि से सार्वजनिक स्थान एवं सडकें गंदी हो रही हैं जिसकी वजह से गाँव में महामारी फैल रही है। इसका प्रभाव बच्चों पर अधिक होने एवं, अस्वास्थ्य के कारण ठीक से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। इस मुद्दे पर बात करने के लिए उन्होंने ग्राम स्तरीय बैठक का आयोजन किया। स्वच्छता सुनिश्चित करने में लोगो की सहभागिता की आवश्यकता पर अधिक बल दिया। इस दौरान लोगों ने गाँव साफ-सुथरा और हरा-भरा रखने की शपथ ली। गाँववालों ने गाँव साफ-सुथरा एवं हरा-भरा बनाने के लिए सामूहिक कार्य का निर्णय लिया। सबसे पहले गाँववालों ने सार्वजनिक स्थान एवं सडकों पर से अनावश्यक अतिक्रमण हटाने का कार्य प्रारंभ किया और हर सडक / मोहल्ला / नुक्कड की सफाई की। स्वच्छता अभियान के दौरान गाँव से लगभग 2800 टन कूडा हटाया गया। इसके अलावा, गाँव साफ रखने और स्वच्छता की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया गया।

बैठक के परिणाम काफी प्रभावशाली रहे हैं जो इस प्रकार हैं :

1 सार्वजनिक स्थान एवं सडकों पर गाँववालों द्वारा किया गया अनावश्यक अतिक्रमण हटा दिया गया।
2 अब गाँववाले चौडी सडक का उपयोग कर सकते हैं
3 अब गाँव हमेशा साफ-सुथरा और हरा-भरा रहता है।
4 स्कूल जानेवाले बच्चे हर दिन स्कूल जाते हैं।
5 सफाई मुद्दों की देखरेख के लिए समिति का गठन किया गया है।
6 कचरा संग्रहण के लिए सार्वजनिक स्थानों एवं सडकों पर कचरा पेटियां, ट्रॉलियां लगायी गयी हैं। इसके अलावा, घर-घर जाकर कूडा उठाने के ट्रक भी चलाये जा रहे हैं।

इन विकास कार्यो में लोगों का जुडना, सहभागिता एक उत्कृष्ट उदाहरण है जिस पर लोग गर्व महसूस करते हैं। मॉडल गॉव बनाने के लिए उनके प्रयास जारी रखने में उन्हें यह उदाहरण प्रोत्साहित करता है।

सांसद का नाम	: श्री दीपसिंह शंकरसिंह
ग्राम पंचायत का नाम	: जशवंतगढ
जिले का नाम	: साबरकांठा
चुनाव क्षेत्र का नाम	: साबरकांठा
राज्य का नाम	: गुजरात

परिवार नियोजन के लिए जागरुकता - सृजन शिविर

75

सांसद श्री किरण रिजिजु ने अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सिआंग जिले के यिगीकॅाम ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया है, उन्होंने यिगीकॅाम ग्राम पंचायत में कंडोम एवं गर्भनिरोधक गोलियाँ जैसे विभिन्न आधुनिक गर्भनिरोधक पद्धतियों के प्रयोग पर आयोजित जागरुकता सृजन कैम्प का नेतृत्व किया। बच्चों में अंतर रखना और परिवार नियोजन मुद्दे का समाधान निकालना जैसे कार्यो को प्रारंभ किया गया। राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित वितरण केन्द्र के प्रभावी संचालन और केन्द्र में पर्याप्त गर्भनिरोधकों की उपलब्धता को भी इस कार्य में सुनिश्चित किया गया। व्यक्तिगत स्वच्छता मुद्दे एवं गर्भनिरोधक उपायों पर महिलाओं को जानकारी दी गई। इसके अलावा, स्वास्थ्य शिविर में आंगनवाडी के बच्चों को 100 प्रतिशत संसर्गरोधी टीकाकरण किया गया। साथ ही मलेरिया एवं जापानी एनसिपालिटीस जाँच शिविर का भी आयोजन किया गया।

सांसद का नाम	: श्री किरण रिजिजु
ग्राम पंचायत का नाम	: यिगिकाम - 1
जिले का नाम	: पश्चिमी सियांग
चुनाव क्षेत्र का नाम	: पश्चिमी सियांग
राज्य का नाम	: अरुणाचल प्रदेश

76 एल ई डी लाइट्स के प्रयोग द्वारा ऊर्जा संरक्षण

संपूर्ण गॉव में द्वारापुडी ग्राम पंचायत से प्राप्त आय में से अधिक भाग का उपयोग पूरे गॉव में लगाये गए पारंपरिक स्ट्रीट लाईट के बिजली बिल भरने पर खर्च किया जा रहा था। इस ग्राम पंचायत का अभिग्रहण सांसद श्री अशोक गजपति राजू ने किया, केन्द्रों ने पारंपरिक स्ट्रीट लाईटों को बदलने की दिश में पहल की।

तदनुसार, ग्राम पंचायत की सारी स्ट्रीट लाईटों को ऊर्जा प्रभावी एलईडी स्ट्रीट लाईट से बदल दिया गया। इससे न केवल बिजली की आपूर्ति बल्कि पंचायत वित्त की भी बचत होने लगी। पहले महीने में ग्राम पंचायत द्वारा 57 यूनिट बिजली की बचत हुई अब ग्राम पंचायत बचे हुए पैसे का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन दे रहें है इस प्रकार ग्राम पंचायत को हरा एवं रहने के लिए बेहतर स्थान बनाने की योजना बना रहे है।

सांसद का नाम	:	श्री पी अशोक गजपति राजु
ग्राम पंचायत का नाम	:	द्वारापुडि
जिले का नाम	:	विजियानगरम
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	विजियानगरम
राज्य का नाम	:	आन्ध्र प्रदेश

एकीकृत ग्राम विकास 77

जशपुर के सांसद एवं जिला प्रशासन ने बटकेला गाँव सां.आ.ग्रा.यो. के अंतर्गत एक मॉडल गाँव बनाने के लिए विशेष प्रयास किये हैं। परिवर्तन की संपूर्ण प्रक्रिया में मुख्यतः लोगों की सहभागिता पर ध्यान दिया गया। ग्राम पंचायत की लगभग सारी सडकें कच्ची थीं। इन कच्ची सडकों को सां.आ.ग्रा.यो. के सभी गांवों से जोडने का कार्य संयोजित करते हुए सीमेंट कंक्रीट सडकों में परिवर्तित करने के लिए एम पी एल ए डी एस के अंतर्गत 60 लाख रुपए की परियोजना प्रारंभ की गयी है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत प्रथम चरण में 50 व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण कार्य पूरा किया गया। कार्य के अंतर्गत अतिरिक्त क्लासरूम के साथ एक समुदाय भवन एवं एक शौचालय के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

गॉव में मृदा क्षरण का नियंत्रण एवं जल संरक्षण में सुधारने के लिए, जलागम प्रबंध पर विशेषज्ञों ने गॉव का दौरा किया और जल संरक्षण एवं प्रबंध के लिए बृहत योजना तैयार की। मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के अंतर्गत दिसंबर 2014 से प्रत्येक बुधवार को ''स्वस्थ्य बुधवार'' मनाया जाता है, 45 बच्चों का कुपोषण दूर किया गया और बाकी 112 बच्चों को कुपोषण से बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थायी आजीविका हेतु सूक्ष्म उद्यमशीलता क्रियाकलाप प्रारंभ करने के लिए 20 एस एच जी को संस्थागत ऋण प्रदान का संयोजन किया गया।

सांसद का नाम	:	श्री रणविजय सिंह जूदेव
ग्राम पंचायत का नाम	:	बटैकेला
जिले का नाम	:	जशपुर
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ

78 सक्रिय नेतृत्व द्वारा व्यापक विकास

नागाँव पंचायत ठाणे जिला मुख्यालय से 20 कि. मीटर की दूरी पर स्थित है और कल्याण-शिल सडक पर है जो मुंबई -पुणे एवं मुंबई-आगरा एक्सप्रेस वे से जुडता है। ग्राम पंचायत में कृषि एवं पीने के पानी की कमी है। मौसम पर आधारित कृषि पद्धति क्षेत्र में होने के कारण बेहतर रोजगार अवसरों की तलाश में लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे इस मुद्दे का समाधान करने के लिए लगातार इस पर कार्य कर रहे है। सां.आ.ग्रा. यो. के अंतर्गत आदर्श ग्राम के रूप में नागाँव का चयन करने के बाद समय पर सरकारी सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए सांसद महोदय नियमित रूप से विभागीय समीक्षा एवं क्षेत्र दौरा कर रहे हैं। गाँव में कृषि की स्थिति को सुधारने और मानसून के बाद अधिक उपज सुनिश्चित करने के लिए कई कार्य, जैसे चावल और सब्जियों की बेहतर किस्मों, ग्लिरिसीडिया (बहुउद्दशीय फली पेड) का पौधारोपण एवं कृषि में आधुनिक तकनिकों पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन राज्य कृषि विस्तार विभाग के अंतर्गत कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (ए टी एम ए) की सहायता से किया गया।

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण योजना द्वारा जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग की मदद से गाँववालों के लिए स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित किया गया है। ग्राम पंचायत मुख्यालय में जल गुणवत्ता नियंत्रण सह परीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं जागरुकता कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। साथ ही, सांसद के नेतृत्व में गाँव को खुले में शौच (ओ डी एफ) रोकने संबंधी स्वच्छता के क्षेत्र में कई ठोस प्रयास भी किए गए हैं। निर्माण श्रमिकों के क्षमता-कौशल को बढाने के लिए विशेष प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसके कारण गॉव में 150 से भी अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया। अत: एक महीने में गाँव को खुले में शौच से मुक्त ग्राम (ओ डी एफ) की घोषणा करने की संभवना है।

सांसद का नाम	: डॉ. श्रीकांत शिंदे
ग्राम पंचायत का नाम	: नागाँव
जिले का नाम	: कल्याण
चुनाव क्षेत्र का नाम	: ठाणे
राज्य का नाम	: महाराष्ट्र

जलवायु के अनुरूप कृषि को बढावा देना, तेजपुर, आसाम

79

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत तेजपुर चुनावक्षेत्र के सांसद द्वारा सोनितपुर जिले के नं. 2 सूटिया आदर्श ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया गया। गाँव के लिए आय का स्रोत कृषि है और धान मुख्य कृषि -फसल है। यद्यपि फसल का कम उत्पादन तथा गाँव में बाढ का प्रभाव समुदाय की चिंता का मुख्य विषय है। सांसद के हस्तक्षेप से, क्षेत्र अनुकूल बाढ प्रतिरोधी धान बीजों की किस्में प्रदान करने और गाँव में कृषकों के लिए सिफारिश किये गये पैकेज प्रदान करने में कृषकों की मदद करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र (के वी के) आगे आया।

धान के वैज्ञानिक फसल उत्पादन, बीज उपचार, प्रतिरोपण, तृण निकालना, फसल संरक्षण, खाद / उर्वरक प्रयोग, फसल कटाई-पश्चात् प्रौद्योगिकी एवं विपनण पर कृषकों को प्रशिक्षण दिया गया। बाढ उन्मुख क्षेत्र होने के कारण, बाढ की तीव्रता को सहन करनेवाली धान की खेती को बढावा दिया गया। बाढ-मुक्त क्षेत्रों के लिए उच्च फसल उत्पादक धान की किस्मों का प्रयोग करने का सुझाव दिया गया। इन हस्तक्षेपों से जलवायु-जोखिमों का सामना कर स्थायी धान उत्पादन सुनिश्चित करने में कृषकों को मदद मिल सकती है।

सांसद का नाम	:	श्री राम प्रसाद शर्मा
ग्राम पंचायत का नाम	:	नं.2 सूटिया
जिले का नाम	:	तेजपुर
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	सोनितपुर
राज्य का नाम	:	आसाम

80 गाँव को हरा-भरा बनाने के लिए व्यापक वृक्षारोपण

सांसद श्री निफियू रियो ने सेलोफी ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया। सांसद के प्रारंभिक दौरे के समय उन्होंने देखा कि गाँव में हरियाली की कमी है। उन्होने गाँववालों को गाँव में अधिक से अधिक पेड लगाने के लिए प्रेरित किया। सार्वजनिक भूमि के अलावा, लोगों ने निजी भूमि पर भी पौध लगाये। मॉनसून शुरु होने से पहले 2000 (आम एवं अमरुद) से भी अधिक पौधे लगाये गये। पौधारोपण कार्य की देखरेख के लिए ग्राम विकास परिषद के अंतर्गत एक युवा समूह का गठन किया गया। निजी भूमि के मालिकों ने पौधों का संरक्षण करने का वादा किया।

सांसद का नाम	: श्री निफियु रियो
ग्राम पंचायत का नाम	: सेलोफि
जिले का नाम	: नागालैंड
चुनाव क्षेत्र का नाम	: दीमापुर
राज्य का नाम	: नागालैंड

मॉडल आंगनवाडी केन्द्र 81

चर्रा गॉव जिला मुख्यालय से 25 कि. मीटर और खंड मुख्यालय कुरूड से 5 कि. मीटर दूरी पर स्थित है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, गाँव में 3404 जनसंख्या के साथ 655 परिवार निवास करते हैं।

गाँव में 4 आंगनवाडी केन्द्र हैं। सांसद ने गाँव के लिए नवीन आंगनवाडी केन्द्र की आवश्यकता महसूस की क्योंकि वे बच्चों के शिशुसदन एवं शिक्षा के संस्थान होते हैं। बच्चों का भविष्य बनाने में मुख्य भूमिका अदा करते हैं। गाँव की प्रत्येक आंगनवाडी में चमकीले रंग का पेंट किया गया। दीवारों पर कार्टूनों के चित्र बनाये गये। बच्चे इन कार्टून चित्रों को कहानी और पाठ से जोडते हैं। लगातार प्रयास के कारण, आंगनवाडी केन्द्रों की उपस्थिति में काफी सुधार हुआ और बच्चे खुशी-खुशी आंगनवाडी केन्द्र जाते हैं।

आई सी डी एस द्वारा आयोजित सर्वेक्षण के अनुसार गाँव के कुल 332 बच्चों में से 71 बच्चें कुपोषित पाये गये। इन आंगनवाडी केन्द्रों के लिए अतिरिक्त पौष्टिक आहार आपूर्ति करने के लिए प्रयास किए गए। ग्राम पंचायत द्वारा अतिरिक्त दूध की आपूर्ति की गयी। लगातार प्रयास एवं समय पर पौष्टिक आहार की आपूर्ति के कारण 29 बच्चों को कुपोषण से बचाया गया।

छोटी उम्र में ही अनुशासन एवं समानता की अनुभूति कराने के लिए आंगनवाडी के सभी बच्चों को ड्रेस और जूते दिये गये। इसके अलावा, समुदाय द्वारा बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए खिलौने, खेल-कूद के सामान, स्लाईड और छोटी साईकिल आंगनवाडी को दी गयी।

सांसद का नाम	:	श्री चंदुलाल साहु
ग्राम पंचायत का नाम	:	चर्रा
जिले का नाम	:	महासमुन्द
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	धमतरी
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ

82 स्वच्छ टैबलेट- डिजिटली संचालित व्यवहार परिवर्तन अभियान

पंचायत में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की लगातार निगरानी और शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर सूचकों को कम करने के लिए सांसद श्री सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में केंदीनगर में नवीन एवं आसाधारण प्रौद्योगिकी द्वारा हस्तक्षेप किया जा रहा है। एक अनोखी पहल के रूप में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के बारे में जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए अधिकृत सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) के कर्मचारियों के उपयोग हेतु स्वयं-सीखने की डिजिटल सामग्री का विकास किया गया है।

इस ई-सामग्री में महामारी रोगों एवं उनको रोकने के उपायों के बारे में जानकारी दी गई है। इसके अलावा, इसमें घरेलू स्वच्छता डाटा और गाँव में शौचालयों के उपयोग की निगरानी रजिस्टर करने का प्रावधान भी है। इसका उद्देश्य गाँव को खुले में शौच से मुक्त कराना है। विषयवस्तु तैयार कर सहायिकाओं को टैबलेट भी उपलब्ध की गयी।

सांसद का नाम	: श्री सुनिल कुमार सिंह
ग्राम पंचायत का नाम	: केन्दीनगर
जिले का नाम	: चतरा
चुनाव क्षेत्र का नाम	: चतरा
राज्य का नाम	: झारखंड

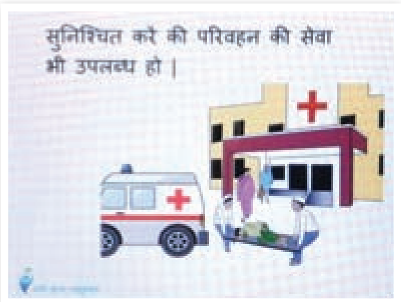

समुदायिक जल शोधक परियोजना

83

काम्बी गॉंव में गहरे काले रंग की मिट्टी उपलब्ध है। भूमिगत जल टोटल डायनामिक हेड (टीडीएच) अधिक होने के कारण पीने के लिए उपयोगी नही है। अत: पानी शुद्ध बनाने का विचार किया गया। समुदाय से प्राप्त अंशदान एवंॲक्सिस वाटर सोल्यूशन कम्पनी की मदद से, गॉंव में जल शोधक इकाई लगायी गई। ॲक्सिस वाटर सोल्यूशन कम्पनी के साथ 700 लाख रुपये का समझौता किया गया। ॲक्सिस वाटर सोल्यूशन कम्पनी द्वारा प्रत्येक घर के लिए 20 लीटर के 2 जार दिये गये। 20 लीटर पानी के लिए वर्तमान में 5.00 रुपया जल प्रभार लिया जा रहा है। जल प्राप्त करने के लिए कम्पनी द्वारा गॉंव को स्वाईप कार्ड दिया गया है। स्वाईप कार्ड की मदद से समुदाय में हर समय रिवर्स ऑस्मोसिस पानी उपलब्ध है। 2500 ग्रामवासी परियोजना का लाभ उठा रहे हैं और स्वस्थ्य जीवन जी रहे हैं। शुद्ध पानी के उपयोग के कारण अस्पताल का खर्च भी कम हो गया है। सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत अहमदनगर के सांसद श्री दिलीप गांधी की प्रेरणा एवं दिशानिर्देश से यह कार्य किया गया है।

सांसद का नाम	:	श्री दिलीप गांधी
ग्राम पंचायत का नाम	:	काम्बी
जिले का नाम	:	अहमद नगर
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	अहमद नगर
राज्य का नाम	:	महाराष्ट्र

84 100 प्रतिशत साक्षरता की ओर

अज्ञान से लडने के लिए साक्षरता पहला और संभवत: सबसे बडा कदम है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, करमहा गॉव के समुदाय ने निरक्षरता से लडने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। साक्षर भारत द्वारा किये गये सर्वेक्षण में गॉवं में 514 निरक्षर व्यक्तियों की पहचान की गयी।

2 प्रेरकों एवं 25 स्वयंसेवकों की सहायता से हर दिन साक्षरता सत्रों का आयोजन किया गया और शाम के समय 27 दिनों के लिए सायंकालीन सत्र चलाये गये। निरक्षरों को घडी में समय देखना, कैलेण्डर पर तारीख देखना, मस्टर रोल, बैंक पासबुक, बस रूट पढने के साथ-साथ दैनिक समाचार पत्र पढना आदि सिखाया गया।

समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक साक्षरता कार्यक्रम के सत्रों में भाग लिया। आज गॉव के अधिकांश लोग साक्षर हो गए हैं। महापरीक्षा अभियान 2015 की प्रतीक्षा कर रहे हैं जिसमें उनके साक्षरता कौशल की परीक्षा होगी।

सांसद का नाम	:	श्री कमलभान सिंह मराबी
ग्राम पंचायत का नाम	:	करमाह
जिले का नाम	:	अंबिकापुर
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	सरगुजा
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ

"जादुई - आँखोंवाला" (मॅजिक आईस वाला) गाँव, गुजरात

85

गुजरात राज्य के नवसारी जिले में चिखली एक गाँव है। सांसद श्री सी आर पाटिल द्वारा इस गाँव का अभिग्रण किया गया है। गाँव पर निगरानी रखने और अपराध का पता लगाने एवं निवारण के लिए निम्नलिखत कार्य प्रारंभ किये गये:

- प्रासंगिक कानून प्रवर्तन एजेसियों के लिए सबूत के प्रावधान
- सार्वजनिक कानून और व्यवस्था बनाए रखना
- असामाजिक व्यवहार और उपद्रव को रोकना
- आम जनता को आश्वासन देना
- आर्थिक कल्याण को बढावा देना

सांसद श्री सी आर पाटिल ने ज्वेलर्स एसोसिएशन, चिखली, होटेल एसोसिएशन, चिखली, क्वेरा एसोसिएशन, चिखली और मर्चेण्ट्स एसोसिएशन द्वारा परियोजना के सहयोग और प्रायोजन से मुख्य सडक एवं बाजार में सी सी टी वी कॅमेरे लगाने के लिए 7 लाख का योगदान दिया। गाँव को अपराध मुक्त गाँव बनाने के लिए इस परियोजना से महत्वपूर्ण सुधार देखे जा सकते हैं।

सांसद का नाम	:	श्री सी आर पाटिल
ग्राम पंचायत का नाम	:	चिखली
जिले का नाम	:	नवसारी
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	नवसारी
राज्य का नाम	:	गुजरात

86 स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिविर पर सामाजिक संग्रहण

तुंडी, झारखंड के धनबाद जिले का एक गाँव है। सांसद (राज्य सभा) के दिशानिर्देश एवं नेतृत्व में, पाठशालाओं में स्वच्छता अभियान आंगनवाडी केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जैसे कई विकासात्मक कार्य प्रारंभ किये गये जिसमें समुदाय ने बडी संख्या में भाग लिया। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों के लिए टीकाकरण सेवाएँ प्रदान की गयी। सां.आ.ग्रा.यो. क्रियाकलाप के भाग के रूप में गाँव में पशुओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शौचालयों का निर्माण और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए गाँव में सामाजिक संग्रहण प्रक्रिया की पहल की गयी। परिणाम स्वरूप, लोगों ने व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण करना आरंभ कर दिया।

सांसद का नाम	:	श्री संजीव कुमार
ग्राम पंचायत का नाम	:	तुंडी
जिले का नाम	:	धनबाद
राज्य का नाम	:	झारखंड

जैविक खेती-स्थायी कृषि को बढावा देना

87

इम्फाल पश्चिम के सांसद श्री थोकचोम मेन्या ने सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत नेरांगबाम ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया गया।

यह महसूस किया गया कि जैविक खेती बेहतर एवं लागत-प्रभावी कृषि पद्धति उत्पादकों एवं उपभोक्ताओं दोनों के लिए लाभदायक है। जैविक खेती के उत्पाद स्वादिष्ट और स्वास्थ्य वर्धक होते हैं। उपभोक्ता, फसल, मृदा, पानी और पर्यावरण पर रासायनिक उर्वरकों का दुष्प्रभाव होने के कारण जैविक खाद के प्रयोग को प्रोत्साहिन दिया जा रहा है।

गांव के परिवर्तन की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए, डॉ. मेन्या ने कुम्बांग गॉंव के कोलोईफाम हाई स्कूल में चयनित 50 प्रगामी कृषकों के लिए ‘ जैविक खेती ‘ पर एक दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस तकनीकी प्रशिक्षण से कृषकों में जैविक खेती पद्धति एवं तकनीक प्रचलित हो गयी। इस प्रक्रिया के अंतर्गत एक कृषक का चयन किया जाता है जो गॉंव के दूसरे किसान को जैविक पद्धति के बारे में समझायेगा और इस प्रकार जैविक कृषि उत्पादों के लाभों के बारे में जानकारी का प्रचार-प्रसार हो, जैविक एवं अजैविक कृषि पद्धति के अंतर को समझाने के लिए एक एकड़ भूमि में आधे हिस्से पर जैविक तकनीक द्वारा फसल उगायी गयी और आधे हिस्से पर अजैविक पद्धति से फसल उगाकर प्रदर्शन द्वारा कृषकों को समझाया गया।

सांसद का नाम	: श्री थोकचोम मेन्या
ग्राम पंचायत का नाम	: नेरांगबाम
जिले का नाम	: भीतरी मणिपुर
चुनाव क्षेत्र का नाम	: इंफाल पश्चिम
राज्य का नाम	: मणिपुर

88 स्वच्छ गाँव के लिए बायोडायजेस्टर शौचालय, नांगबॉ, मिरडॉन

सांसद श्री के.टी.एस. तुलसी ने सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत मिरडॉन मॉतरी ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया। नवीन ग्रामीण प्रौद्योगिकी लोकप्रिय बनाने के लिए सांसद ने एक कार्यक्रम प्रारंभ किया। सांसद के प्रोत्साहन से गाँववालों ने नांगबॉ मिरडॉन गाँव में "ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं आजीविका उन्नयन केन्द्र" के निर्माण के लिए 5 एकड जमीन दान दी। प्रौद्योगिकी केन्द्र से गाँववालों को लाभ होगा। केन्द्र के निर्माण के लिए 9 करोड निवेश का अनुमान लगाया गया। प्रारंभ में 7 बायोडायजेस्टर शौचालय टैंक लगाए गये, एक टंकी से 30-40 घरों के लिए पानी की आपूर्ति की जा सकती है। राज्य सरकार आधारभूत संरचना विकास पहल के अंतर्गत इस विकास पहल को निधि-पोषित किया गया।

सांसद का नाम	:	श्री के.टी.एस. तुलसी
ग्राम पंचायत का नाम	:	मिरडॉन मॉतरी
जिले का नाम	:	रिभोई
राज्य का नाम	:	मेघालय

बस अड्डा: ग्रामीण गतिशीलता को सुसाध्य बनाना, नये मार्ग खोलना

89

गुरुंडिया ग्राम पंचायत में आदिवासी लोग अधिक रहते हैं जिसका सांसद श्री जुआल ओरम ने अभिग्रहण किया यह ग्राम जिला मुख्यालय से 170 कि.मीटर की दूरी पर स्थित है। ग्राम पंचायत के लोगों के समक्ष सार्वजनिक यातायात और संचार एक बडी चुनौती है। सीमित सार्वजनिक यातायात सेवा के लिए पर्याप्त आधारभूत संरचना का न होना मुख्य चुनौति है। सार्वजनिक यातायात संबंधित आधारभूत संरचना को सुधारने के लिए सांसद ने कई कदम उठाये हैं। गॉंव के लिए एक बस स्टेशन , बाजार कॉम्प्लेक्स, स्ट्रीट लाईट और सार्वजनिक शौचालय की आवश्यकता है जिसके निर्माण के लिए 1 करोड रुपए के व्यय का आकलन किया गया। सांसद के लगातार प्रयास से कुछ कार्पोरेट एवं रुंगटा माईन्स जैसे खनन हाऊज के साथ बातचीत की गयी। उन्होंने निगम सामाजिक दायित्व (कार्पोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटि) के एक भाग के रूप में कुछ मदों के लिए निधि सहायता करने की बात मानी। बाकी सहायता के लिए परिसर विकास निधि एवं एम पी एल ए डी आगे आये। सांसद और जिला प्रशासन के प्रयास एवं प्रोत्साहन से ग्राम पंचायत भी लगभग 8 लाख रुपए का योगदान देने के लिए आगे आयी।

यह पहल न केवल गाँववालों को बाजार और अन्य स्थानों से जोडेगी बल्कि नये रोजगार का सृजन एवं ग्राम पंचायत का आर्थिक विकास भी होगा।

सांसद का नाम	:	श्री जुआल ओरम
ग्राम पंचायत का नाम	:	गुरुंडिया
जिले का नाम	:	सुंदरगढ़
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	सुंदरगढ़
राज्य का नाम	:	ओडिशा

90 रु.14 करोड योजना के साथ आदर्श गाँव

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत आदर्श गाँव के रूप में करयामपुत्तूर का विकास करने के लिए रु. 14.12 करोड खर्च के साथ ग्राम विकास योजना (वी डी पी) को अंतिम रूप दिया गया और जिला स्तरीय समिति द्वारा इसका अनुमोदन किया गया जिन्होंने लोकसभा सांसद श्री आर राधाकृष्णन की अध्यक्षता में बैठक में भाग लिया।

केन्द्र और राज्य सरकार की 16 योजनाओं के सम्मीलन के माध्यम से तैयार योजना का कार्यान्वयन 1 वर्ष में किया जाएगा। कारयामपुत्तूर , पुडुच्चेरी से लगभग 40 कि. मीटर की दूरी पर स्थित है और गाँव की जनसंख्या 4,518 है जिसमें 1,191 अनुसूचित जाति के लोग रहते है। सभी सरकारी लाईन विभागों के अधिकारियों की एक विशेषज्ञ समिति, बैंक पदाधिकारी और कारयामपुत्तूर ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों ने ग्राम विकास की आवश्यकताओं, लोगों की जरुरतों का पता लगाने के लिए आवश्यक मूल्यांकन के लिए सर्वेक्षण का आयोजन किया गया। लोगों के फीडबैक के आधार पर विस्तृत योजना रिपोर्ट तैयार की गई और सांसद श्री राधाकृष्णन ने पुनरीक्षण बैठक में उसे जारी किया। रिपोर्ट में विभागीय कार्यकलाप, कार्यान्वयन का समय, आकलित लागत, लागू करनेवाला विभाग और कार्यान्वयन के लिए विद्यमान केन्द्र सरकार की योजनाओं की सूची सम्मिलित है।

समुदाय द्वारा तैयार ग्राम विकास योजना के अनुसार, नाबार्ड से निधि लेकर 1.5 करोड रुपये से सिंचाई नहर से गाद निकालना और नहर को चौडा करना- स्वर्णिम नहर बनाना और उसपर पुल का निर्माण करने को प्राथमिकता दी जाएगी।

भूमि सुधार, मिट्टी की जॉच कृषकों की आवश्यकतानुसार मौसम-वार फसल आदि के लिए सहभागी प्रक्रिया द्वारा विस्तृत योजना तैयार की गयी। कृषकों को किस प्रकार की फसलों को उगाना चाहिए, उत्पादकता कैसे होनी चाहिए तथा उपज और लाभ आदि के बारे में भी निर्देश दिये जाएंगे।

सांसद का नाम	:	श्री आर राधाकृष्णन
ग्राम पंचायत का नाम	:	करयामपुत्तूर
जिले का नाम	:	पुदुच्चेरी
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	पुदुच्चेरी
राज्य का नाम	:	पुदुच्चेरी

91 नागरिकों के द्वार पर अभिशासन

शासन की वर्तमान लोकतांत्रिक प्रणाली धीरे-धीरे बदल रही है। 'सु-शासन' अवधारणा आज का मूलमंत्र है। इसका मुख्य लक्ष्य नागरिक-केन्द्रित हक का है।

यह उद्देश्य ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन सिरसा के साथ सांसद ने गुडियाखेरा गाँव में कई सरकारी विकास योजनाओं एवं कार्यो का कार्यान्वयन किया है। 2 मई, 2015 को सिटिजन सर्वीस सेंटर (सी एस सी) का उद्घाटन किया गया। सिटिजन सर्वीस सेंटर, नागरिक केन्द्रित कार्य है जिसमें जाति प्रमाण पत्र, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आवास प्रमाण पत्र, पॅन कार्ड, पासपोर्ट, ऑन लाईन फॅार्म भरना, स्कूलों के परिणाम देखना, आधारकार्ड, एल आई सी भुगतान करना जैसी सरकारी सेवाओं का वितरण करते हुए शासन नागरिकों तक पहुँचता है। एन आई सी ने अपनी रिपोर्ट में जिला स्तर पर ई-दिशा के बाद इस कार्य के लिए दूसरा रैंक दिया है।

1. जाति प्रमाण पत्र - 553
2. आवास प्रमाण पत्र - 370
3. आय प्रमाण पत्र - 158
4. आधार कार्ड - 180
5. पॅन कार्ड - 07

सी एस सी न केवल गुडियाखेरा के लिए, बल्कि आस-पास के गाँवों के नागरिकों के लिए भी सार्वजनिक सेवाएँ प्रदान कर रहा है। सु-शासन पहल से सारे नागरिक संतुष्ट हैं। नागरिक और प्रशासन के बीच भौगौलिक एवं वैचारिक अंतरालों को भी जोडता है। सु-शासन मिशन द्वारा पारदर्शिता, जवाबदेहिता एवं जिम्मेदारी को वास्तविकता में बदलने पर जोर दिया जा रहा है।

सांसद का नाम	:	श्री चरणजीत सिंह रोरी
ग्राम पंचायत का नाम	:	गुडिया खेरा
जिले का नाम	:	सिरसा
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	सिरसा
राज्य का नाम	:	हरियाणा

92 ई-पी डी एस प्रबंध

सांसद श्री सचिन रमेश तेंडुलकर के हस्तक्षेप से नेरनूर ग्राम पंचायत के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने ई-पी डी एस प्रबंध प्रणाली का विस्तार किया। इस पहल के अंतर्गत, विभिन्न उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न खरीदने के लिए हकदार रेशन कार्ड धारकों को बॉयोमेट्रिक जानकारी से पुन: पंजीकृत किया गया। रेशन कार्ड के साथ आधार कार्ड अंक को भी जोडा गया।

इससे प्रत्येक परिवार के लिए दिये गये खाद्यान्न का रिकार्ड बनाने में मदद मिली। प्रत्येक लेन-देन के बाद, उस परिवार को दिए जानेवाले शेष खाद्यान्न का विवरण "शेष खाद्यान्न तालिका" स्वत: अद्यतन किया जाता है। प्रत्येक लेन-देन के बाद रेशन कार्ड धारकों को लेन-देन की रसीद दी जाती है। फिंगरप्रिंट का प्रयोग होने के कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी डी एस) के अंतर्गत सही लाभार्थी को ही खाद्यान्न पहुँच रहा है यह बात सुनिश्चित हुई है। इस पद्धति में रेशन वितरण के दौरान होनेवाली मैनुअल त्रुटि से भी बचा जा सकता है।

सांसद का नाम	:	श्री सचिन रमेश तेंडुलकर
ग्राम पंचायत का नाम	:	नेरनूर
जिले का नाम	:	नेल्लूर
राज्य का नाम	:	आन्ध्र प्रदेश

पहला, 'खुले में शौच मुक्त गाँव' - धमतरी जिला

सांसद आदर्श ग्राम चर्रा सिर्फ स्वप्न देखकर ही नहीं रुकता। सांसद आदर्श ग्राम चर्रा ने गाँव बेहतर भविष्य की ओर निश्चित कदम उठाने का निर्णय लिया है। गाँव में आधारभूत सुविधा के प्रावधान करने के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया जा रहा है। इस कार्य में हाल ही में स्वच्छता कार्य को जोडा गया है।

मनरेगा एवं अन्य विभागों की योजनाओं के सम्मीलन के अंतगर्त, चर्रा में कई विकासात्मक कार्य किए गए। स्वच्छ भारत मिशन के आई ई सी कार्य के भाग के रूप में गॉंव में एक दिन फिल्म दिखायी गयी। सिनेमा से प्रभावित होकर लोगों ने खुले में शौच न करने का निर्णय लिया। वार्ड-वार निगरानी समिति का गठन किया गया, जो शौचालयों के निर्माण का कार्य और उसके उपयोग की देखरेख करेंगे। चर्रा में कुल 20 वार्ड हैं।

सरपंच, महिला स्वयंसेवी समूह एवं युवाओं के साथ मिलकर सांसद ने विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के अंतर्गत लाभ उठाने के लिए 405 योग्य परिवारों की पहचान करवा दी। कुल रु. 48.6 लाख योग्य परिवारों से प्राप्त किये गये।

यह निर्णय लिया गया कि कोई भी अगर खुले में शौच करते हुए पकडा जाएगा तो उसे जुर्माने के रूप में 500 रुपया देना होगा और खुले में शौच करनेवालों के बारे में जो रिपोर्ट करेगा उसको इनाम के रूप में 200 रुपये दिये जाएंगे। गाँव में कुल 385 स्वतंत्र घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया। जिला प्रशासन द्वारा चर्रा को खुले में शौच करने से मुक्त गाँव घोषित किया गया। पूरे जिले में यह पहला ऐसा गाँव है।

सांसद का नाम	:	श्री चन्दुलाल साहु
ग्राम पंचायत का नाम	:	चर्रा
जिले का नाम	:	महासमुन्द
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	धमतरी
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ

94 लोगों के साथ जुड़ने का कार्यक्रम-सरकारी सामुदायिक परिचर्चा

कृष्णागिरी के सांसद श्री के अशोक कुमार द्वारा एस ए जी वाई के अंतर्गत सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछडा हुआ और सूख ग्रस्त क्षेत्र तल्ली खंड के ज्वाला ग्राम पंचायत की पहचान की गयी। थल्ली के एम एल ए तथा जिला कलेक्टर की सहायता से सांसद द्वारा जन संपर्क कार्यक्रम की पहल की गयी।

विभिन्न सरकारी विकास योजनाओं के अंतर्गत निर्धन लोगों द्वारा प्राप्त लाभ निम्नानुसार हैं :

- सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत कमजोर वर्ग से संबंधित 247 महिला एवं 163 पुरुष लाभार्थी लाभान्वित हुए। निराश्रित विधवा, शारीरिक रूप से विकलांग / दृष्टि हीन लोग, वयोवृद्ध, बेसहारा लोग, कृषि मजदूर एवं अविवाहिताओं को 4,09,000 रु. पेशन दी गयी। 19 नये निराश्रितों ने वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त की।
- निशुल्क पट्टा योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति (एस सी) पिछडा वर्ग (बी सी) अत्यंत पिछडा वर्ग (एम वी सी) के 19 लाभार्थियों ने निशुल्क आवास पट्टे प्राप्त किये 64 लाभार्थियों ने हस्तांतरण पट्टे प्राप्त किये और 36 लाभार्थियों ने विभाजन द्वारा आवास पट्टे प्राप्त किया।
- 10 लाभार्थियों को परिवारिक रेशन कार्ड प्राप्त हुआ।
- 8 गरीब महिलाओं को मुफ्त में सिलाई मशीन दी गयी प्रत्येक मशीन का दाम रु. 3,465 है और 2 पुरुष लाभार्थियों को रु. 4,245 इस्तरियाँ (प्रेस) दी गयी।
- 20 महिला स्वयंसेवी समूह सदस्यों ने रु. 10,000 प्रति व्यक्ति की ऋण सहायता प्राप्त की।
- 4 कृषकों के लिए रु. 1,34,750 का फसल ऋण दिया गया और 7 कृषकों के लिए फसल नुकसान की क्षतिपूर्ति दी गई।
- वर्षाधारित भूमि पर चारा फसल उगाने के लिए 20 कृषकों की सहायता दी गयी और 9 कृषकों के लिए कट फ्लावर्स की खेती करने के लिए सहायता की गयी।
- 10 लाभार्थियों को 1,11,000 रुपये की रियायती दरों पर व्यक्तिगत घरेलू शौचालय का निर्माण करने के लिए धनराशि दी गयी।

जन संपर्क कार्यक्रम से कुल 638 लाभार्थी लाभान्वित हुए। लोगों ने सांसद आदर्श ग्राम योजना में भाग लेकर उसे सफल कार्यक्रम बनाने की शपथ ली।

सांसद का नाम	:	श्री के अशोक कुमार
ग्राम पंचायत का नाम	:	ज्वालागिरी
जिले का नाम	:	कृष्णगिरी
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	कृष्णगिरी
राज्य का नाम	:	तमिलनाडू

जैविक खेती को बढ़ावा, ख्वालाइलंग गाँव

95

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सांसद श्री सी.एल. रुआला द्वारा ख्वालाइलंग गाँव का अभिग्रहण किया है। मात नदी के कारण गाँव 2 जिला जोनों में विभाजित है। गाँव में उच्च भूमि और निम्नभूमि उपलब्ध है। गुरुत्वाकर्षण प्रवाह द्वारा निम्न भूमि की सिंचाई होती है लेकिन ऊर्जा आपूर्ति की कमी के कारण उच्च भूमि में सिंचाई नहीं होती अथवा बहुत कम खेती होती है। समस्या के निवारण के लिए सांसद श्री सी एल रुआला ने ग्राम पंचायत में सौर ऊर्जा से उत्थान सिंचाई पद्धति प्रारंभ की। इस पद्धति से यह आशा है कि अतिरिक्त 100 एकड भूमि पर सिंचाई कर खेती की जाएगी। मिट्टी की उत्कृष्ट गुणवत्ता देखते हुए सांसद सभी कृषकों को जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। बेहतर दाम प्राप्त करने के लिए उत्पाद को "जैविक" के नाम से बेचने की योजना बनायी जा रही है।

सांसद का नाम	:	श्री सी.एल. रुआला
ग्राम पंचायत का नाम	:	ख्वालाइलंग
जिले का नाम	:	मिजोरम
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	सरछिप
राज्य का नाम	:	मिजोरम

96 मछली-पोखर एवं उद्यान

नागालैड ज़ुलॉजिकल गार्डन के निकट यह गाँव होने के कारण सांसद श्री नेफियुरियो ने बहुउद्देशीय परियोजना प्रारंभ की है। मछली पालन के लिए मनरेगा द्वारा एक एकड के बडे तालाब का नवीकरण किया गया। आस-पास के स्थान में कुछ दुकानें लगायी गयी और पार्क में आराम करने की सुविधा दी गयी। गाँववालों के अलावा पर्यटक भी पार्क में आएँगे। यह पार्क न केवल सांस्कृतिक केन्द्र बनेगा बल्कि आजीविका के नये अवसर भी प्रदान करेगा।

सांसद का नाम	:	श्री नेफियुरियो
ग्राम पंचायत का नाम	:	सेलोफे
जिले का नाम	:	नागालैंड
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	दीमापुर
राज्य का नाम	:	नागालैंड

योग द्वारा धौली गाँव के स्वास्थ्य विकास का रास्ता सुलभ

97

सांसद (राज्य सभा), श्री प्यारी मोहन महापात्रा ने सांसद आदर्श ग्राम के रूप में धौली गाँव का अभिग्रहण किया। सामुदायिक योग पद्धति को बढावा देने और रचनात्मक स्वतंत्रता के लिए खुशी के माहौल का सृजन करने के लिए उन्होंने सबसे पहले योग शिविर प्रारंभ किया। नये-नये विचारों पर चर्चा करने, भारतीय संस्कृति को समझने और नागरिकों के शारीरिक, मानसिक भावनात्मक भलाई के लिए समुदाय को मदद करने का यह एक प्रयास रहा है। योग-सत्रों द्वारा, आदर्श गाँव की स्थापना के प्रति गाँव के समुदाय के साथ सांसद ने अच्छा संबंध स्थापित कर लिया। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति समुदाय को जानकारी देने के लिए परिचयात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिशुओं को माँ का दूध पिलाना, संस्थागत प्रसूति एवं प्रसूति के बाद देखभाल आदि के महत्व पर जानकारी देने के लिए मातृ-समितियों (मदर्स कमिटि) की स्थापना की गयी।

सांसद का नाम	:	श्री प्यारी मोहन महापात्रा
ग्राम पंचायत का नाम	:	धौली
जिले का नाम	:	खुरदा
राज्य का नाम	:	ओडिशा

98 वित्तीय समावेश शिविर

सांसद ने जिला प्रशासन, नाबार्ड के सहायक महा प्रबंधक और अन्य बैंकरो के सहयोग से सां.आ.ग्रा.यो. के अंतर्गत अभिगृहित गॉव में वित्तीय समावेश शिविर का आयोजन किया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा एवं जीवन ज्योति योजना पर जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत केवल 2.2 प्रतिशत नामांकन रहा था, लेकिन जागरुकता शिविर के बाद 15.5 प्रतिशत हो गया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के अंतर्गत नामांकन शून्य रहा था लेकिन शिविर आयोजन के बाद 1.4 प्रतिशत नामांकन बढ़ गया।

सांसद का नाम	:	श्री नागराजन पी
ग्राम पंचायत का नाम	:	अग्रहारासमाकुलम
जिले का नाम	:	कोयम्बत्तूर
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	कोयम्बत्तूर
राज्य का नाम	:	तमिलनाडू

स्वस्थ आदतों को बढावा देना; योगाभ्यास

99

भारतीय परंपरा में योग का विशेष स्थान है और यह माना जाता है कि मनुष्य पर स्वास्थ्यवर्धक प्रभाव डालता है। सांसद श्री कमलभान सिंह के मार्गदर्शन में ग्राम विकास समिति ने गाँववालों का स्वास्थ्य सुधारने के लिए योग को बढावा देने का निर्णय लिया।

करमहा गॉंव में जागरुकता अभियान चलाने के लिए अंबिकापुर का पतंजली योगपीठ आगे आया। उन्होंने योग द्वारा समुदाय को योग से होनेवाले लाभों के बारे में बताया। गाँव के विकास के लिए पीठ द्वारा 1 लाख रुपए दिये गये।

ग्राम विकास समिति के सदस्य एवं युवक सहित गॉंव से 50 लोगों के एक समूह ने हरिद्वार में पतंजली समूह मुख्यालय में 1 सप्ताह के योग अभ्यास सत्र में भाग लिया।

वहाँ से वापिस आने के बाद, समुदाय के लोग गाँव के अन्य लोगों को योग प्रशिक्षण देने का काम करने लगे 21 जून को विश्व योग दिवस पर सांसद श्री कमलभान सिंह के साथ गाँववाले और पडोसी गाँव के निवासियों एवं सदस्यों ने योगाभ्यास किया और युवाओं एवं ग्रामवासियों को प्रोत्साहित किया।

सांसद का नाम	:	श्री कमलभान सिंह मराबी
ग्राम पंचायत का नाम	:	करमहा
जिले का नाम	:	अंबिकापुर
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	सरगुजा
राज्य का नाम	:	छत्तीसगढ

100 ई - वैद्य : सभी के लिए स्वास्थ्य

सांसद श्री केसिनेनी श्रीनिवास (नानी) ने विजयवाडा संसदीय निर्वाचिन क्षेत्र में ए. कोडूरु मंडल के गोल्लमंडला ग्राम पंचायत का अभिग्रहण किया। प्रारंभिक दिनो में, उन्होंने देखा कि अक्सर गाँववाले कई प्रकार की बीमारियों से पीडित रहते हैं और सरकारी अस्पताल में इलाज भी होता है। लेकिन बीमारी का सही निदान न होने और सही रिकार्ड न रखने के कारण चिकित्सा करने में कठिनाई हो रही है।

इस समस्या के निवारण के लिए, सांसद के नेतृत्व में मेगा स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया जहाँ गाँववालों की बीमारियों की परीक्षा की गयी। मेडिकल रिकार्ड के साथ प्रत्येक ग्रामवासी के लिए व्यक्तिगत पोर्टफोलियो बनाया गया, जिसे ई-वैद्य कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनलाईन लगाया गया।

सांसद का नाम	:	श्री केसिनेनी श्रीनिवास (नानी)
ग्राम पंचायत का नाम	:	गोल्लमंडला
जिले का नाम	:	विजयवाडा
चुनाव क्षेत्र का नाम	:	कृष्णा
राज्य का नाम	:	आन्ध्र प्रदेश

शिक्षा और जल संरक्षण को बढावा देना

101

एंकुल, सतारा जिला मुख्यालय से 70 कि.मी. की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत है और जिले के सूखाग्रस्त क्षेत्र में आता है। गाँव की कृषि पद्धति मौसमी होने के कारण बेहतर रोजगार अवसरों के लिए गाँववाले अधिक संख्या में गाँव से पलायन करते रहे हैं।

सांसद (राज्य सभा) श्री शरद चन्द्र गोविंदराव पवार का मानना है कि पलायन रोकने के लिए सही शिक्षा और आजीविका हस्तक्षेप महत्वपूर्ण है और स्थिति को सुधारने के लिए उन्होंने लगातार प्रयास किये।

गाँव में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए श्री शरद पवार ने अपने चैरिटबल ट्रस्ट के माध्यम से कई कार्य किये जैसे स्कूल भवन का निर्माण, चहारदिवारी, पुराने भवनों का नवीकरण और रयत शिक्षण संस्थान द्वारा स्थानीय पाठशालाओं में एल सी डी परियोजना का आरंभ आदि।

गाँव में सिंचाई और पीने के लिए पानी का अभाव है। सिंचाई के लिए लोग मुख्यत: भूगर्भ जल पर आधारित हैं। क्षेत्र में रहनेवाले अधिकांश परिवारों के लिए पेयजल का मुख्य स्रोत वाटर टैंकर है। इन जमीनी वास्तविकताओं के आधार पर, सांसद द्वारा सां.आ.ग्रा.यो. के अंतर्गत एन्कुल ग्राम पंचायत पंचायत का चयन किया गया।

चयन प्रक्रिया के बाद, सांसद द्वारा सरकारी लाईन विभागों की संपूर्ण समीक्षा की गयी। पानी की कमी को ध्यान में रखते हुए, लघु जल संग्रहण संरचना का विकास एवं क्षेत्र में निहित जल निकाइयों से गाद निकालने के लिए कई कार्य प्रारंभ करने हेतु पेयजल, कृषि एवं लघु सिंचाई विभागों को विशिष्ट निर्देश दिये गये। फलस्वरुप, महात्मा गाँधी, फुले जल भूमि अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम एवं मनरेगा द्वारा केवल छ: महीने की अवधि में कई कार्य पूरे किये गये। सरकार, निर्वाचित लोक प्रतिनिधिगण एवं समुदाय जैसे बहु-स्टेकहोल्डर्स के निरंतर प्रयासों के कारण समुदाय के लिए साफ पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने लगा।

सांसद का नाम	:	श्री शरद चन्द्र गोविंदराव पवार
ग्राम पंचायत का नाम	:	एन्कुल
जिले का नाम	:	सातारा
राज्य का नाम	:	महाराष्ट्र

ग्रामीण विकास विभाग
ग्रामीण विकास मंत्रालय
भारत सरकार

कृषि भवन, नई दिल्ली - 110 001

www.saanjhi.gov.in

एवं

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान

हैदराबाद